हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 15 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :209 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

एक साथ चुनाव कराने से देश का संघीय ढांचा कमजोर होगा :महबूबा मुफ्ती

एजेंसी

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ह्यएक देश, एक चुनावह्न की अवधारणा देश के संघीय ढांचे को कमजोर करती है। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यदुर्भाग्य से, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की यह सरकार दिन-प्रतिदिन भारत के संविधान को नष्ट कर रही है। भारत एक संघीय देश है, जिसका एक संघीय ढांचा है। एक देश, एक चुनाव की बात करके आप संघीय ढांचे को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजग सरकार 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात करती है, लेकिन वास्तव में वे देश को पीछे ले जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्यवे 2047 की बात करते हैं, लेकिन वे पीछे की ओर जा रहे हैं। देश के स्वतंत्र होने के बाद शुरूआती वर्षों में एक देश, एक चुनाव था। इसके बाद, क्षेत्रों के बीच सत्ता का वितरण हुआ और संघीय ढांचे का जन्म हुआ। वे हमें उसी तानाशाही की ओर वापस ले जाना चाहते हैं,

नेहरू से राहुल तक,

लोकसभा में गांधी परिवार पर जमकर बरसे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि 1952 के पहले राज्यसभा का भी गठन नहीं हुआ था। राज्यों में भी कोई चुनाव नहीं थे, जनता का कोई आदेश नहीं था। उसी दौरान उस समय के प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को एक चिट्ठी लिखी थी।

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में कहा कि भारत का गणतांत्रिक अतीत विश्व के लिए प्रेरक रहा है और इसलिए देश को लोकतंत्र की जननी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जब हम संविधान लागू होने के 75 वर्ष का उत्सव मना रहे हैं तो अच्छा संयोग है कि राष्ट्रपति पद पर एक महिला आसीन हैं जो संविधान की भावना के अनुरूप भी है। मोदी ने कहा कि भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में बहुत मजबूत कदम रख रहा है और 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प उसे स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक विकसित भारत बनाने का है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के निर्णयों में लगातार भारत की एकता को मजबूती देने का प्रयास किया जाता रहा है, अनुच्छेद 370 एकता में रुकावट बना हुआ था और इसलिए हमने जमीन में गाड़ दिया। मोदी ने कहा कि हमने संविधान की एकता की भावना के अनुरूप नई शिक्षा नीति में मातृको बहुत बल दिया है और अब गरीब परिवार के बच्चे मातृमें पढ़ाई करके डॉक्टर-इंजीनियर बन सकते हैं। उन्होंने साफ

तौर पर कहा कि कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी, इस परिवार ने हर स्तर पर संविधान को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता ये भारत की विशेषता रही है और इस देश की प्रगति भी विविधता को सेलिब्रेट करने में है। लेकिन गुलामी की मानसिकता में पले-बढ़े लोगों ने, भारत का भला न देख पाने वाले लोगों ने... वो विविधता में विरोधाभास ढूढते रहे। इतना ही नहीं, विविधता जो हमारा अमूल्य खजाना है उसको सेलिब्रेट करने के बजाय उस विविधता में ऐसे जहरीले बीज बोने के प्रयास करते रहे, ताकि देश की एकता पर चोट पहुंचे प्रधानमंत्री ने कहा कि 1952 के पहले राज्यसभा का भी गठन नहीं हुआ था। राज्यों में भी कोई चुनाव नहीं थे, जनता का कोई आदेश नहीं था। उसी दौरान उस समय के प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को एक चिट्ठी लिखी थी। उस चिट्ठी में उन्होंने लिखा था, 'अगर संविधान हमारे रास्ते के बीच में आ जाए तो हर हाल में संविधान में परिवर्तन करना चाहिए'। उन्होंने कहा कि 1951 में ये पाप किया गया लेकिन देश चुप नहीं था। उस समय के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें चेताया कि ये गलत हो रहा है...लेकिन पंडित जी का अपना संविधान चलता था और इसलिए उन्होंने इतने वरिष्ठ महानुभावकों की सलाह मानी नहीं। ये संविधान संशोधन करने का ऐसा खून कांग्रेस के मुंह लग गया कि समय-समय पर वो संविधान का शिकार करती रही।अन्य कार्यवाहीकेंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को लोकसभा में कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किसी को ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जिससे देश की छवि को नुकसान पहुंचे। उन्होंने सदन में ह्यभारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्राह्न पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि भारत के संविधान में अल्पसंख्यकों के लिए जिस तरह के सुरक्षात्मक उपाय हैं, उतने किसी दूसरे देश में नहीं है। वहीं, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता ए राजा ने शनिवार को केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तो देश में आपातकाल लगाकर केवल लोकतंत्र को आघात पहुंचाया, लेकिन इस सरकार ने संविधान की मूल संरचना के सभी तत्वों पर आक्रमण किया है।

कांग्रेस पर बरसे ललन सिंह- अपनी सरकारों का इतिहास पढ़िए,

एजेंसी

नई दिल्ली:ललन सिंह ने कहा कि विपक्ष ने हमेशा रात के अंधेरे में संविधान की धज्जियां उड़ाई, संविधान को तार-तार किया, आधी रात को आपातकाल लगाया गया। और अब विडंबना देखिए, कांग्रेस के सदस्य हाथ में संविधान की प्रतियां लिये घूम रहे हैं केंद्रीय मंत्री और जदयू सांसद राजीव रंजन सिंह ने पिछली कांग्रेस सरकारों पर अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके विपक्ष के नेतृत्व वाले राज्यों को गिराने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी को संविधान के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल में सात बार, इंदिरा गांधी के शासनकाल में 51 बार, राजीव गांधी के शासनकाल में छह बार, नरसिम्हा राव के शासनकाल में 11 बार और मनमोहन सिंह के

संविधान के भक्षक कभी रक्षक नहीं बन सकते

शासनकाल में 12 बार किया गया था। सिंह ने कहा कि संविधान का अपमान करने वाले इसके रक्षक नहीं हो सकते, जैसा कि वे पुस्तक की एक प्रति के साथ घूमकर चित्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक पीएम मोदी सत्ता में हैं तब तक कोई भी संविधान से छेड़छाड़ नहीं कर सकता। प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा की गई जाति जनगणना की मांग के बारे में सिंह ने कहा कि जब मुंबई में इंडिया ब्लॉक की बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया कि एक प्रस्ताव पारित किया जाए, तो राहुल गांधी चुप रहे।

मुंबई हनुमान मंदिर विवाद पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पहली बार दी प्रतिक्रिया,

एजेंसी

नई दिल्ली:मुंबई हनुमान मंदिर विवाद पर सीएम देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कोर्ट ने एक आदेश में मंदिरों का वर्गीकरण किया था और उस आदेश के मुताबिक पुराने मंदिरों को नियमित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम रेलवे प्रशासन से बात कर इस मसले का कोई न कोई समाधान जरूर निकालेंगे। मंदिर को नियमित करने के लिए नियमानुसार जो भी हम कर सकते हैं, करेंगे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मुंबई के दादर पूर्व रेलवे स्टेशन पर हनुमान मंदिर के विध्वंस पर रोक लगाने के लिए हस्तक्षेप किया। मुंबई मंदिर को रेलवे द्वारा विध्वंस नोटिस भेजा गया था क्योंकि यह रेलवे भूमि पर बनाया गया था जो स्टेशन के पुनर्विकास के लिए आवश्यक थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आशीष शेलार और मंगल प्रभात लोढ़ा ने मध्य रेलवे टीम से मुलाकात की और उनसे बात करने के बाद वैष्णव से इस प्रक्रिया पर रोक लगाने का अनुरोध किया।

वक्फ की जमीन, हिजाब और खानाङ्कतो अंबेडकर को भी लेना पड़ता परमिशनङ्क संविधान पर बहस के दौरान ऐसा क्यों बोले असदुद्दीन ओवैसी?

एजेंसी

नई दिल्ली:भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान भाग लेते हुए, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री को वक्फ संपत्तियों के बारे में गलत जानकारी दी गई है और उन्होंने यह भी सलाह दी कि पीएम को अनुच्छेद 26 के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि अनुच्छेद 26 पढ़ें, यह धार्मिक संप्रदाय, धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्था स्थापित करने और बनाए रखने का अधिकार देता है। प्रधान मंत्री कहते हैं कि वक्फ का संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। पीएम को कौन पढ़ा रहा है? उन्हें अनुच्छेद 26 पढ़ने दीजिए।ओवैसी ने कहा कि अनुच्छेद 25 प्रोफेसर की बात करता है। आज, मेरी बेटियों को सरकारी संस्थानों में

हिजाब पहनने से रोका जा रहा है। तो, प्रोफेसर कितना सफल रहा है? हरियाणा और राजस्थान में गौरक्षकों को पुलिस जैसे अधिकार दिए गए। उन अधिकारों का दुरुपयोग मॉब लिंचिंग के लिए किया गया। बंगाल के साबिर मलिक को पीट-पीट कर मार डाला गया, बाद में पता चला कि उन्होंने गोमांस नहीं खाया था और नासिर को जिंदा जला दिया गया मुझसे पूछा जा रहा है कि क्या 500 साल पहले वहां कोई मस्जिद थी। अगर मैं इस संसद को खोदूं और कुछ मिलेगा, तो क्या वह मेरी हो जाएगी?

ओवैसी ने कहा कि अनुच्छेद 26 पढ़ें, यह धार्मिक संप्रदाय, धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्था स्थापित करने और बनाए रखने का अधिकार देता है। प्रधान मंत्री कहते हैं कि वक्फ का संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। पीएम को कौन पढ़ा रहा है? उन्हें अनुच्छेद 26 पढ़ने दीजिए।

हिमाचल प्रदेश : भाजपा ने जंगली मुर्गा वाले बयान को लेकर मुख्यमंत्री सुक्खू की आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली:भाजपा) की हिमाचल प्रदेश इकाई ने अपने सहयोगियों को कथित तौर पर जंगली मुर्गा खाने की सलाह देने वाले बयान को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की आलोचना करते हुए उनसे माफी की मांग की है। इस बीच, सुक्खू ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि वह स्वास्थ्य कारणों से तैलीय और मांसाहारी भोजन नहीं खाते हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में मांसाहारी व्यंजन खाना जिंदगी जीने

का एक तरीका है और विपक्षी नेता इसे बेवजह ही मुद्दा बना रहे हैं। इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें सुक्खू कहते हुए नजर आ रहे हैं,नको दो जंगली मुर्गा, हमे थोड़ी खाना है।इसके बाद सुक्खू अपने सहयोगियों से पूछते हैं कि क्या वे यह व्यंजन खाना चाहेंगे। भाजपा ने इसी वीडियो को लेकर सुक्खू पर निशाना साधा है। यह वीडियो शिमला जिले के दूरदराज के टिक्कर इलाके में बनाया गया था, जहां मुख्यमंत्री शुक्रवार रात स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शैंडी और अन्य अधिकारियों के साथ रात्रि भोज कर रहे थे।इस रात्रि भोज में ही यह व्यंजन परोसा गया था।

विजयेंद्र ने वक्फ मुद्दे पर अल्पसंख्यक आयोग प्रमुख को रिश्वत की पेशकश की: सिद्धरमैया

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने आरोप लगाया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने वक्फ संपत्ति अतिक्रमण की जांच को दबाने के लिए पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपदी को 150 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की। उन्होंने यह भी ??दावा किया कि मणिपदी ने इस भ्रष्टाचार के बारे में प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। सिद्धरमैया ने जारी किये एक बयान में

कहा, ह्यह्यअनवर मणिपदी ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि बी एस येदियुरप्पा के मुख्यमंत्री रहने के दौरान विजयेंद्र उनके घर आए थे और वक्फ संपत्ति अतिक्रमण रिपोर्ट के बारे में चुप रहने के लिए 150 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। अनवर ने कहा था कि विजयेंद्र को उन्होंने घर से बाहर भेज दिया और इस घटना की सूचना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष को दी।मणिपदी या विजयेंद्र की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मुख्यमंत्री ने सवाल किया, ह्यह्यमोदी के न खाऊंगा, न खाने दूंगाह्न वादे का क्या हुआ? इस गंभीर आरोप पर उनकी चुप्पी संदेह और कई सवाल खड़े करती है।

सांसद शशि थरूर बने फॉस्टिमा बिजनेस स्कूल के मार्गदर्शक 3.0 के चीफ गेस्ट

डॉ. शशि थरूर ने 'मार्गदर्शक 3.0' में शिरकत की

एजेंसी

नई दिल्ली:डॉ. शशि थरूर ने 'मार्गदर्शक 3.0' में शिरकत की। यह समारोह फॉस्टिमा बिजनेस स्कू द्वारा आयोजित किया गया था। यह आयोजन आईआईएम अहमदाबाद के फाउंडिंग फैकल्टीज के सम्मान में किया गया था। डॉ. थरूर को इस यादगार शाम के चीफ गेस्ट के रूप में इनवाइट किया गया था, साथ ही सम्मानित अतिथियों में एसवाई सिद्दीकी, किरण करिक, राजीव दुबे और ध्रुव प्रकाश शामिल थे। इनमें सलाहकार परिषद के सदस्य, बड़ी कंपनियों के प्रमुख लोग और मेकमाईट्रिप, केपीएमजी, ब्लू पाई कंसल्टिंग जैसी संस्थाओं के सीनियर अधिकारी शामिल थे। इन सभी के पास बहुत व्यापक और अलग अलग एक्सपीरिएंस थे।इन लोगों के अनुभवों ने इस प्रोग्राम को खास बना दिया। मार्गदर्शक 3.0 अवार्ड्स में 11 कैटेगरी में विनर्स का चयन किया गया। इसमें बड़ी कंपनियों के चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर (सीएचआरओ), मार्केटिंग डिपार्टमेंट के हेड ऑफ ह्यूमन रिसोर्स (एचआरबीपी मार्केटिंग) और एसोसिएट डायरेक्टर शामिल थे। उन्हें उनके काम के लिए सम्मानित किया गया।सभी गेस्ट्स और पार्टिसिपेंट्स को संबोधित करते हुए, डॉ. शशि थरूर ने कहा कि मैं फॉस्टिमा बिजनेस स्कूल के मार्गदर्शक अवार्ड्स के तीसरे एडिशन का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।इस अवार्ड की शुरूआत चार साल पहले प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजेंट (आईआईएम) के फाउंडिंग फैकल्टी के सम्मान में की गई थी।

महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, सीएम की 'महिला संवाद यात्रा' से पहले तेजस्वी यादव का बड़ा दांव

एजेंसी

पटना:जैसे ही बिहार चुनाव के लिए तैयार हो रहा है, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की घोषणा की। माई बहन मान योजना के तहत, यादव ने वंचित माताओं और बहनों के बैंक खातों में सीधे 2,500 रुपये मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने वादा किया कि सरकार बनने के एक महीने के भीतर यह योजना शुरू की जाएगी। एक सार्वजनिक रैली में बोलते हुए, यादव ने समर्थन की अपील करते हुए कहा, ह्यह यह योजना कठिनाइयों का सामना करने वाली हर माँ और बहन के लिए है। हमें अपने वोटों से

आशीर्वाद दें और हम सुनिश्चित करेंगे कि उनके संघर्ष हमारी जिम्मेदारी बनें। उन्होंने कहा कि फंडिंग पर सवालों का अनुमान लगाते हुए, यादव ने चिंताओं को खारिज कर दिया और मुख्यमंत्री से यह बताने को कहा कि पिछले कल्याण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक कैसे प्रबंधित किया गया था। ह्लजब कुछ लोग पूछते हैं कि पैसा कहां से आएगा, तो मैं उनसे हमारे रिकॉर्ड को देखने के लिए कहता हूं। हमने पहले भी ऐसा किया है और फिर भी ऐसा करेंगे।बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार जैसे प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, यादव ने वर्तमान सरकार पर बिहार की तत्काल जरूरतों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उपमुख्यमंत्री के रूप में मैंने पांच लाख नौकरियों की सुविधा प्रदान की और अन्य 3.5 लाख के लिए अवसर पैदा किए। फिर भी आज, बिहार प्रवासन और बेरोजगारी में नंबर एक बना हुआ है एक सार्वजनिक रैली में बोलते हुए, यादव ने समर्थन की अपील करते हुए कहा, ह्लयह योजना कठिनाइयों का सामना करने वाली हर माँ और बहन के लिए है। हमें अपने वोटों से आशीर्वाद दें और हम सुनिश्चित करेंगे कि उनके संघर्ष हमारी जिम्मेदारी बनें।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय निधि चौक मधुबनी के प्रांगण में संगठन की मजबूती को लेकर संगठनात्मक संरचना कैसे तैयार हो

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय निधि चौक मधुबनी के प्रांगण में संगठन की मजबूती को लेकर संगठनात्मक संरचना कैसे तैयार हो इन विषय पर आज मधुबनी भाजपा के जिला अध्यक्ष शंकर झा के अध्यक्षता में एक बैठक की गई जिसके मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सहरसा के विधायक आलोक रंजन झा ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि यह जो संगठन का चुनाव है इसी चुनाव के दम पर पार्टी बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनाने जा रही है इसलिए ऐसे लोगों को संगठन में वरीयता देना चाहिए जो संगठन के प्रति लगाव रखते हो संगठन के प्रति निष्ठावान हो इस बैठक में पूर्व मंत्री बिहार सरकार बेनीपट्टी के विधायक विनोद नारायण झा उत्तर बिहार के प्रांतीय सहसंयोजक एवं विधान परिषद सदस्य घनश्याम ठाकुर खजौली के विधायक अरुण शंकर प्रसाद बिहार विधानसभा के सचेतक एवं विस्फी के विधायक हरीभूषण ठाकुर बचौल मधुबनी के सम्मानित मेयर अरुण राय किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष हितेंद्र नारायण ठाकुर इन सभी के द्वारा अपने-अपने विचार को प्रकट किया गया साथमें जिला महामंत्री श्देवेंद्र प्रसाद यादव प्रमोद सिंह ज्योति नारायण मंडल जिला उपाध्यक्ष प्रभांशु झा मधुबनी लोक संयोजक प्रशांत ठाकुर आईटीसेल जिला संयोजक शह किसान मोर्चा जिला महामंत्री राजीव झा एवं आईटी सेल जिला सहसंयोजक कन्हैया कुमार गुप्ता भी शामिल हुए आज के बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सहरसा के विधायक आलोक रंजन झा एवं किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं मधुबनी जिला संगठन पर्व प्रभारी मनोज कुमार सिंह

गणना कार्य दिसम्बर 2024 तक संपन्न कराने का निर्देश:डीएम

मो सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:ग्रामीण कृषि गणना 2021-22 के द्वितीय एवं तृतीय चरण के गणना कार्य के निमित जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन परिचर्चा भवन में किया गया। प्रशिक्षण कार्य में जिलाधिकारी रिची पांडेय एवं अपर समाहर्ता श्री कुमार धनंजय भी उपस्थित थे। उक्त कृषि गणना कार्य दिसंबर 2024 तक संपन्न करा लिए जाने का निर्देश है। कार्यक्रम में जिले का प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा सभी प्रतिभागियों को कृषि गणना के संबंध में आवश्यक एवं मूलभूत जानकारी प्रदान की गईएवं वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सैद्धांतिक, व्यावहारिक एवं विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी ने कृषि गणना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृषि गणना के अंतर्गत भूमि उपयोग, विभिन्न फसलों से आच्छादित क्षेत्र, पशुधन, कृषि-मशीनरी एवं उपकरण, उर्वरक, बीज, कृषि ऋण आदि पर आंकड़े एकत्रित कर कृषि संरचना में नए विकास कार्यक्रम एवं उनकी प्रगति पर मूल्यांकन कर एक विकसित कृषि नीति का आधार तैयार करने के लिए कृषि गणना आंकड़ा एक महत्वपूर्ण स्रोत है।उन्होंने सभी अंचल के पदाधिकारी एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि 11वीं कृषि गणना के द्वितीय एवं तृतीय चरण का सर्वेक्षण कार्य 31 दिसंबर तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे सभी अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को निर्देश दिया कि गुणवत्ता पूर्ण एवं वास्तविक आंकड़े एकत्र करते हुए सर्वेक्षण कार्य ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

एशियन सिनियर महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप खेल कर लौटी खुशबू का मैरवा पहुँचने पर भव्य स्वागत

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा।एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के द्वारा दिल्ली में आयोजित एशियन सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर लौटी रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की खिलाड़ी खुशबू का खेल प्रेमियों एवं रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की पदाधिकारीयों ने भव्य स्वागत किया। विदित हो कि दिल्ली में 3 दिसंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित एशियन सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में एशिया महादेश की कुल 8 टीमों ने भाग लिया था। खुशबू का चयन गुजरात के गांधीनगर साई सेंटर में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। खुशबू जूनियर एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप लेबनान में खेल चुकी है। खुशबू बिहार की पहली महिला होगी जो सीनियर वर्ग में एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप खेली है ।खुशबु आसांव निवासी पिता पंचदेव यादव और माता पानमती देवी की सबसे बड़ी संतान है ।खुशबू के अपने गृह मैदान में आने पर हैंडबॉल एशोसिएसन ऑफ सिवान की सचिव सलमा खातून,अध्यक्ष रवि शंकर पांडेय, कोषाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण सिंहा, सचिव डॉक्टर शरद चौधरी, डॉक्टर संगीता चौधरी ,डॉक्टर रिता सिंह ,डॉ आरती रानी पांडेय, डॉक्टर विनय पांडेय, डॉक्टर राम इकबाल प्रसाद गुप्ता, डॉक्टर सत्य प्रकाश, डॉक्टर रामजी चौधरी, डॉक्टर अशोक कुमार, डॉक्टर अनिल कुमार,डॉ आशुतोष सिन्हा,डॉ शंकर सिंह एवं लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य संरक्षक डॉक्टर आर एन ओझा एवं निदेशक राजीव लोचन मिश्रा ने बधाई दी है।

सिवान जिला सीनियर बाल बैडमिंटन टीम मधेपुरा रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में मधेपुरा जिला बाल बैडमिंटन संघ द्वारा 31वीं बिहार राज्य सीनियर बाल बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन 15से17 दिसम्बर 2024 तक कामेश्वर मध्य विद्यालय परमानन्दपुर (घेलाढ़) मधेपुरा के खेल मैदान पर किया गया है। जिसमे सिवान टीम भी सहभागिता लेगी। सिवान टीम को आदर्श हास्पिटल मैरवा धाम के डॉ0 मनोज सिंह के द्वारा जर्सी वितरण कर टीम को रवाना कराए ।चयनित टीम की सूची इस प्रकार हैं - आशीष ओझा (कप्तान) ,सुमित कुमार, अविनाश, लाल बिहारी ,राजू,रंजीत चौहान, उज्जवल, हर्षित, पवन ,पवन गोड, टीम मैनेजर- अमित और टीम कोच - ओम शंकर यादव हैं इस बात की जानकारी जिला सचिव बिशाल कुमार सिंह के द्वारा दिया गया ।सुचना मिलने पर सिवान जिला बाल बैडमिंटन अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, तनवीर अहमद, बिट्टू सिंह, जहीर अहमद, नवीन सिंह परमार ,रोहित सिंह, रमेश सिंह, पप्पू सिंह, मदन बैठा इत्यादि ने टीम को बधाई दी।

जानमाल की सुरक्षा को लेकर एसपी को दिया आवेदन

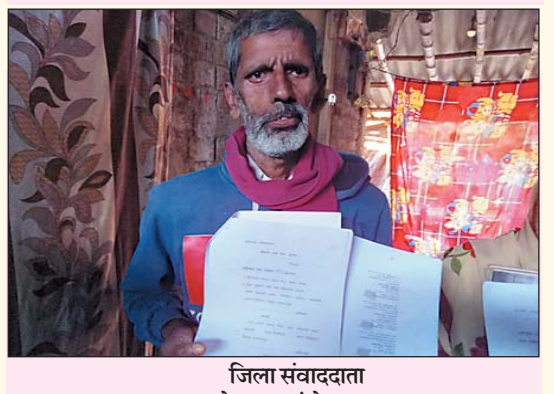

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 7 निवासी बौए लाल यादव पिता स्व शंकर यादव ने पुलिस कप्तान को आवेदन देकर कहा है कि मेरे दक्षिण तरफ के केवालेदार राम जलन यादव पिता स्व बनारसी यादव एंव इनका बेटा अरविन्द यादव, अनील यादव दोनो के पिता राम जतन यादव वो अभिषेक यादव वो आयुष यादव पिता अरविंद यादव सभी निवासी ग्राम सिंघिया थाना सिंघिया जिला समस्तीपुर निवासी हरवे हथियार के बल पर निम्न वर्णित भुक्ति जिसका नौजा सिंघिया याना सिंघिया थाना नंबर 127 खाता नङ्क 574, 573, 774 पुराना चौसहा नङ्क 8906, 8907, 8901 वो 8905, 8912 पुराना खेसरा नङ्क 10038 एवं 10037 नया रकबा 7 कट्ठा भुमि मुझे केवाला दिनांक 13.06.1995 से प्राप्त भुमि है जिसमें एक कट्ठा भुमि तरफ पुरब से को उपरोक्त लोग कब्जा करना चाहता है तथा जब हमलोग मना करते है तो जान से मारने की धमकी देते रहता है एंव दिनांक 21.09.2024 को समय करीब 7 संध्या में सभी लोग लाठी डंडा वो हथियार लेकर आ गये एंव मेरे जमीन में पुर्व से बने वो रखे लकड़ी का सामान एलबेस्टर वो सिमेंट का पिलर का बना मकान वो टाटी को तोड़ने लगे तथा जब हमलोग मना किए तो हथियार का भय दिखाकर वो गाली गलौज करने लगे तथा बोलने लगे कि तुमलोग यह जमीन हम को दे दो हमलोग पहले से तुमलोगो को बोलते है अगर जमीन नही दिया तो जमीन से बेदखल कर देंगे तथा जान से मार देंगे। ईस तरह स्थल पर विपक्षीगणा किसी भी समय हमारे जमीन में हमारा घर मकान तोड़कर अपना घर बना सकता है जिस्से विपक्षीगणो के हाथो स्थल पर गंभीर शांति भंग की संभावना उत्पन्न हो गयी है। आवेदक बौए लाल यादव ने पुलिस कप्तान से न्याय एवं सुरक्षा की गुहार लगाई है।

लोक अदालत में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवानः सिवान के सिविल कोर्ट में शनिवार, 12 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ।इस मौके पर सिवान का सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो स्नेही और स्मार्ट के संयुक्त प्रयास से 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों में तपेदिक (टीबी) रोग के प्रति जागरूकता फैलाना था।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को टीबी रोग से बचाव के उपायों, इसके लक्षणों और इसके उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए शुरू की गई योजनाओं और उनके लाभ के बारे में भी बताया गया। साथ ही, लोगों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

शिविर में रेडियो स्नेही के सामाजिक कार्यकर्ता अनुज कुमार और विकास कुमार ने विशेष रूप से इस अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान, पैम्फलेट्स का भी वितरण किया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टीबी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें और इस बीमारी से बचाव के उपायों को अपनाने में सक्षम हो सकें।

ह आयोजन न केवल टीबी से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करने का एक प्रयास था, बल्कि यह एक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है कि कैसे सामुदायिक प्रयासों से समाज में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।

उक्त जानकारी रेडियो स्नेही के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नवीन सिंह परमार ने दी।

डीएम ने शराब बंदी के प्रचार के लिए टीम को किया रवाना

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिले में शराब बंदी एवं बाल विवाह का व्यापक प्रचार झप्रसार कर लोगों को जागरूक करने के मद्देनजर जिला जन संपर्क कार्यालय सीतामढ़ी के द्वारा सूचना जनसंपर्क बिहार पटना के निर्बंधित चार टीमों की रवानगी जिलाधिकारी रिची पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर की।शिव सेवा संस्थान सीतामढ़ी, कृष्णा एवं रामाश्रय ग्रुप सीतामढ़ी और कला कुंज हाजीपुर की टीमों द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों के कूल 140 महादलित टोलो एवं अन्य स्थलों पर मद्द निषेध तथा बाल विवाह पर आधारित नुक्कड़ नाटक के प्रदर्शन के द्वारा आम लोगों को जागरूक किया जाएगा।मौके पर उपस्थित जिलाधिकारी रिची पांडेय ने कहा कि जनसंपर्क विभाग की उपयुक्त सभी टीमों के द्वारा मध निषेध को लेकर व्यापक जन जागरूकता अभियान का आगाज किया गया है।आगे आने वाले दिनों में भी चिन्हित स्थलों पर लगातार नुक्कड़ नाटक एवं विभिन्न माध्यमों से आम लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शराब सहित किसी भी प्रकार का नशा न केवल इंसान के सेहत को प्रभावित करता है बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। इससे परिवार की माली स्थिति खराब होने के अलावा सेहत का भी काफी नुकसान होता है। शराब का सेवन कैंसर ,एड्स ,हैपेटाइटिस टीबी,लीवर एवं दिल की बीमारियों ,मानसिक बीमारी, माता - शिशु से संबंधित बीमारियों के साथ-साथ हिंसक प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है और महिलाओं के साथ हिंसा में इसकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा की बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है। बाल विवाह निषेध को लेकर भी जिला प्रशासन द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जनता दरबार में पहुंचे 11 फरियादी, तीन का हुआ निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना परिसर में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अंचलाधिकारी धर्मेंद्र पंडित ने किया। आज के जनता दरबार में पुराना और नये मामले को लेकर कुल 11 फरियादी पहुंचे हुए थे। जिसमें से तीन मामले का निष्पादन किया गया। जिन फरियादियों का आज निष्पादन हुआ उनमें योगेंद्र ठाकुर, राम नरेश भगत, गणेशी राय, हीरो राय, प्यारे हुसैन, जाकिर हुसैन का नाम शामिल है। जनता दरबार के अवसर पर सीओ धर्मेंद्र पंडित के अलावा, अपर थाना अध्यक्ष शशि शंकर कुमार, अमीन चंदेश्वर सिंह, अंचल कर्मी मंटून कुमार आदि मौजूद थे।

कांग्रेस सोशल मीडिया डिपार्टमेंट की बैठक के बाद हुआ पुनर्गठन

चुनाव को लेकर कांग्रेस सोशल मीडिया डिपार्टमेंट की बैठक संपन्न, कमिटी का हुआ पुनर्गठन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. शनिवार, 14 दिसंबर, 2024 आगामी बिहार विधानसभा चुनावों को देखते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में संपन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन सौरभ सिंहा ने की जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सोशल मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक प्रणव भी और बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में नेशनल मीडिया कॉर्डिनेटर अक्षित जी उपस्थित रहें।बैठक को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक प्रणव ने कहा कि बिहार में भाजपा जदयू के झूठे वादों और विकास के दावों को जनता के सामने लाना होगा इसके लिए हमें मजबूती से लड़ाई लड़नी होगी।नेशनल कॉर्डिनेटर अक्षित जी ने कहा कि कांग्रेस के जमीनी कार्यों को जन जन तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के कार्यों की प्रशंसा की।प्रदेश सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन सौरभ सिंहा ने बताया कि आगामी चुनावों से पूर्व सोशल मीडिया विभाग का पुनर्गठन किया गया है और इस बैठक में सभी जिला के प्रभारी उपस्थित रहें और उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें सम्मानित किया। चुनावों से पहले हम कमर कस कर भाजपा और जेडीयू के झूठ की फैक्ट्री को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन सौरभ सिंहा, उपाध्यक्ष खालिद अमीन शेख , कोऑर्डिनेटर रवि कुमार , अमित सिंह सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के नेतृत्व में एवं युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुमार रोहित के उपस्थित में नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना के इनकमटैक्स गोलंबर पर छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले उट को बर्खास्त करने को लेकर बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के नेतृत्व में एवं युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुमार रोहित के उपस्थित में नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया।अध्यक्ष ने बताया कि आए दिन प्रतियोगिता परीक्षा में पेपर लीक का मामला देखना को मिल रहा हैं जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा हैं उन्होंने सरकार से पेपर लीक से निजात के लिए ठोस कानून बनाने की बात कही ।भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुमार रोहित ने बताया कि इढरउ छात्रों के साथ जो दुर्व्यवहार पटना के डीएम के द्वारा किया गया वह निंदनीय हैं उन्होंने पटना डीएम को बर्खास्त करने की मांग की ।इस मौके पर बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के सोनू अग्रवाल, विकास कुमार झा. डॉ आलोक, रोहित कुमार, अमित सिकन्दर, राहुल पासवान, विवेक चौबे, रोशन, नीतीश,ऋद्धि गांधी, नीरज झा, समेत दर्जनों युवा कांग्रेस के कार्यकता उपस्थित रहे।

बखरी थाना परिसर में लगा साप्ताहिक जनता दरबार तीन मामला निष्पादित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय)थाना परिसर में भूमि विवाद से संबंधित समस्याओं के समाधान को लेकर शनिवार को सुबह ग्यारह बजे से लेकर दोपहर तीन बजे तक साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन सीओ राकेश कुमार व एसआई कुंदन कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जानकारी देते हुए सीओ के द्वारा बताया गया की तीन पुराने मामले में तीनो मामला का निस्पादन कर दिया गया। वही एक नया मामला आया। जिसको लेकर दोनो पक्षों को नोटिस जारी कर दिया गया है। जिसका निस्पादन अगले सप्ताह किया जायेगा। वहीं एसआई कुंदन कुमार ने उपस्थित फरियादियों से कहा कि किसी भी मामले को लेकर वाद विवाद न करें।

हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 15 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :209 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

अयोध्या:नेपाली संस्कृति परिषद समिति का 18 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ0 इंद्रेश कुमार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंधों के आधार हैं

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अयोध्या। नेपाली संस्कृति परिषद समिति का 18 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोध्या धमा में द्वितीय दिवस पर डॉ0 इंद्रेश कुमार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंधों के आधार हैं । प्रभू श्रीराम तथा माता जानकी। नेपाल के एक प्रधानमंत्री ने श्रीराम अयोध्या में जन्में हैं यह कह कर लोगों को बरगलाने का प्रयास किया परन्तु भारत के लोगों यह स्पष्ट पता था कि श्रीराम अयोध्या में ही जन्म लिया था। अतः समाज बहकावे में नहीं आया। नेपाली संस्कृति परिषद समाज में सत्य व तथ्यों के आधार पर जागृत व संगठित करने का काम कर रहा है। इसीलिए अयोध्या में यह अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन का आयोजन किया गया। समाज को छुआ छुत मुक्त, नारी सम्मान युक्त व राष्ट्र प्रेम से परिपूर्ण बनाने के लिए श्रीराम राम का आदर्श सर्वोतम हैं। इसलिए अयोध्या और जनकपुर बीच का संबंध सम्पर्क जितना बढे दोनों देशों के लिए उतना ही अच्छा है, इस सम्मेलन में नेपाली संस्कृति परिषद ने एक प्रस्ताव परित किया जिसमें अयोध्या धाम से जनकपुर धाम तक यथा शीघ्र एक सम्पर्क सर्किट बने। भारत और नेपाल के जन जन बीच के संबंधों को मजबूती देने हेतु यह सर्किट महत्वपूर्ण होगा। अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, ने नेपाली संस्कृति परिषद समिति के 18 वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत व नेपाल सरकार से इस सर्किटका निर्माण शीघ्र हो इस बारे में एक प्रस्ताव भेजा गया है। इसकी जानकारी दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बड़े भक्त माल के महंत अवधेश दास जी , महंत जयराम दास जी, एवं अन्य साधु संत अयोध्या महानगर अशोक चौरसिया जी ने बताया कि नेपाली संस्कृति परिषद के इस सम्मेलन में पश्चिम बंगाल के गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन इलाके, सिलीगुड़ी तराई डुवर्स, सिक्किम तथा पूर्वोत्तर राज्यों एवं देश विदेश के 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहें हैं। सम्मेलन में प्रमुख रूप से भारत के राजेन्द्र शिवाकोटी, शैलेश गुरूङ, दिनेश सोनी, हर्कबहादुर स्वार, अमिया छेत्री, हरिप्रसाद उपाध्या आदि की विशेष उपस्थिति थी। सम्मेलन 15 दिसम्बर को दोपहर बाद समाप्त होगा।

केंद्रीय विद्यालय संगठन का 62 वां स्थापना दिवस अत्यंत ही हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

'पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बेली रोड पटना में केंद्रीय विद्यालय संगठन का 62 वां स्थापना दिवस अत्यंत ही हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। रंगारंग कार्यक्रम के बीच संपन्न भव्य समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के यशस्वी प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने की।इसमें विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक -शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दीप प्रज्वलन एवं मंगल ध्वनि के बीच शुभारंभ हुए कार्यक्रम की भव्यता एवं दिव्यता को विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियों से अत्यंत ही मनमोहक बना दिया। नृत्य,गीत, भाषण,योग प्रदर्शन आदि की सहायता से छात्रों ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की महिमा एवं विकास यात्रा का अनोखा दृश्य प्रस्तुत किया।इस अवसर पर विद्यालय में चित्र प्रदर्शनी एवं पुस्तक प्रदर्शनी जैसे उत्कृष्ट कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।विद्यालय की ओर से संगठन के सेवानिवृत अध्यापकों को भी सम्मानित किया गया। प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय विद्यालय संगठन के अतीत से लेकर वर्तमान तक की क्रमिक प्रगति का ज्ञानप्रद लेखा-जोखा सभासदों के समक्ष प्रस्तुत किया।उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री की दूरदर्शी पीएम श्री योजना के तहत शैक्षिक जगत में हो रहे परिवर्तनों से सबको अवगत कराया तथा केंद्रीय विद्यालय बेली रोड की शानदार उपलब्धियां की चर्चा करते हुए समस्त शिक्षक -शिक्षिकाओं को बधाई दी। उन्होंने केंद्रीय विद्यालय संगठन की प्रतिष्ठा को सदैव बनाए रखने तथा देश एवं दुनिया के मानचित्र पर सदैव चमकते सितारे के रूप में इसकी अवस्थिति को कायम रखने का संदेश दिया।मौके पर उप्राचार्य श्री राजीव रंजन सिंह ने स्थापना दिवस कार्यक्रम को शानदार ढंग से संपन्न कराने में सहयोग देने वालों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में मिष्टान्न वितरण के साथ ही कार्यक्रम संपन्न हुआ।

एक अभियुक्त सहित दो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय ' थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में समकालीन अभियान के तहत छापेमारी अभियान चलाया गया।इस छापेमारी अभियान में रजाकपुर पंचायत के चक्का ग्राम से नावकोठी थाना कांड संख्या 199/24 के फरार अभियुक्त संजय पासवान पिता विमल पासवान को गिरप्तार किया गया।वहीं जिला कोर्ट बेगूसराय के वारंटी ललित पासवान पिता सोनेलाल पासवान ग्राम समसा निवासी को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने बताया कि गिरफ्तार दोनों व्यक्ति को न्यायिक अभिरक्षा में बेगूसराय जेल भेज दिया गया।इस कार्रवाई में स्वयं प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला,एस आई विश्वजीत कुमार,एस आई कुंदन रजक एवं सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

नावकोठी पंचायत भवन पर आम सभा का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सदर पंचायत नावकोठी के पंचायत भवन पर आमसभा का आयोजन किया गया।अध्यक्षता मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिड्डू ने की।वित्तीय वर्ष 2025/26 हेतु जी पीडीपी निर्माण हेतु ग्राम सभा का आयोजन किया गया?।बैठक के दौरान राष्ट्रपति कुमार ने कहा कि पंचायत का सर्वांगीण विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है।इसके लिए सभी वार्ड सदस्यों का सामूहिक सहयोग की

जरूरत है।इसके लिए सभी वार्ड सदस्यों से अपने अपने वार्ड से प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का चयन कर वार्ड सभा के माध्यम से ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड कराने की अपील की।सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से वंचित पात्र लाभुकों का सर्वेक्षण कर योजनाओं की सूची में नाम दर्ज कराने का अनुरोध किया?।पंचायत में क्रियांवित सभी योजना यथा खेल मैदान निर्माण आदि का निगरानी करने की अपील की ताकि गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो।मौके पर पंचायत सचिव सुनील कुमार सिंह,आईटी सहायक कुमार प्रिंस, कार्यपालक सहायक देव कुमार,कन्हैया कुमार, वार्ड सदस्य एवं ग्रामीण मौजूद थे।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस पर मशरक में कार्यक्रम आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केन्द्रीय विद्यालय मशरक में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 62 वे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। केन्द्रीय विद्यालय मशरक के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् और प्रख्यात लेखक कवि ख्वाजा मुहम्मद इमामुद्दीन निजामी, शिक्षाविद् श्री चंद्रकेतु नारायण सिंह, के वि मशरक के विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्या श्रीमति नीरू कुमारी तथा प्रभारी प्राचार्य श्री रजत कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके बाद विद्यालय के बच्चों ने अतीथियों का स्वागत कुंकुम व तिलक लगाकर तथा हस्तनिर्मित शुभकामना कार्ड से किया। तदोपरान्त विद्यालय की संगीत शिक्षिका श्रीमति निधि मिश्रा की अध्यक्षता में विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का भव्य स्वागत किया। विद्यालय के आंग्ल भाषा शिक्षक श्री रंजन प्रवीण ने सभी बच्चों एवं शिक्षकों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के प्रति हमारे कर्तव्यों को शपथ के माध्यम से याद दिलवाया। तत्पश्चात केन्द्रीय विद्यालय मशरक के प्रभारी प्राचार्य श्री रजत कुमार ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के छात्रों की उपलब्धियों पर बात की, जिसमें दसवीं व बारहवीं के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेलकूद में संभागीय स्तर पर फुटबॉल और हॉकी में गोल्ड मेडल तथा विभिन्न खेलों में रजत व कांस्य पदक एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर चर्चा की। विद्यालय की दो बालिकाओं का चयन रत्न्न्क्क के लिये हुआ। इस क्रम में प्रभारी प्राचार्य रजत कुमार ने इन उपलब्धियों का श्रेय प्राचार्य महोदया श्रीमति रंजना झा को देते हुए बताया कि उनके दिशा निर्देश में विद्यालय सफलता के और नये मुकाम पाने के लिये तैयार है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने केन्द्रीय विद्यालय गीत, बंगाली लोक नृत्य, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा संभाषण प्रस्तुत किये। विद्यालय के छात्र आर्ष कुमार ने मुख्य अतिथि द्वारा रचित एक गजल " आदमी आदमी में होखेला.. दर्द कुछ जिंदगी में होखेला, कुछ त सीखी ना रौउओ जौहर से .... बात जे सादगी में होखेला।।"को गाकर शमां बांध दिया। इसके बाद कार्यक्रम के अतिथियों तथा प्रभारी प्राचार्य रजत कुमार द्वारा विद्यालय के सहायक कर्मचारियों को कंबल प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ख्वाजा मुहम्मद इमामुद्दीन निजामी ने विद्यालय के बच्चों की प्रशंसा की तथा अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन को नई दिशा देने के लिये प्रेरित किया, डा0 जौहर सफीयावादी (उपनाम) ने आग्रह करने पर भोजपुरी में भी गीत सुनाकर बच्चों को मातृभाषा संवर्धन के लिये प्रोत्साहित किया। विद्यालय के संस्कृत शिक्षक राहुल कान्त पाण्डेय ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा शांति पाठ के साथ केन्द्रीय विद्यालय स्थापना दिवस का यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

समस्तीपुर के अएड ने बिथान के इएड को दिया विभूतिपुर का अतिरिक्त प्रभार, पूर्व के इएड फर्जी शिक्षक बहाली मामले में हो चुके हैं निलंबित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबेर

समस्तीपुर : समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड में बीपीएसी से हुए शिक्षक बहाली प्रक्रिया में फजीर्वाड़ा मामले को लेकर शिक्षा विभाग के प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार द्वारा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कृष्णदेव महतो को निलंबित किये जाने के बाद समस्तीपुर जिला शिक्षा पदाधिकारी कामेश्वर गुप्ता ने बिथान के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार मिश्र को विभूतिपुर प्रखंड का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा शनिवार को आदेश भी जारी किया है।रिटायर्मेंट के तीन महीने पहले बीईओ हो गये निलंबित :समस्तीपुर जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच कमिटी के अध्यक्ष सह अपर समाहर्ता (आपदा) राजेश कुमार सिंह के रिपोर्ट के आधार पर प्राथमिकी शिक्षा के निदेशक पंकज कुमार ने विभूतिपुर के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कृष्णदेव महतो को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई चलाने का भी निर्देश दिया था। प्राथमिकी शिक्षा निदेशक के द्वारा जारी पत्र के अनुसार विभूतिपुर के तत्कालीन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कृष्णदेव महतो द्वारा प्रधानाध्यापकों की मिली-भगत से 8 फर्जी बीपीएससी शिक्षकों का योगदान कराये जाने का जांच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। जिसके बाद बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के सुसंगत प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया गया था।वहीं निलंबन अवधि में कृष्णदेव महतो का मुख्यालय दरभंगा जिला शिक्षा पदाधिकारी का कार्यालय बनाया गया है। निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) दरभंगा से किया जाएगा। बताते चलें कि तीन महीने बाद ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कृष्णदेव महतो सेवानिवृत्त होने वाले थे। उससे पहले ही उनपर निलंबन की कार्रवाई हो गयी।

बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ घटना स्थल पर एनडीआरएफ की टीम पहुंची

नावकोठी (बेगूसराय) ' थाना क्षेत्र अंतर्गत डफरपुर पंचायत के टेकनपुरा बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार स्व० रामस्वरूप सहनी के पुत्र 70 वर्षीय राजपति सहनी टेकनपुरा निवासी नदी में मछली मारने का कार्य करते थे। बूढ़ी गंडक नदी में नाव भासने लगा जिसे पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए।स्थानीय लोगों ने लाश को निकालने का प्रयास किया लेकिन असफल रहा।घटना शुक्रवार देर संध्या की है।शनिवार को हसनपुर बागर के स्थानीय गोताखोरों ने लाश निकालने का काफी प्रयास किया।वही प्रखंड विकास पदाधिकारी चिरंजीव पांडे के द्वारा एनडीआरएफ की टीम मंगवाई गई। एनडीआरएफ की टीम शव को निकालने के लिए हाथ-पैर मार रही है।न्यूजप्रेशन तक सफलता हाथ नहीं लगी थी।डूबे हुए बुजुर्ग भाई में अकेले थे।उन्हें दो लड़का एवं तीन लड़की है जो शादीशुदा है।

प्रखंड अध्यक्ष चुनाव को लेकर भाजपा की प्रखंड स्तरीय बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत नावकोठी मंडल भाजपा की बैठक सांगठनिक चुनाव को लेकर शनिवार को रजाकपुर पंचायत के बेगमपुर ठाकुरवाड़ी में हुई।अध्यक्षता रामानंद सिंह ने की। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिला मंत्री कुंदन कुमार ने कहा कि नावकोठी मंडल में विधानसभा के 56 बूथों में 54 बूथ पर 12 सदस्यों की कमेटी का गठन कर 95 प्रतिशत बूथ पर भाजपा कमेटी गठित हो गई है।इसके लिए वरीय एवं कनीय कार्यकताओं को धन्यवाद दिया गया। सामान्य सदस्य बनने के लिए कोई राशि नहीं देनी है। जबकि सक्रिय सदस्य बनने के लिए एक सौ रु सदस्यता शुल्क देना है। मंडल अध्यक्ष के चुनाव पर गहन विचार विमर्श किया गया।आपस में एक नाम पर सहमति नहीं बनने पर चुनाव की प्रक्रिया अपनाई गई।मंडल प्रभारी सह जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष सुमित कुमार सन्नी एवं जिला मंत्री की देखरेख में आठ लोगों ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया ।जयशंकर भारती, अमरजीत गुप्ता, रानी कुमारी, दीपक कुमार, मुकेश कुमार, दिलीप कुमार, सुशील कुमार भारती एवं अजीत कुमार सिंह ने नामांकन किया। अंतिम फैसला जिला में होना है।इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए एक नाम की घोषणा की जाएगी।मौके पर विश्वनाथ दास, त्रिभुवन पासवान, चंद्रशेखर सिंह, मुकेश महतो सहित भाजपा के समर्थित कार्यकर्ता एवं नेतृत्वकर्ता उपस्थित थे।

समस्तीपुर पुलिस की विशेष छापामारी के दौरान पिस्टल के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार दो भागने में कामयाब

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

दिना 13.12.2024 को संध्या में दलसिंहसराय थाना के पु०अ०नि० रंजीत कुमार सिंह एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी तथा कर्मी विशेष छापामारी में प्रस्थान किये थे। उसी दौरान 29 नम्बर रेलवे गुमटी तथा 30 नम्बर रेलवे गुमटी के बीच ग्राम अजनौल की ओर से एक मोटरसाईकिल पर तीन संदिग्ध व्यक्ति सवार होकर आ रहे थे। जिसे पुलिस पार्टी के द्वारा रूकने का इशारा किया गया। तो मोटरसाईकिल रूका, जिसमें से पिछे बैठा व्यक्ति मनीष कुमार पिता अमित कुमार चौधरी साकिन डेपुरा वार्ड नं0-28 अन्दर नगर परिषद दलसिंहसराय उतर गया। फिर मोटरसाईकिल पर बैठे दोनों व्यक्ति मोटरसाईकिल को तेजी से चलाकर दलसिंहसराय की ओर भाग गया तथा शेष बच्चा मोटरसाईकिल से उत्तरा व्यक्ति मनीष कुमार भी मागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ लिया गया। पुलिस बल के द्वारा उक्त पकडाये व्यक्ति मनीष कुमार का तलाशी लेने पर उस व्यक्ति के पास एक लोडेड देशी पिस्टल एवं दो जिन्दा कारतूस खोसा हुआ बरामद हुआ। जिसे पुलिस के द्वारा विधिवत जप्त किया गया है। साथ ही पकड़ाये व्यक्ति मनीष कुमार से पुलिस के द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर मनीष कुमार के द्वारा दिनांक-06.12.2024 की रात्रि में छिनतई का प्रयास में ग्राम कमराँव निवासी चंदन कुमार को गोली मारकर जख्मी कर देने की घटना जिसको लेकर दलसिंहसराय थाना कांड सं0-380/24 दर्ज किया गया था में अपना तथा अपने 04 साथियों की संलिप्तता स्वीकार किया गया है। जिससे आपत्तिजनक समान में

एक देशी पिस्टल।

02 कारतूस।

एक मोबाईल। बरामद किया गया है

यह गिरफ्तार व्यक्ति का नाम

मनीष कुमार पिता अमित कुमार चौधरी साकिन बेपुरा वार्ड नं0-28 अन्दर नगर परिषद दलसिंहसराय जिला

उत्क्रमित प्लस टू सैदपुर विष्णुपुर में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय सैदपुर विष्णुपुर में शिक्षक, अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य संजीत कुमार महतो ने की। बैठक के दौरान उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नियमित, ससमय और साफ ड्रेस में विद्यालय भेजें। वहीं उन्होंने कहा कि 75 फीसदी उपस्थिति वाले बच्चों को ही विभाग के द्वारा मिलने वाले योजनाओं का लाभ मिलेगा।स्कूल से घर वापस जाने पर नियमित रूप से उसकी काँपी जांच करें और होमवर्क पूर्ण करवाने में मदद करें। अपार कार्ड निर्माण में आवश्यक कागजात उपलब्ध कराकर सकारात्मक सहयोग करने का अनुरोध किया। ई शिक्षा कोष के तहत आईडी निर्माण होना है।मौके पर हरिद्वार सहनी, श्रवण कुमार, जमील अहमद, मुसर्रत खातुन एवं बच्चों के अभिभावक मौजूद थे।

सीमेंट फैक्ट्री में मजदूर की मौत को लेकर किये गये तोड़फोड़ के मामला मे 06 व्यक्तियों को किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिला मैं समस्तीपुर पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है यह घटना घटना दिनांक 12/13.12.2024 की रात्रि में एन०एच० बंगरा थानान्तर्गत ग्राम सरसौना में स्थित अल्ट्राटेक सिमेंट फैक्ट्री में कार्य करने वाले मजदुर श्री सूर्यकांत कुमार उम्र करीब 20 वर्ष पिता-भोला राम ग्राम-चचेरिया कला थाना हैदर नगर जिला-पलामू (झारखण्ड) को रात्रि में ट्रिपलर लोडिंग के दौरान फैक्ट्री के अंदर ट्रक से जख्मी होकर मृत्यु हो गयी। फैक्ट्री में कार्य करने वाले मृतक के परिजन एवं ग्रामीण शव को फैक्ट्री के मुख्य गेट पर रखकर विरोध प्रदर्शन एवं मुआवजे की मांग करने लगे। इसी बीच मुआवजे को लेकर उग्र होकर प्रदर्शन कर रहे लोग उत्तेजित होकर फैक्ट्री के कार्यालय का शीशा, सी०सी०टी०भी० कैमरा एवं अन्य को तोड़ ?फोड़ कर छतिग्रस्त कर दिये। जिससे फैक्ट्री के 10-15 कर्मी जख्मी हुए एवं 50 लाख का नुकसान हुआ। फैक्ट्री में तोड़ फोड़ करने वाले असामाजिक तत्वों के बिरुद्ध बंगरा थाना कांड स0-153/24, दि०-13.12.2024 दर्ज कर सभी विन्दुओं पर अनुसंधान किया जा रहा है।घटना की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर उग्र लोगों को समझाने बुझाने लगी। लेकिन उपद्रवी लोगों द्वारा पुलिस के कार्यों में बाँधा उत्पन्न कर पुलिस टीम पर जान लेवा हमला करते हुए पथराव किया गया, जिसमें लगभग 10-15 पुलिस कर्मी जख्मी हुए है। जिनका इलाज कराया जा रहा है। दुर्घटना में मृत मजदुर सूर्यकांत कुमार के शव का अन्त्य परीक्षण सदर अस्पताल समस्तीपुर से कराकर शव को मृतक के परिजन को सौंपा गया है। मृतक मजदुर की मृत्यु के संबंध में बंगरा थाना कांड स०-152/24, दि०-13.12.2024 दर्ज कर सभी विन्दुओं पर गहराई से अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस टीम पर हमला करने वाले उपद्रवियों के विरूद्ध बंगरा थाना कांड स0-154/24, दि०-13.12.2024 दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ ?तारी की कारवाई की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से कांड स0-153/24 का प्रर्दश जप्ती सूची के अनुसार फैक्ट्री से चुराई गई समान की बरामदगी भी की गई है। इस मामले में में छह लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है इनमें से

रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण की शुरूआ.त उच्च माध्यमिक विद्यालय लोहड़ी में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा:जिला शिक्षा पदाधिकारी सारण के ज्ञापन 3600/स दिनांक 7.12.2024 के आलोक में प्रशिक्षक सुरेश कुमार रजक के प्रशिक्षण में रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत उच्च माध्यमिक विद्यालय लोहड़ी सदर छपरा में की गई। इस प्रशिक्षण में छात्राओं के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री विनोद कुमार ठाकुर ने कहा है कि मार्शल आर्ट के प्रशिक्षण प्राप्त करने से छात्राओं के बीच आत्मनिर्भरता की भावना का विकास होगा। मार्शल आर्ट प्रशिक्षण द्वारा स्कूल की दो छात्रों को चिन्हित किया जाना है जो 66 दिनों तक मूल विद्यालय में प्रशिक्षण देंगी। इस प्रशिक्षण से छात्राओं में आत्मरक्षा के प्रति विशेष जानकारी दी जा रही है। बिहार शिक्षा परियोजना सारण का यह कार्यक्रम राज्य कार्यालय के ज्ञापन ए०४३८ /16/2018-19ए--310364/4454 दिनांक 26/11/2024 के आलोक में संचालित की जा रही है। विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं इस कार्यक्रम में सहयोग कर रही है।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु उत्तर रेलवे के बालामऊ स्टेशन यार्ड रिमाडलिंग के परिप्रेक्ष्य में प्री-नॉन इंटरलॉक एवं नॉन इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं पुनर्निर्धारण निम्नवत किया जायेगा।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

वाराणसी, 14 दिसम्बर, 2024: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु उत्तर रेलवे के बालामऊ स्टेशन यार्ड रिमाडलिंग के परिप्रेक्ष्य में प्री-नॉन इंटरलॉक एवं नॉन इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं पुनर्निर्धारण निम्नवत किया जायेगा।

- बनारस से 14 एवं 16 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15119 बनारस-देहरादून एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 15 एवं 17 फरवरी, 2025 को भी कोहरे के कारण पूर्व में निरस्त की गई है।
- देहरादून से 15 एवं 17 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15120 देहरादून-बनारस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 16 एवं 18 फरवरी, 2025 को भी कोहरे के कारण पूर्व में निरस्त की गई है।
- बनारस से 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15127 बनारस-नई दिल्ली एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 14 एवं 18 फरवरी, 2025 को भी कोहरे के कारण पूर्व में निरस्त की गई है।
- नई दिल्ली से 16, 17 एवं 18 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15128 नई दिल्ली-बनारस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 15 एवं 19 फरवरी, 2025 को भी कोहरे के कारण पूर्व में निरस्त की गई है।
- बनारस से 16 फरवरी, 2025 को चलने वाली 22541 बनारस-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 17 फरवरी, 2025 को चलने वाली 22542 आनन्द विहार टर्मिनस-बनारस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- हावड़ा 13 से 18 फरवरी, 2025 तक चलने वाली 13019 हावड़ा-काठगोदाम एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 16 फरवरी, 2025 को भी कोहरे के कारण पूर्व में निरस्त की गई है।
- काठगोदाम 15 से 20 फरवरी, 2025 तक चलने वाली 13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 18 फरवरी, 2025 को भी कोहरे के कारण पूर्व में निरस्त की गई है।
- किशनगंज से 14, 16 एवं 18 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15715 किशनगंज-अजमेर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- अजमेर से 17, 18 एवं 20 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15716 अजमेर-किशनगंज एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन-मुजफ्फरपुर से 15 से 18 फरवरी, 2025 तक चलने वाली 12557 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोण्डा-सीतापुर सिटी-शाहजहाँपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी लखनऊ स्टेशन पर नहीं रूकेगी।

- आनन्द विहर टर्मिनस से 15 से 18 फरवरी, 2025 तक चलने वाली 12558 आनन्द विहार टर्मिनस-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग शाहजहाँपुर-सीतापुर सिटी-गोण्डा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी लखनऊ स्टेशन पर नहीं रूकेगी।

पुनर्निर्धारण--जम्मूतवी से 18 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15098 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस जम्मूतवी से 90 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।सिंगरौली से 18 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15073 सिंगरौंली-टनकपुर एक्सप्रेस सिंगरौंली से 180 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।शक्तिनगर से 14 एवं 17 फरवरी, 2025 को चलने वाली 15075 शक्तिनगर-टनकपुर एक्सप्रेस शक्तिनगर से 180 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक 14.12.2024 को पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए 15 आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।विदित हो कि पुलिस कार्यालय में सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं शुक्रवार लाइव वेबिनार के माध्यम से एवं प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 11:00`. से 1:00स्त्र. तक जनसुनवाई की जाती है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस पर मशरक में कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केन्द्रीय विद्यालय मशरक में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 62 वे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। केन्द्रीय विद्यालय मशरक के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् और प्रख्यात लेखक कवि ख्वाजा मुहम्मद इमामुद्दीन निजामी, शिक्षाविद् श्री चंद्रकेतु नारायण सिंह, के वि मशरक के विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्या श्रीमति नीरू कुमारी तथा प्रभारी प्राचार्य श्री रजत कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके बाद विद्यालय के बच्चों ने अतीथियों का स्वागत कुंकुम व तिलक लगाकर तथा हस्तनिर्मित शुभकामना कार्ड से किया। तदोपरान्त विद्यालय की संगीत शिक्षिका श्रीमति निधि मिश्रा की अध्यक्षता में विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का भव्य स्वागत किया। विद्यालय के आंग्ल भाषा शिक्षक श्री रंजन प्रवीण ने सभी बच्चों एवं शिक्षकों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के प्रति हमारे कर्तव्यों को शपथ के माध्यम से याद दिलवाया। तत्पश्चात केन्द्रीय विद्यालय मशरक के प्रभारी प्राचार्य श्री रजत कुमार ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के छात्रों की उपलब्धियों पर बात की, जिसमें दसवीं व बारहवीं के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेलकूद में संभागीय स्तर पर फुटबॉल और हॉकी में गोल्ड मेडल तथा विभिन्न खेलों में रजत व कांस्य पदक एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर चर्चा की। विद्यालय की दो बालिकाओं का चयन रक्क्षक्के लिये हुआ। इस क्रम में प्रभारी प्राचार्य रजत कुमार ने इन उपलब्धियों का श्रेय प्राचार्य महोदया श्रीमति रंजना झा को देते हुए बताया कि उनके दिशा निर्देश में विद्यालय सफलता के और नये मुकाम पाने के लिये तैयार है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने केन्द्रीय विद्यालय गीत, बंगाली लोक नृत्य, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा संभाषण प्रस्तुत किये। विद्यालय के छात्र आर्ष कुमार ने मुख्य अतिथि द्वारा रचित एक गजल " आदमी आदमी में होखेला.. दर्द कुछ जिंदगी में होखेला, कुछ त सीखी ना रौउओ जौहर से .... बात जे सादगी में होखेला।।"को गाकर शमां बांध दिया। इसके बाद कार्यक्रम के अतिथियों तथा प्रभारी प्राचार्य रजत कुमार द्वारा विद्यालय के सहायक कर्मचारियों को कंबल प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ख्वाजा मुहम्मद इमामुद्दीन निजामी ने विद्यालय के बच्चों की प्रशंसा की तथा अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन को नई दिशा देने के लिये प्रेरित किया, डा0 जौहर सफीयावादी (उपनाम) ने आग्रह करने पर भोजपुरी में भी गीत सुनाकर बच्चों को मातृभाषा संवर्धन के लिये प्रोत्साहित किया। विद्यालय के संस्कृत शिक्षक राहुल कान्त पाण्डेय ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा शांति पाठ के साथ केन्द्रीय विद्यालय स्थापना दिवस का यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

धार्मिक स्थल की गेट तोड़ने पर तनाव, डीआईजी ,डीएम और एसपी ने की जांच पड़ताल, गांव में पुलिस फोर्स तैनात

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सोनौली गांव में धार्मिक स्थल की गेट तोड़ने पर तनाव की स्थिति बन गई है। सूचना मिलने पर मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह,डीएसपी अमरनाथ, सीओ सुमंत कुमार, बीडीओ पंकज कुमार और मशरक थानाध्यक्ष अजय कुमार, पानापुर थानाध्यक्ष विश्व मोहन राम, तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह दल बल के साथ पहुंचे। वहीं गांव में प्रबुद्ध वर्ग के लोगों के साथ बैठक कर मामले में समाधान कराया। प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की मौजूदगी में क्षतिग्रस्त गेट का मरम्मत कराया गया। वहीं सारण डीआईजी नीलेश कुमार, डीएम अमन समीर, एसपी कुमार आशीष भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले में जांच पड़ताल की और उपस्थित लोगों को उपद्रवियों पर कानूनी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। डीआईजी नीलेश कुमार ने कहा कि गांवों की शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर विशेष नजर हैं जिन पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को अपना मोबाइल नंबर देते हुए कहा कि किसी भी तरह की अवांछनीय तत्वों की सूचना उन्हें दें पुलिस कड़ी कार्रवाई करेंगी। उन्होंने सारण एसपी को निर्देशित किया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए घटना में संलिप्त अवांछनीय तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करें। वहीं मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने ग्रामीणों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित की।

प्रभारी मंत्री, मधुबनी जिला सह मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार पटना लेशी सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक हुई आयोजित

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

प्रभारी मंत्री, मधुबनी जिला सह मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार पटना लेशी सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक हुई आयोजित। - प्रभारी मंत्री, मधुबनी जिला सह मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार पटना लेशी सिंह की अध्यक्षता में डीआरडीए मधुबनी के साभागार में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजनान्तर्गत पुल पुलियों/पथो के निर्माण की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पूर्व से निर्मित जर्जर पुल की जगह नए पुल का निर्माण,बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल की जगह नए पुलों का निर्माण,मिसिंग लिंक पथ का निर्माण,निर्मित पुलों के पहुँच पथ के निर्माण, बसावटों की संपर्कता प्रदान करने हेतु पथों एवं पुल पुलिओ का निर्माण आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई इस संबंध में माननीय सदस्यों द्वारा कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए, जिस्केअलोक में प्रभारी मंत्री द्वारा सभी संबधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया गया। उक्त बैठक में सदस्य बिहार विधान परिषद, घनश्याम ठाकुर, सदस्य बिहार विधान सभा बिनोद नारायण झा, अरुण शंकर प्रसाद, सुधांशु शेखर, , हरिभूषण ठाकुर,बेचौल समीर कुमार महासेठ, भरत भूषण मंडल,जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा, एसपी सुशील कुमार,जिला परिषद अध्यक्ष * * बिंदु गुलाब यादव,डीडीसी दीपेश कुमार,नगर आयुक्त अनिल चौधरी,प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा हेमंत कुमार सहित सभी संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित थे।

बिजली विभाग के विशेष आभियान के तहत 12 बिजली बिल बकायादार की काटी गई बिजली कनेक्शन

संवाददाता
संवाददाता
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज 14 दिसम्बर शनिवार । महाराजगंज बिजली प्रशाखा के सोनवर्षा, मानपुर, शाहपुर, हाजपुरवा में डिस्कनेक्शन विशेष आभियान चला कर 12 बिजली के बकायादार उपभोक्ताओं का कनेक्शन कटा गया जिसका नेतृत्व जेई राकेश रंजन के आदेश पर बिजली कर्मचारी इंदरजीत प्रसाद के के द्वारा कनेक्शन कटा गया। कनेक्शन काटे गए उपभोक्ताओं पर लगभग तीन लाख बिजली बिल बकाया है जिस पर कार्रवाई की गई है। वही आम उपभोक्ताओं से भी समय से बिजली बिल जामा करने की अपील की गई

जमीनी विवाद में मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा गांव में जमीनी विवाद में पंचायती के दौरान मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। वहीं मामले में थाना पुलिस जांच में जुटी है। घायल बंगरा गांव निवासी स्व सरत राय का 70 वर्षीय पुत्र बुधन राय, अवधेश राय का 20 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार और स्व फागू राय के तीन पुत्र 39 वर्षीय दर्शन राय,40 वर्षीय गौतम राय,35 वर्षीय मुन्ना राय ,गौतम राय की 19 वर्षीय पुत्री करीना कुमारी, मुन्ना राय की 36 वर्षीय पत्नी मीरा देवी के रूप में हुई। घटना के बारे में बताया गया है पहले से जमीनी विवाद हैं उसी में पंचायती चल रही थी कि मारपीट में ईट चलने लगा जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

मशरक के एकावना में चाकूबाजी में युवक घायल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के एकावना गांव में चाकूबाजी की घटना में युवक को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल युवक एकावना गांव निवासी पप्पू सिंह का 25 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार सिंह के रूप में हुई। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। घटना के बारे में बताया गया कि युवक दिल्ली रहता है और अपनी शादी को लेकर वह गांव आया है शादी के बाद गांव में कुछ युवकों से आपसी विवाद को लेकर वर्चस्व को लेकर विवाद हुआ उसी को लेकर घेरकर चाकू मार घायल कर दिया गया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक ने थाना पुलिस से शिकायत दर्ज कराने की बात बताई।

सरकारी विद्यालयों में 75फिसद उपस्थिति दर्ज करने वाले छात्र को ही मिलेगा सरकारी लाभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान दुरौंधा 14 दिसम्बर शनिवार। दुरौंधा प्रखंड अंतर्गत अवस्थित विद्यालयों में सभी प्राइमरी मिडिल, ऊंच माध्यामिक सह इंटर कॉलेज में नामांकित छात्र छात्राओं की ई शिक्षा पोर्टल पर 75% उपस्थिति दर्ज करने वाले छात्रों को ही सरकारी लाभ मिलेगा। इस संदर्भ में दुरौंधा प्रभारी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री चन्द्रभान सिंह और प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक श्री सुभेंदु कुमार सुरज ने प्रखण्ड में पदस्थापित सभी प्रधानाध्यापक को जानकारी दी और आदेश दिए की ई, शिक्षा पोर्टल पर नामांकित छात्र छात्राओं का 75% उपस्थिति वाले छात्रों को हां और 75%से कम उपस्थिति वाले छात्रों का नहीं करना जल्द से जल्द करना सुनिश्चित करें। ताकि उन्हें सरकारी लाभ प्राप्त हो।

और अब तक आपार कार्ड बनाने हेतु शुरू नहीं करने वाले विधालय के प्रधान अध्यापक से स्पष्टीकरण की मांग की।

मशरक में किशोर ने बरामदे में पंखे से लटककर जान दी , पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा तख्त टोला गांव में एक किशोर ने मकान के बरामदे में पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक बंगरा तख्त टोला गांव निवासी ओम प्रकाश सिंह का 15 वर्षीय पुत्र रितिक कुमार सिंह के रूप में हुई। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। परिजनों ने बताया कि मकान के बरामदे में लगें पंखे में चादर से फंदा लगाकर लटका देख पुलिस को सूचना दी गई। वहीं थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

12 वी बिहार सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में सारण सहित चार टीम पहुंची पहला सेमीफाइनल सीवान बेगुसराय जबकि दूसरा सारण और पटना के बीच होगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा शहीद कैप्टन आशुतोष स्मृति 12 वी बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन संघर्षपूर्ण मुकाबले के साथ लीग मैच समाप्त हुआ । बिहार हैंडबॉल संघ के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा से मिली जानकारी के अनुसार सारण जिला हैंडबॉल सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया सांध्यकालीन सत्र में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सीवान ने गया से , बेगुसराय ने एस ओ एस से पटना ने नवादा से जबकि सारण ने शेखपुरा से मैच जीत सेमीफाइनल में प्रवेश

किया । चारों टीम ने प्रतियोगिता में अपना पदक सुनिश्चित कर लिया है । रविवार के सुबह पहले सेमीफाइनल में सीवान का मुकाबला बेगुसराय से जबकि सारण का मुकाबला पटना की टीम से होगा। बिहार हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में मधेपुरा जिला हैंडबॉल संघ द्वारा तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन कामेश्वर मध्य विद्यालय वार्ड नंबर 15 घैलाढ, मधेपुरा के खेल मैदान में किया जा रहा है । जिसका उद्घाटन शुक्रवार को अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। रोमांचक मैच नेशनल रेफरी चंदन कुमार के साथ रेफरी बबलू कुमार , संजीव कुमार , आलोक कुमार अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य सफलतापूर्वक करा रहे है। प्रतियोगिता का संचालन मधेपुरा जिला हैंडबॉल सचिव दीपक कुमार ने किया ।

दूसरे दिन संपन्न हुए लीग मैच में मधेपुरा ने लखीसराय को 9 - 2 से, सीवान ने वैशाली को 12 - 5 से , सारण ने जहानाबाद को 14 - 01 एवं एस ओ एस को 13 - 7 से , औरंगाबाद ने नालंदा को 10 - 6 से , बेगुसराय ने शेखपुरा को 5 - 4 से , एस ओ एस ने पूर्णिया को 10 - 4 से , शेखपुरा ने औरंगाबाद को 3 - 1 से , पटना ने जहानाबाद को 9 - 1 से पराजित किया।

नुकसान भी पहुंचा सकता है
हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध पीकर ज्यादातर लोग अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों के लिए हल्दी वाला दूध नुकसानदायक साबित हो सकता है। लोग दादी-नानी के जमाने से हल्दी वाले दूध को सेहत के लिए वरदान मानते हैं। हालांकि, ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए।

गट हेल्थ पर पड़ सकता है बुरा असर

जिन लोगों को गैस या फिर ब्लोटिंग जैसी पेट से जुड़ी समस्या रहती है, उन्हें हल्दी वाले दूध को अपनी डाइट का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। हल्दी वाले दूध में पाए जाने वाले तत्व आपकी इस समस्या को बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी के मरीजों को भी डॉक्टर की सलाह लिए बिना हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहिए।

ब्लड प्रेशर के पेशेंट्स

अगर आपको अक्सर लो ब्लड प्रेशर रहता है, तो आपके लिए हल्दी वाला दूध काफी ज्यादा हानिकारक साबित हो सकता है। हल्दी वाला दूध ब्लड प्रेशर को और ज्यादा लो कर सकता है। इसके अलावा अगर आपको दूध से एलर्जी है, तो भी आपको हल्दी वाले दूध को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए वरना आपकी सेहत को लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गौर करने वाली बात

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बरसाती मौसम में भी हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक हल्दी वाला दूध आपके लिए तभी फायदेमंद साबित हो सकता है, जब आप इसका सेवन लिमिट में रहकर करें। दरअसल, किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा मात्रा में कंज्यूम करने से आपकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

काफी ज्यादा दर्दनाक हो सकती है
विटामिन डी की कमी

शरीर में पोषक तत्वों की कमी सेहत को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन डी का नाम भी पोषक तत्वों की इस लिस्ट में शामिल किया जाता है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो जाए, तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। विटामिन डी की डेफिशिएंसी आपकी बॉडी को अंदर से खोखला कर सकती है। हालांकि, आप हेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान को फॉलो कर इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोक सकते हैं।

अगर आप अपने शरीर में इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोकना चाहते हैं तो आपको अपने डाइट प्लान में खाने की कुछ चीजों को जरूर शामिल कर लेना चाहिए। फिश, अंडा और मशरूम खाने से आप विटामिन डी की डेफिशिएंसी के पैदा होने के खतरे को कम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोया में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है इसलिए इसे भी डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

स्वाद में कड़वा लेकिन
गुणों की खान है करेला

स्वाद में कड़वा जहर जैसा लगने वाला करेला सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। कुछ लोगों को करेला खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। आपको बता दें जितना कड़वा करेला स्वाद में होता है शरीर के लिए उतना ही ज्यादेमंद है। दरअसल करेला में ऐसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज और कई दूसरी बीमारियों में असरदार काम करते हैं। भले ही सब्जी के रूप में करेला आपको पसंद न हो लेकिन इसे दवा समझकर ही अपनी डाइट में शामिल कर लें। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो करेले का उपयोग सिर्फ खाने में ही नहीं बल्कि लगाने में भी किया जाता है। आइये जानते हैं करेला कौन सी बीमारियों में फायदा करता है और इसका सेवन कैसे करें?

डैंड्रफ दूर

झकुछ लोगों को डैंड्रफ यानि रूसी की समस्या रहती है। उनके लिए करेला का रस फायदेमंद हो सकता है। डैंड्रफ हटाने के लिए आप करेले के जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए करेले के पत्तों का रस निकालकर बालों पर लगा लें। आप इस जूस में थोड़ी हल्की मिलाकर उपयोग करें डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

सिरदर्द में आराम

झअगर आपको हमेशा सिरदर्द की परेशानी होती है तो आप करेले की पत्तियों को पीस कर इसका रल सिर में लगाएं। इस रस को अपने माथे पर लगा लें और सिर पर मालिश जैसी कर लें। काफी राहत मिलेगी।

मुंह के छाले दूर करे

अक्सर गर्मियों में मुंह में छाले हो जाते हैं। जिससे खाने पीने में परेशानी होती है। ऐसे में आप कई तरह के नुस्खों का उपयोग करते है, लेकिन उनका कोई खास आराम नहीं मिलता है। आप एक बार करेले का रस छालों पर लगा लें। इससे काफी फायदा मिलेगा। रस लगाने के बाद लार को बाहर निकलने दें और कुछ देर मुंह खोलकर लटकाए रखें। छाले 1 दिन में ही ठीक हो जाएंगे।

पथरी दूर करे

झ करेले का जूस पीने से पथरी के मरीज को आराम मिलता है। जिन लोगों को पथरी की परेशानी है, उन्हें करेले का रस जरूर पीना चाहिए। इससे पथरी को नेचुरली निकालने में मदद मिलती है।

घुटनों के दर्द में फायदेमंद

जिन लोगों को अक्सर घुटनों में दर्द होता रहता है। ऐसे लोग भी करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कच्चे करेले को आग में भून लें। अब करेला को मसल लें और रुई में लपेट कर घुटने में बांध लें। इससे जोड़ों और घुटने के दर्द में काफी आराम मिलेगा।

लटकती तोंद
हो जाएगी अंदर, बस रात को पिएं ये 5 ड्रिंक्स

हमारी लाइफस्टाइल के कारण बेली फैट बढ़ना एक आम समस्या बन चुकी है। कई लोग पेट की चर्बी बढ़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। इसके लिए वे कई तरह की डाइट भी ट्राई करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछऐसी ड्रिंक्स हैं, जिन्हें रात के समय पीने से बेली फैट कम करने में काफी मदद मिल सकती है। यहां हम उन्हीं ड्रिंक्स के बारे में जानेंगे, जो आपके पेट पर जमा जिद्दी चर्बी को पिघलाने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानें क्या हैं वे ड्रिंक्स।

ये ड्रिंक्स नेचुरल चीजों से बनती हैं, जो मेटाबॉलिज्म को तेज बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इन्हें पीने से फैट बर्न करने में सहायता मिलती है और पाचन भी दुरुस्त रहता है। इन कारणों से ये ड्रिंक्स बेली फैट घटाने में काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

सोने से पहले कौन-से ड्रिंक्स पेट कम करने में मदद कर सकते हैं?

ग्रीन टी- ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और कैटेचिन होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं और फैट बर्निंग को बढ़ावा देते हैं। सोने से पहले एक कप ग्रीन टी पीने से आपको रात भर कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है।

अदरक की चाय- अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। सोने से पहले एक कप अदरक की चाय पीने से आपको रात भर आरामदायक नींद आएगी।

दालचीनी पानी- दालचीनी में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाले गुण होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में थोड़ी-सी दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

नींबू पानी- नींबू में विटामिन-सी होता है, जो इम्युनिटी को बढ़ाता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से आपको डिटॉक्सिफिकेशन में मदद मिल सकती है।

पुदीने की चाय- पुदीना पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की गैस को कम करता है। सोने से पहले एक कप पुदीने की चाय पीने से आपको आरामदायक नींद आएगी।

बेली फैट कम करने के लिए कौन-सी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए?

शराब- शराब पीने से कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कॉफी और चाय- कॉफी और चाय में कैफीन होता है, जो नींद आने में बाधा बन सकती हैं, जिस वजह से वजन बढ़ सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स- कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में शुगर और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है।

पैकेट वाले जूस- जूस में फ्रक्टोज होता है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

सर्दी में नुकसानदायक साबित हो सकती हैं खाने की ये चीजें

सर्दियों में लोगों को अक्सर सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। खांसी के साथ-साथ कफ और बलगम भी लोगों की उलझन का कारण बन जाता है। क्या आप जानते हैं कि खाने की कुछ चीजों का सेवन करने की वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिस्टामाइन से भरपूर फूड आइटम्स बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं। यही वजह है कि बलगम की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन चीजों को खाने से बचना चाहिए।

मेयोनीज- अगर आप बलगम की समस्या को बढ़ने नहीं देना चाहते, तो आपको मेयोनीज का सेवन नहीं करना चाहिए। मेयोनीज आपकी बॉडी में हिस्टामाइन रिलीज करने का कारण बन सकती है जिसकी वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है।

खट्टे फल- हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दी, खांसी और जुकाम से जूझ रहे मरीजों को खट्टे फल न खाने की सलाह देते हैं। खट्टे फलों को खाकर गले से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक बढ़ सकती हैं।

चॉकलेट/कॉफी- क्या आप जानते हैं कि चॉकलेट या फिर कॉफी जैसी चीजें बलगम के प्रोडक्शन बढ़ाने का काम कर सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रोसेस्ड मीट्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए वरना आपकी बलगम की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है।

तला हुआ खाना- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तला हुआ खाना भी बलगम की समस्या को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी समस्याओं को ठीक करने के लिए तला हुआ खाना न खाएं।

दही- अगर आप बलगम की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको दही को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से बचना चाहिए। दही बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ाने का काम करता है जिसकी वजह से आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने में ये जड़ी-बूटी है फायदेमंद

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हल्के-फुल्के दर्द को गंभीरता से न लेते हुए नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसा ही एक दर्द है, पैरों की एड़ी में अचानक शुरू हुआ दर्द और उससे जुड़ी हुई सूजन, जिसकी मुख्य वजह है बढ़ा हुआ यूरिक एसिड। अगर समय रहते इसे कंट्रोल न किया जाए तो कई स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जैसे, गठिया, शुगर, जोड़ों से दर्द, सूजन आदि शामिल हैं। यहां तक की किडनी में स्टोन और किडनी के फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए यूरिक एसिड को कंट्रोल करना बेहद ही जरूरी होता है। ऐसे में दवाइयों के अलावा कुछ आयुर्वेद अपनाने के साथ ही खान-पान में थोड़े बदलाव कर आप यूरिक एसिड के लेवल को कम कर सकते हैं। इसी आयुर्वेद में से एक गिलोय है। आइए जानते हैं गिलोय किस तरह से यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में असरदार है।

यूरिक एसिड कंट्रोल करेगा गिलोय-

गिलोय एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। ये कई बीमारियों में असरदार है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से जूझ रहे हैं तो गिलोय इस समस्या को भी कंट्रोल करने में कारगर है। इसमें गिलोय में अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व पाएं जाते हैं जो यूरिक एसिड के लक्षणों को कम करता है। इसके लिए बस आपको इसके इस्तेमाल के सही तरीके की जानकारी होनी चाहिए।

यूरिक एसिड से पीड़ित मरीज इस तरह करें गिलोय का इस्तेमाल

रोजाना गिलोय का इस्तेमाल करना लाभकारी होगा। इसके लिए सबसे पहले गिलोय की ताजी पत्तियों और तने को तोड़ लें। उसके बाद इसे रात भर भिगोकर रख दें। अगले सुबह इसे पीस लें। उसके बाद 1 गिलास पानी और इस पाउडर को पैन में डालें और गैस पर चढ़ा दें। अब इसे आधा होने तक उबालें। उसके बाद इसे छानकर पी लें।

सर्दी में रोज दूध के साथ खाएं एक गोंद का लड्डू

सर्दियों का मौसम आ चुका है। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म और तंदुरुस्त रखना जरूरी होता है, ताकि सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। इसलिए इस मौसम में गोंद के लड्डू खाना काफी फायदेमंद होता है।

गोंद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके कारण ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

साथ ही, इससे बने लड्डुओं में घी और सूखे मेवे यानी ड्राई फ्रूट्स भी डाले जाते हैं, जो शरीर को गर्म रखते हैं और पोषण देते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में रोज एक गोंद के लड्डू खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम गोंद के लड्डू बनाने की रेसिपी बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप आसानी से घर पर इन्हें बना सकते हैं।

गोंद के लड्डू बनाने की विधि

सामग्री - गोंद - 100 ग्राम
सूखा मेवा (बादाम, काजू, किशमिश) - 100 ग्राम
घी - 100 ग्राम, गेहूं का आटा - 250 ग्राम
चीनी - 200 ग्राम, इलायची पाउडर - 1/2 चम्मच
सूखी अदरक पाउडर - 1/4 चम्मच
एक पैन में घी गर्म करें और उसमें गोंद डालकर सुनहरा होने तक भून लें।
एक अलग पैन में सूखे मेवे को हल्का-सा भून लें।
एक कड़ाही में गेहूं का आटा हल्का सुनहरा होने तक भून लें।
भूने हुए गोंद, सूखे मेवे, आटा, चीनी, इलायची पाउडर और सूखी अदरक पाउडर को एक बर्तन में मिला लें।
इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा घी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।
लड्डू को ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

गोंद के लड्डू खाने के फायदे

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं- गोंद में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में आराम- गोंद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करते हैं- गोंद पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है।

इम्युनिटी बढ़ाते हैं- गोंद में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सर्दी-खांसी में लाभकारी- गोंद गले की खराश और खांसी में आराम दिलाता है।

एनर्जी देते हैं- गोंद में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

किन लोगों को गोंद के लड्डू नहीं खाने चाहिए?

डायबिटीज के मरीज- चीनी की मात्रा ज्यादा होने के कारण डायबिटीज के मरीजों को गोंद के लड्डू सीमित मात्रा में या नहीं ही खाने चाहिए।

मोटापे से पीड़ित लोग- कैलोरी की मात्रा ज्यादा होने के कारण मोटापे से पीड़ित लोगों को गोंद के लड्डू कम मात्रा में ही खाने चाहिए।

लो इम्यूनिटी को तेजी से बूस्ट करता है गुड़

खांसी जुकाम में गुड़ खाने के फायदे- मौसमी इंफेक्शन और खांसी जुकाम में अक्सर कहा जाता है गुड़ खा लो। आज से नहीं दादी-नानी के जमाने से गुड़ को इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स के रूप में देखा जाता है। लोग इसे अजवाइन के साथ लेते हैं। गुड़ का शरबत पीते हैं, गुड़ की चाय लेते हैं और फिर आप गुड़ को गर्म पानी के साथ कई प्रकार से ले सकते हैं। पर समझने वाली बात ये है कि गुड़ इम्यूनिटी बूस्ट क्यों और कैसे, जानते हैं इसके तमाम उन खास गुणों के बारे में जो हमें बीमारियों से बचा सकते हैं। गर्मी पैदा करता है गुड़- गुड़ की खास बात ये है कि इसे खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है। ये आपके शरीर के तमाम अंगों को एनर्जी देता है और मौसमी बदलाव के साथ शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा ये शरीर के बाहरी और अंदरूनी तापमान के बीच एक संतुलन बनाने में मदद करता है जिससे आप अचानक मौसम में आए बदलाव के कारण बीमार नहीं पड़ते। गुड़ है एंटी इंफ्लेमेटरी है- गुड़ एंटी बैतक्टीरियल गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन को रोकने मे मदद करता है। इस वजह से सर्दी-जुकाम में इसे खाना फायदेमंद हो जाता है। इससे गले की खराश समेत कई समस्याओं में कमी आती है। इसके अलावा सिर दर्द और कमजोरी में भी ये मददगार है क्योंकि गुड़ में आयरन है और ये आयरन रेड ब्लड सेल्स को बढ़ावा देता है।

गुड़ इम्यूनिटी बूस्टर है- गुड़ एंटीबैक्टीरियल है। ये टी सेल्स को बढ़ावा देता है और शरीर को मौसमी इंफेक्शन से बचाता है। इससे होता ये है कि आप कई मौसमी बीमारियों से बचे रहते हैं। जैसे अचानक से फ्लू होना। सूखी खांसी और कफ की समस्या में भी गुड़ का सेवन करना कई प्रकार से फायदेमंद है। तो, सर्दियां आ रही हैं तो अपनी डाइट में गुड़ को शामिल कर लें।

अब 2 दिन में बंद हो जाएगी एसआईपी, नहीं लगेगा जुर्माना

- सेबी ने म्यूचुअल फंड कंपनियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली ।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है, भारतीय प्रतिभूति और विनियमक बोर्ड (सेबी) ने नया नियम लागू कर दिया है जिसके अनुसार अब आपको एसआईपी बंद करने के लिए सिर्फ दो दिन का इंतजार करना होगा। यह नियम 1 दिसंबर, 2024 से लागू हो चुका है। पहले सिपाहियों को 10 वर्किंग डेज़ का इंतजार करना पड़ता था, जिससे कई लोग अपनी सिप बंद करने में समय परेशान होते थे। इस नए नियम से निवेशकों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब वे अपने एसआईपी को दो दिन पहले ही बंद कर सकेंगे। यह न केवल जुर्माने से बचाएगा, बल्कि उन्हें अपने निवेश पर अधिक नियंत्रण भी मिलेगा। सेबी ने इस नए नियम को पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। वरिष्ठ आर्थिक सलाहकारों का कहना है कि इस नए नियम से निवेशकों को वित्तीय योजनाओं में अधिक सावधानी बरतने में मदद मिलेगी। यह भी निवेशकों को आत्मविश्वास देगा की उनके निवेशों पर पूरी निगरानी हो रही है। इस नए नियम के लागू होने से बाजार में भी एक नया जोश आया है, क्योंकि लोग अब अपने निवेशों पर अधिक नियंत्रण बनाए रख सकेंगे। यह नियम आम लोगों के वित्तीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा और उन्हें बेहतर वित्तीय योजनाओं में निवेश करने का साहस देगा। इस तरह सेबी द्वारा नए नियमों की घोषणा से म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक बड़ी सुविधा प्रदान की गई है और वित्तीय योजनाओं में निवेश करने के लिए उन्हें अधिक आत्मविश्वास मिलेगा।

रूस की तेल कंपनी रिलायंस को 500,000 बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल देगी!

10 वर्षीय समझौता वैश्विक आपूर्ति का 0.5 प्रतिशत है

मुंबई ।

रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट ने भारतीय निजी रिफाइनर रिलायंस को लगभग 500,000 बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) कच्चे तेल की आपूर्ति करने पर सहमत हुई है, जो दोनों देशों के बीच अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा सौदा है।

10 वर्षीय समझौता वैश्विक आपूर्ति का 0.5 प्रतिशत है और आज की कीमतों पर लगभग 13 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष है याने 11 हजार 322 करोड़ रुपये से ज्यादा का होगा।

इस सौदे से जुड़े तीनों सूत्रों ने बताया कि इस सौदे के तहत, रोसनेफ्ट हर महीने विभिन्न रूसी कच्चे तेल के 20-21 अफ्रामैक्स आकार के कार्गो (80,000 से 100,000 मीट्रिक टन) और ईंधन तेल के लगभग 100,000 टन के तीन कार्गो की आपूर्ति करेगा। ये शिपमेंट पश्चिमी राज्य गुजरात के जामनगर में रिलायंस के रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स, जो दुनिया का सबसे बड़ा है, के लिए आपूर्ति की जाएगी। 2024 में रिलायंस ने रोसनेफ्ट के साथ हर महीने 3 मिलियन बैरल कच्चे तेल की खरीद का सौदा किया था। रोसनेफ्ट नियमित आधार पर बिचौलियों के माध्यम से रिलायंस को कच्चा तेल भी बेच रहा है। एक सूत्र ने बताया कि नए सौदे में रूसी बंदरगाहों से रोसनेफ्ट के समुद्री तेल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा शामिल है, जिससे अन्य व्यापारियों और बिचौलियों के लिए बहुत अधिक आपूर्ति उपलब्ध नहीं होती है। सूत्रों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर तक रिलायंस ने औसतन 405,000 बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 388,500 बैरल प्रतिदिन से अधिक है।

टोयोटा वेलफायर का घटा वेटिंग पीरियड

नई दिल्ली।

टोयोटा वेलफायर कार के लिए वेटिंग पीरियड घटकर अब 6 महीने रह गया है।पहले ग्राहकों को इसके लिए 12 महीने तक इंतजार करना पड़ता था। नवंबर 2024 में इस कार की केवल 86 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले 6 महीनों में इसका सबसे खराब प्रदर्शन है। अक्टूबर में 115 यूनिट्स बिकी थीं, और नवंबर में इसकी बिक्री में 29 यूनिट्स की कमी देखी गई। पिछले छह महीनों के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक, जून 2024 में 142 यूनिट्स, जुलाई 2024 में 113 यूनिट्स, अगस्त 2024 में 114 यूनिट्स, सितंबर 2024 में 87 यूनिट्स, अक्टूबर 2024 में 115 यूनिट्स, और नवंबर 2024 में 86 यूनिट्स बिकीं। इस दौरान कुल 657 यूनिट्स की बिक्री हुई। टोयोटा वेलफायर का डिजाइन बेहद मॉडर्न है और इसमें शानदार डैशबोर्ड, एंबिएंट लाइटिंग और 14 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा, इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड और हीटेड सीट्स, इलेक्ट्रिकली एडजस्ट होने वाला स्टीयरिंग व्हील, रूफ-माउंटेड एंटरटेनमेंट सिस्टम और स्प्लिट ग्लास रूफ जैसी सुविधाएं भी हैं।

सुरक्षा के लिहाज से भी वेलफायर बेहतरीन है, इसमें 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इस कार में 2.5 लीटर का 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन है, जो स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम से लैस है और 193 पीएस की पावर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके ई-सीवीटी गियरबॉक्स की वजह से ड्राइविंग अनुभव और भी स्मूथ और आरामदायक बन जाता है। बता दें कि इस कार की एक्स-शोरूम कीमत 1.20 करोड़ रुपये है और इसके बावजूद खरीददारों में कमी नहीं आई है।

सेबी ने एसएमई कंपनियों के आईपीओ के नियमों में किया बड़ा सुधार

- यूपीएसआई की परिभाषा को और व्यापक और सख्त बनाया जाएगा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के नियामक प्राधिकरण, सेबी छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमई) के आईपीओ के नियमों में सुधार करने की योजना बना रहा है। इसके तहत अप्रकाशित प्राइस सेंसिटिव इंफॉर्मेशन (यूपीएसआई) की परिभाषा को और व्यापक और सख्त बनाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक ये सुधार 18 दिसंबर को होने वाली सेबी की बोर्ड बैठक में चर्चा के लिए रखा गया है। सेबी ने यह फैसला लिया है कि एसएमई लिस्टिंग नियमों को सख्त करके शेयर बाजार में धांधली और गलत प्रैक्टिस को रोका जा सके। इसके साथ ही, एसएमई आईपीओ में निवेश की न्यूनतम सीमा बढ़ाकर 2 लाख रुपये से 4 लाख रुपये करने का भी मौका दिया जा सकता है। समाचार के अनुसार इन सुधारों का मकसद है एसएमई लिस्टिंग में पारदर्शिता को बढ़ाना और निवेशकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना। सेबी इन कदमों के जरिए इंसाइडर ट्रेडिंग (पिट) नियमों को भी मजबूत करने का इरादा रखता है। इसे लेकर बहस चरम पर हो रही है, जब सेबी चेयरपर्सन को संबंधित विवादों में फंसे रहने का आरोप भी

उठाया जा रहा है। इस सुधार से उम्मीद है कि शेयर बाजार में नए एसएमई कंपनियों के एक पारदर्शी और सकारात्मक मिलान की ऊर्जा बढ़ेगी।

बजाज ऑटो 20 दिसंबर को लॉन्च करेगा अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो लोकप्रिय इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक का अपडेटेड मॉडल लॉन्च करने जा रहा है। कंपनी 20 दिसंबर को इसे लांच करेगी। कंपनी नए वर्जन में नए बॉडी फ्रेम का इस्तेमाल करेगी, जिसमें बैटरी पैक अब स्कूटर के फ्लोरबोर्ड के नीचे फिक्स होगा। इसके अलावा, अंडर सीट स्टोरेज को बढ़ाकर 22 लीटर तक किया जाएगा, जिससे ग्राहकों को ज्यादा स्पेस मिलेगा। नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर के डिजाइन में कुछ मामूली बदलाव हो सकते हैं, हालांकि इसकी स्टाइल और लुक्स में बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं होगा। स्कूटर में नए बैटरी पैक के साथ ज्यादा रेंज मिलने की उम्मीद है, जिससे ग्राहक लंबी दूरी तय करने में सक्षम होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नया मॉडल मौजूदा वर्जन के आसपास की कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है, जो कि 96,000 रुपये से लेकर 1.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है। अनुमान है कि नए मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 1 लाख रुपये हो सकती है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में स्टील बॉडी के साथ कुछ नई डिजाइन फीचर्स मिलेंगे, जैसे बॉडी कलर्ड रियर व्यू मिरर, सैटिन ब्लैक ग्रैब रेल, मैचिंग पिलियन फुटरेस्ट और चारकोल ब्लैक फिनिश टू हेडलाइट केसिंग। स्कूटर में डिस्क ब्रेक, अलॉय व्हील, एलईडी लाइटिंग, टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और आईपी67 रेटेड वॉटरप्रूफ बैटरी जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स भी दिए जाएंगे। इसके अलावा, एक एक्स्ट्रा 'स्पोर्ट' राइड मोड भी मिलेगा। भारत में चेतक का मुकाबला एथर रिज्टा जेड, ओला एस1 प्रो और टीवीएस आई-क्यूब जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से है। ब्रेकिंग सिस्टम में सुधार करते हुए नए मॉडल में डिस्क ब्रेक सेटअप भी दिया जा सकता है। नए चेतक में हिल-होल्ड कंट्रोल, फॉलो मी होम लाइट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, म्यूजिक कंट्रोल, कॉल अलर्ट, कस्टमाइजेबल थीम के साथ कलर्ड टीएफटी डिस्प्ले और ब्लूटूथ ऐप कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल से 12 सुखोई जेट खरीदने किया करार

सरकार ने जेट्स की खरीद के सौदे पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए उन्हें और अधिक शक्तिशाली और तैयार बनाने के लिए 12 सुखोई जेट्स की खरीद के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। इस 13,500 करोड़ रुपये के समझौते के ज़रिए, भारतीय रक्षा उद्योग का संयम और अनुभव ताकत में वृद्धि करेगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ हुई इस डील के माध्यम से, एसयू-30 एमकेआई जेट्स का निर्माण अब भारत में ही होगा। यह एक महत्वपूर्ण क़दम है जो भारत के आत्मनिर्भरता की धारा को मज़बूत करेगा। विमानों में घरेलू सामग्री का 62.6 प्रतिशत शामिल होने से, भारतीय वायुसेना की योग्यता और तैयारी में सुधार होगा। इस सौदे ने भारत के सशस्त्र बलों की ताकत को बढ़ावा देने के लिए एक नया मार्ग प्रदर्शित किया है। रक्षा मंत्रालय ने इस महत्वपूर्ण खरीद के संदर्भ में सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी किया है, जिसमें इस सौदे की महत्वपूर्णता और फायदे पर जोर दिया गया है। इसके माध्यम से, भारत ने अपने रक्षा सेक्टर को आगे बढ़ाया है और अपनी रक्षा तंत्र को मज़बूत करने के लिए ठोस क़दम उठाए हैं।

एसबीआई की अमृत वृष्टि योजना- बेहतर निवेश का अवसर

आम ग्राहकों को 7.25 और वरिष्ठ को 7.75 फीसदी ब्याज दर मिलेगी

मुंबई । वर्तमान समय में निवेश करने के लिए मिल रहे अनगिनत ऑप्शन्स में से एक है भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नई अमृत वृष्टि योजना। यह सावधि जमा योजना है जिसका आकर्षण है उसकी अवधि के साथ सुनहरा ब्याज दर है। इस योजना में निवेश करने पर आम ग्राहकों को 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। इस योजना के तहत जो आप्शन किए जा रहे हैं, वे महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी हैं। सीमित अवधि की यह जमा योजना 444 दिनों के लिए है और उन्हें 16 जुलाई 2024 से मिलेगी। निवेश करने का अंतिम तारीख 31 मार्च 2025 है। इस योजना को किसी भी भारतीय नागरिक के लिए खोला गया है, चाहे वो निवासी हो या अनिवासी और इसमें व्यक्तिगत, संयुक्त खाते और कंपनियां भी निवेश कर सकती हैं।

दूसरों को मनपसंद डिश खिलाने वाली जोमैटो सरकार के डकार गई 803 करोड़! अब होगी वसूली

नई दिल्ली। जोमैटो को लेकर सरकार ने एक खुलासा किया है। सरकार ने कहा है कि जोमैटो ने 803 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है और अब उसे वसूली के लिए नोटिस भेजा गया है। दूसरी ओर, जोमैटो ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा है कि वह इससे बचने के लिए कानूनी सहारा लेगी। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया है कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने उसे 803.4 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड मांग नोटिस भेजा है। इसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। कंपीन का कहना है कि डिलिवरी शुल्क पर ब्याज और जुर्माना के साथ जीएसटी का भुगतान न करने के संबंध में उसे नोटिस मिला है। जोमैटो ने कहा, 'कंपनी को 12 दिसंबर, 2024 को एक आदेश प्राप्त हुआ है। यह आदेश 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के लिए सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, ठाणे आयुक्तालय, महाराष्ट्र के संयुक्त आयुक्त द्वारा पारित किया गया है। इसमें लागू ब्याज के साथ 401,70,14,706 रुपये के जीएसटी की मांग और 401,70,14,706 रुपये के जुर्माने की पुष्टि की गई है।'

अचानक शेयर बाजार ने मारी पलटी...

सेंसेक्स 2000 अंक चढ़कर बंद

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी दिन भारी उठापठक देखी जा रही है। शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। लेकिन अब ना सिर्फ रिकवरी की है, बल्कि शानदार तेजी आई है। सेंसेक्स अभी 843 अंक चढ़कर 82,133 लेवल पर क्लोज हुआ, जबकि निफ्टी करीब 219 अंक उछलकर 24,768 पर बंद हुआ। इसके अलावा, बैंक निफ्टी में भी अच्छी तेजी देखने को मिली है। वहीं दोपहर तक शेयर बाजार में भारी गिरावट थी। सेंसेक्स 1200 अंक तक टूट चुका था और निफ्टी में 300 अंकों की गिरावट आई थी।

ऐसे में देखा जाए तो सेंसेक्स शुक्रवार के लो लेवल यानी 80,082 की तुलना में हाई लेवल 82,213.92 पर पहुंचा है, जो 2000 अंकों की उछाल है। वहीं निफ्टी दिन के लो लेवल से 600 अंकों की तेजी दिखाई है। शेयर बाजार में इतनी तेज रिकवरी की वजह हैवीवेट स्टॉक में शानदार तेजी और निवेशकों द्वारा लार्ज कैप स्टॉक में खरीदारी को माना जा रहा है।

बीएसई सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 27 शेयर उछाल पर थे, जबकि तीन शेयर टाटा

स्टील, इंडसइंड बैंक और जेएसडब्लू स्टील दबाव में थे। सबसे तेज उछाल भारती एयरटे के शेयर में 4.43 फीसदी की आई। इसके बाद कोटक बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही, जबकि सुबह के दौरान इन शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई थी।

79 शेयरों ने लगाया अपर सर्किट

वहीं एनएसई की बात करें तो टॉप 50 शेयरों में से 40 शेयरों में तेजी रही, जबकि 10 शेयर ही गिरावट पर थे। 79 शेयरों ने अपर सर्किट लगाया था और 73 शेयरों ने लोअर सर्किट लगाया। इसके अलावा, 83 शेयर 52 सप्ताह के हाई पर थे और 18 शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर थे।

मुंबई में 455 करोड़ का बिका प्लॉट, रजिस्ट्री पर खर्च हुए 27.30 करोड़

मुंबई।

मुंबई में एक साढ़े 19 हजार वर्ग फिट का प्लॉट 455 करोड़ में बिका है। इतने महंगे प्लॉट की खासियत यह है कि ये जुहू इलाके में है जहां बॉलीबुड की तमाम हस्तियां रहती हैं। स्क्वायर याड्र्स के अनुसार, अग्रवाल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के अत्यधिक मांग वाले जुहू इलाके में एक लैंड पार्सल का अधिग्रहण किया है, जिसकी कीमत 455 करोड़ रुपये है। यह प्लॉट शापूरजी पालोनजी ग्वालियर प्राइवेट लिमिटेड से हासिल किया था। स्क्वायर याड्र्स ने इस प्लॉट के रजिस्ट्रेशन डॉक्युमेंट को देखने के बाद बताया कि यह लैंड पार्सल लगभग 1,819.90 वर्ग मीटर (19,589.22 वर्ग फुट) के क्षेत्र में फैला है। इस लैंड डील को नवंबर 2024 में रजिस्ट्रेशन के बाद फाइनल किया गया। इस प्लॉट की रजिस्ट्री में 27.30 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेश चार्ज लगा है। इससे पहले, अग्रवाल होल्डिंग्स ने सितंबर 2022 में जुहू में लगभग एक एकड़ और तीन-चौथाई एकड़ में फैले दो लैंड पार्सल का अधिग्रहण किया था, जिसका कुल मूल्य 332.8 करोड़ रुपये था। कैपिटल मार्केट एंड सर्विसेज, स्क्वायर याड्र्स के फाउंडर आनंद मूर्ति ने कहा, मुंबई देश की कमर्शियल कैपिटल है और एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है इसलिए यहां प्रॉपर्टी की कीमतें बहुत ज्यादा हैं। बता दें कि मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और साउथ व वेस्ट मुंबई की कई लोकेशन की मांग सबसे ज्यादा है। वहीं, जुहू और बांद्रा भी समंदर से अपनी नजदीकी और लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए निवेश के लिए हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहा है।

यूपी से बिहार तक सस्ता हुआ तेल, हर जिले में बदला भाव

-ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 73.41 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में पिछले 24 घंटे के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया। इस वजह से शुक्रवार सुबह देश के ज्यादातर शहरों में तेल की कीमतों में नरमी देखी जा सकती है। शुक्रवार को यूपी से से बिहार तक सभी जिले में तेल के दाम में बदलाव हुआ है। ज्यादातर बड़े शहरों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 27 पैसे सस्ता होकर 94.71 रुपये लीटर, डीजल भी 32 पैसे गिरा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 13 पैसे सस्ता हुआ और 105.60 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 92.43 रुपये लीटर पहुंच गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 16 पैसे चढ़कर 94.73 रुपये लीटर तो डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.86 रुपये लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 73.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी गिरकर 69.90 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और

डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.60 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.73 रुपये और डीजल 87.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

आईसीआईसीआई प्रू लाइफ ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के 99.04 प्रतिशत क्लेम सिर्फ 1.2 दिनों में निपटाए

रांची :आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने जुलाई 2024 से सितंबर 2024 की अवधि में 99.04 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेशियो हासिल किया है, जो इंडस्ट्री में सबसे अधिक है। खास बात यह है कि डेथ क्लेम निपटाने में औसतन केवल 1.2 दिन का समय लगा। इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर, श्री अमीश बैंकर ने कहा, ह्लक्लेम वह पल है जब ग्राहक का विश्वास हम पर टिका होता है, और हम हर क्लेम को संवेदनशीलता के साथ संभालते हैं। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में हमने 99.04 प्रतिशत क्लेम सेटल किए, जबकि नॉन-इन्वेस्टिगेटेड क्लेम्स का एवरेज सेटलमेंट समय केवल 1.2 दिन था। इस अवधि में हमने 451 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम निपटाए।

हमारी 'क्लेम फॉर श्योर' पहल के तहत, हम सभी दस्तावेज जमा होने के बाद योग्य क्लेम्स को एक दिन में निपटाने का वादा करते हैं। इस पहल के तहत वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में हमने 71.24 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम निपटाए। हम लगातार इंडस्ट्री में अग्रणी क्लेम सेटलमेंट रेशियो के साथ सबसे आगे बने हुए हैं।

फिक्की एफएलओ की वार्षिक बैठक में 350 महिला प्रतिनिधि शामिल

गुवाहाटी ।

फिक्की महिला संगठन की अंतरराज्यीय बैठक में देश भर से लगभग 350 व्यवसायी महिलाएं और उद्यमी शो मिल हुई हैं। एफएलओ के पूर्वोत्तर चैप्टर द्वारा आयोजित मिस्टिकल नॉर्थईस्ट नामक इस बैठक में भाग लेने वाली महिलाएं प्रतिनिधि हैं। यह चार दिवसीय बैठक गुवाहाटी और शिलांग में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारत के 20 चैप्टर से महिला उद्यमियों और पेशेवरों को एक साथ लाने का उद्देश्य है। इसके दौरान सलाह, नेटवर्किंग, और प्रदर्शन का मौका दिया जा रहा है। बैठक के पहले दो दिन गुवाहाटी में आयोजित होंगे और बाकी दो दिन शिलांग में। एफएलओ के माध्यम से इस सम्मेलन ने महिलाओं के उद्यमिता और एकजुटता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कदम साबित होने की उम्मीद है।

दहेज उत्पीड़न के मामलों में अदालतों की न्याय व्यवस्था पर उठते सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

अतुल ने जो कदम उठाया वह उचित नहीं ठहराया जा सकता है बेहतर होता कि वह न्यायालय के भ्रष्टाचार को किसी तरह प्रूफ बना कर उजागर करता और अपने माता-पिता के बुढ़ापे का भी ख्याल करता सिर्फ रील बनाने या 23 पेज का बयान लिखकर जान गंवाने से बेहतर था कि वह अपना संघर्ष जारी रखता। एक इंजीनियर होने के बावजूद उसने अपने जीवन का फैसला बेहद गलत किया क्योंकि जीवन खत्म करने के बाद कोई न्याय प्रतिपूर्ति नही कर सकता है।

देश में बनने वाला हर कानून नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए बनाया जाता है, ताकि हर पीड़ित को इंसाफ और उसका हक मिल सके। महिलाओं के साथ होने वाले तमाम तरह के अपराधों, शारीरिक-मानसिक शोषण, प्रताड़ना और हिंसा से उन्हें बचाने के लिए उन्हें कई कानूनी कवच दिए गए हैं, इससे उनकी स्थिति पहले से मजबूत हुई है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाएं गए कानूनों का दुरुपयोग बढ़ा है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे है। असंतुष्ट पत्नियां दहेज विरोधी कानून का भी दुरुपयोग धड़ल्ले से कर रही हैं।

ऐसी घटनाएं वास्तव में देखने को मिली हैं कि पति से संबंध तोड़ने से पहले नाराज पत्नियां हिंसा और उत्पीड़न का इल्जाम न सिर्फ पति के पूरे परिवार, बल्कि दूरदराज के रिश्तेदारों पर भी लगा देती हैं। अकसर ऐसे आरोप कोर्ट में सिद्ध नहीं होते, मगर उसके पहले आरोपी बनाए गए व्यक्तियों को कोर्ट-कचहरी की प्रक्रिया के दौरान लंबी परेशानी से गुजरना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसने इस कानून के दुरुपयोग को उजागर किया है। परिवार की कलह से तंग आ चुके एक एआई इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली है, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक घंटा 20 मिनट का यह वीडियो वायरल हुआ है। आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस (एआई) इंजीनियर अतुल सुभाष ने इस वीडियो को रिकॉर्ड करने के बाद बेंगलुरु स्थित अपने घर में फांसी लगा ली थी। वीडियो में अतुल ने पत्नी की ओर से दर्ज कराए गए दहेज प्रताड़ना के आरोप से पैदा हुई परिस्थितियों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने लिखा है कि उनकी पत्नी और ससुराल वाले उनके ही पैसे से उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। उनका आरोप है कि उनकी पत्नी उन्हें उनके बेटे से न मिलने देती है और न ही फोन पर बात कराती है। अतुल ने 24 पत्रों का एक सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें अपनी पत्नी के साथ-साथ ससुराल वालों के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सुभाष के मामले ने दहेज कानून के दुरुपयोग पर बहस शुरू कर दी है। मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला अतुल अपनी नौकरी के चलते बेंगलुरु में रहता था। उनका ससुराल उत्तर प्रदेश के जौनपुर में था। उसने अपने सुसाइड नोट में पत्नी, ससुराल वालों और एक

न्यायाधीश पर आत्महत्या, उत्पीड़न, जबरन वसूली और भ्रष्टाचार के लिए उकसाने का आरोप लगाया। ससुरालवालों पर आरोप है कि उन्होंने झूठा मामला दर्ज कराया और मामले के निपटारे के लिए 3 करोड़ रुपये देने की मांग की थी। आरोप है कि अतुल ने मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित होकर आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लिया। सुसाइड नोट के हर पन्ने पर न्याय मिलना चाहिए लिखा है। पत्नी निकिता और ससुराल वालों के साथ-साथ सुभाष ने जौनपुर में एक पारिवारिक न्यायालय के जज पर भी उनकी सुनवाई न करने का आरोप लगाया है। सुभाष ने अपने कथित उत्पीड़न को बताने के लिए एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया। इसमें परिजनों से कहा गया है कि न्याय मिलने तक उनकी अस्थियों को विसर्जित न किया जाए। नोट में चार साल के बेटे के लिए भी एक संदेश था जिसे अतुल ने अलग से रखा था। नोट में अतुल ने अपने माता-पिता को उनके बच्चे की कस्टडी देने की भी मांग की। नोट और वीडियो का लिंक एक एनजीओ के व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजा गया था, जिससे अतुल जुड़े हुए थे। सुभाष ने अपने नोट में आरोप लगाया कि पत्नी निकिता सिंघानिया ने उनके खिलाफ हत्या, यौन उत्पीड़न, पैसे के लिए उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और दहेज सहित नौ मामले दर्ज कराए थे। दरअसल दहेज कुप्रथा को रोकने के लिए हमारे देश में कई कानून बनाए हैं। असहाय महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम करने के लिए कानून बनाने पर जोर दिया गया था। इसके चलते दहेज निषेध अधिनियम, 1961 बना। दहेज की मांग के बाद घरेलू हिंसा की घटनाएं भी सामने आती रही हैं ऐसे में 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 पारित किया गया। इसके साथ ही पुरानी आईपीसी में दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए कई प्रावधान किए गए थे। आईपीसी की धारा 498 दहेज से पहले और बाद में किसी भी रूप में उत्पीड़न को दंडनीय और गैर-जमानती बनाती है। 1983 में संसद द्वारा एक आपराधिक अधिनियम 'आईपीसी 498 ए' पारित किया था जो कहता था कि दहेज वसूलने के लिए की गई क्रूरता पर तीन या अधिक वर्षों की अवधि की सजा और जुमार्ना देना होगा। दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए आईपीसी 1961 में एक नई धारा' आईपीसी 304 बी' जोड़ी गई। आईपीसी 304 बी में 'दहेज हत्या' का जिक्र है। भारतीय दंड संहिता की धारा 304 बी में कहा गया है कि अगर किसी महिला की शादी के सात साल के भीतर किसी भी प्रकार के जलने या शारीरिक चोट से मृत्यु हो जाती है या यह पता चला है कि उसकी मृत्यु से पहले वह अपने पति या पति के किसी अन्य रिश्तेदार द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न के संपर्क में थी और इसका दहेज मांगने से संबंध है तब महिला की मृत्यु को दहेज मृत्यु माना जाएगा। दहेज हत्या के लिए सजा सात साल के कारावास की न्यूनतम सजा या आजीवन कारावास की अधिकतम सजा है। कानून पारित होते ही दहेज उत्पीड़न के हजारों मामले दर्ज होने लगे। कई बार यह विवाहित महिला के लिए सुरक्षा के बजाय हथियार बन गया जिस पर समय-समय पर अदालतों ने भी चिंता जताई। अतुल का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर से शीर्ष न्यायालय ने चिंता जतायी है। सुप्रीम कोर्ट में एक अलग मामले में महिलाओं द्वारा अपने पतियों के खिलाफ दर्ज कराए गए वैवाहिक विवाद के मामलों में क्रूरता कानून के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी। अदालत ने कहा है कि दहेज उत्पीड़न के मामलों में अदालतों को कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए और पति के सगे-संबंधियों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवाद से उत्पन्न आपराधिक मामले में परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को इंगित करने वाले विशिष्ट आरोपों के बिना उनके नाम का उल्लेख शुरू में ही रोक दिया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में देश भर में वैवाहिक विवादों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, साथ ही विवाह संस्था के भीतर कलह और तनाव भी बढ़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप, आईपीसी की धारा 498 ए (पत्नी के खिलाफ पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता) जैसे प्रावधानों का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ताकि पत्नी द्वारा पति और उसके परिवार के खिलाफ व्यक्तिगत प्रतिशोध को बढ़ावा दिया जा सके। देखा जाए तो जरूरत है कि इस कानून की समीक्षा की जाए। ऐसा नहीं है कि महिलाओं पर उत्पीड़न कम हो गया है और सभी मामले झूठे दर्ज कराए जाते हैं, लेकिन कुछ झूठे मामले जरूर सामने आ रहे हैं। इन कानूनों का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा है। लेकिन इसे संतुलित रूप से लागू करना होगा, ताकि इनके दुरुपयोग को रोका जा सके।

अतुल ने जो कदम उठाया वह उचित नहीं ठहराया जा सकता है बेहतर होता कि वह न्यायालय के भ्रष्टाचार को किसी तरह प्रूफ बना कर उजागर करता और अपने माता-पिता के बुढ़ापे का भी ख्याल करता सिर्फ रील बनाने या 23 पेज का बयान लिखकर जान गंवाने से बेहतर था कि वह अपना संघर्ष जारी रखता। एक इंजीनियर होने के बावजूद उसने अपने जीवन का फैसला बेहद गलत किया क्योंकि जीवन खत्म करने के बाद कोई न्याय प्रतिपूर्ति नही कर सकता है।

संपादकीय

बन गई बात

एक देश-एक चुनावह्न को लागू करने संबंधी विधेयकों को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी, मसौदा कानून मौजूदा शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। सरकार विधेयकों पर व्यापक विचार-विमर्श करने को इच्छुक है। जिन्हें संसदीय समिति को भेजे जाने की संभावना है। सरकार विभिन्न विधानसभाओं के अध्यक्षों से परामर्श करने की इच्छुक है। इसमें विधानसभाओं को भंग करने और एकसाथ चुनाव शब्द को सम्मिलित करने के लिए अनुच्छेद 327 में संशोधन करने से संबंधित प्रावधान भी है। सिफारिश में कहा गया है, विधेयक को कम से कम 50 फीसद राज्यों से अनुमोदित करने की आवश्यकता नहीं होगी। एक अन्य विधेयक केंद्र शासित प्रदेशों व पुडुचेरी, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर से सबंधित तीन कानूनों के प्रावधानों में संशोधन करने वाला सामान्य विधेयक होगा। अपने देश में एक चुनाव की बात अनूठी नहीं है। क्योंकि आजादी के बाद के वर्षो में भारत में एक ही चुनाव होता था। यानी सभी राज्यों के विधानसभा व लोक सभा चुनाव साथ हुआ करते थे। मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही विभिन्न मौकों पर देश भर में एक चुनाव कराने की बात करते रहे हैं। हालांकि भारत में एक चुनाव कराना सरकार के लिए आसान नहीं है, परंतु प्रधानमंत्री चाहते हैं राज्यों व केंद्र में साथ में चुनाव हों ताकि संसाधनों व धन का अपव्यय रोका जा सके। अभी साल में कई दफा देश में कहीं-न-कहीं चुनाव हो रहे होते हैं; जिन पर राजनीति होती रहती है, चुनाव आयोग व सुरक्षा तंत्र व्यस्त रहता है। विपक्ष को बार-बार उंगली उठाने का मौका मिलता है। सरकार की दलील है कि एक देश-एक चुनाव से राजकोष में बचत होगी। आचार संहिताओं के चलते विकास परियोजनाओं में रुकावटें नहीं आएंगी। चुनाव के दौरान काले धन के उपयोग के आरोपों से निपटने में एजेंसियों को सुविधा होगी। हालांकि इसका विरोध करने वाले कहते हैं कि देश भर में जितने संसाधनों की जरूरत होगी, उसके लिए सरकार को बजट बढ़ाना होगा। देश के तमाम क्षेत्रीय व छोटे दलों के लिए एक साथ चुनाव का भारी नुकसान हो सकता है। जैसा कि हम जानते हैं, विधानसभा व लोक सभा चुनाव के मुद्दे काफी अलग होते हैं। एक ही चुनाव होने पर इनका पैटर्न बदल जाएगा। क्षेत्रीय दलों के लिए बड़ी राजनीतिक पार्टियों से मुकाबला करना दूभर हो सकता है, परंतु जैसा कि 62 दलों में से 32 चुनाव के पक्ष में हैं। 15 ने विरोध किया है। इसलिए सरकार आम सहमति बनाने का भरसक प्रयास करे।

चिंतन-मनन

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया।

संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया।

संन्यासी बोला- समझे या नहीं।

उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए।

संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

जनहित के लिए संविधान पर प्रियंका का पहला भाषण

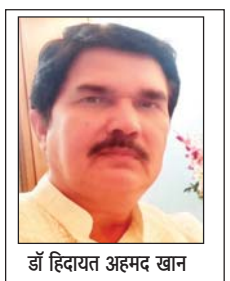

डॉ हिदायत अहमद खान

अधिकांश नेताओं के राजनीतिक भाषण अक्सर लोकलुभावन वादों से परिपूर्ण सुनहरे सपने दिखाने वाले होते हैं। इससे परे जब बात संसद में भाषण देने की होती है तो सत्यता के साथ तथ्यात्मकता, गंभीरता और जिम्मेदारी का ध्यान रखा जाता है। इस आधार पर संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान वायनाड सांसद प्रियंका गांधी द्वारा दिया गया भाषण वाकई काबिले जिक्र है। इस पर चर्चा इसलिए भी जरुरी हो जाती है क्योंकि प्रियंका का यह लोकसभा में दिया गया पहला भाषण था। इसके जरिए प्रियंका गांधी ने जहां सत्तारूढ़ सरकार पर तीखा हमला बोला वहीं उन्होंने संविधान की अहमियत और जनता के अधिकारों की रक्षा पर भी प्रभावी ढंग से अपनी बात रखी। यही वजह है कि उनके भाषण की तारीफ विपक्ष के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने मुक्तकंठ से की है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो उनके भाषण को स्वयं द्वारा संसद में दिए गए पहले भाषण से बेहतर बताया है, जबकि राहुल और प्रियंका गांधी की मॉ और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसे एक्सीलेंट कहा है। यही नहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रियंका की स्पष्टता और साहसिक वक्तव्य की सराहना की है। यहां सवाल यह उठता है कि आखिर प्रियंका ने अपने पहले भाषण में ऐसा क्या कहा जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। दरअसल प्रियंका ने संविधान पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने देश में भय का ऐसा वातावरण बना दिया है, जैसा अंग्रेजों के राज में था। यह तो सभी कहते आ रहे हैं और इसमें नया कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस मंच से यह बात उठाई गई औरजिस प्रभावी ढंग से रखी गई वही इसे विचारणीय बना देती है। इस बात को उन्होंने प्रभावी ढंग से कहा, कि आज का राजा आलोचनाओं से डरता है। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। जनता के बीच जाने का साहस नहीं है। देश के वर्तमान हालात का नक्शा खींचते हुए प्रियंका गांधी ने सरकार पर विभाजनकारी नीतियां अपनाने का जहां आरोप लगाया वहीं उन्होंने भाईचारे को तोड़ने जैसे कार्य किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने संविधान की एहमियत को रेखांकित किया और संविधान को देश का सुरक्षा कवच बताया। संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि न्याय, अभिव्यक्ति और आकांक्षा की ज्योत है। यह संविधान ही है जिसने हर भारतीय को अपनी आवाज उठाने और सरकार को जवाबदेह बनाने का अधिकार दिया है। लेकिन, आज की सरकार इन अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। प्रियंका इसका उदाहरण देती हुई कहती हैं कि सरकार निजीकरण और लेटरल एंट्री के जरिए आरक्षण को खत्म करने की कोशिश कर रही है। भाषण में तीखापन लाते हुए वो कह जाती हैं कि प्रधानमंत्री संविधान को माथे से लगाते हैं, लेकिन जब मणिपुर और संभल में न्याय की गुहार उठती है, तो उनके माथे पर शिकन तक नहीं आती। देश के विभिन्न हिस्सों में जारी हिंसा पर सरकार की निष्क्रियता को लेकर सभी मंचों से आवाज उठती रही है और लगातार सरकार को घेरा जाता रहा है, लेकिन प्रियंका ने जिस तरह से इस बात को रखा उसकी चर्चा भी हो रही है। वो कहती हैं कि संविधान ने हमें एकता दी है, लेकिन आज इसे कमजोर किया जा रहा है। वाकई संविधान तो विभिन्नता में एकता का सूत्र देता है, जिस कारण दुनियां में देश की अलग पहचान बनती है और विकास की गाथा इसी आधार पर लिखी जाती है, जिसकी चर्चा पड़ोसी देश भी करते देखे जाते हैं। देश में मौजूद समस्याओं को जिस अंदाज में उठाया गया है, वह भी उल्लेखनीय हो गया है। प्रियंका गांधी ने किसानों और मजदूरों की समस्याओं पर सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था कि कृषि कानून उद्योगपतियों के लिए बनाए जा रहे हैं। हिमाचल में सेब के किसान रो रहे हैं। वायनाड से लेकर ललितपुर तक किसान परेशान हैं। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रही जनता का सवाल रखा और बताया कि सरकार कोई राहत नहीं दे रही है। इन सभी के साथ मौजूदा सरकार ने जिस तरह से देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु को मौजूदा परेशानियों और समस्याओं का जिम्मेदार ठहराने वाला तकियाकलाम अपना रखा है, उसका भी प्रियंका ने वाजिब सवालिया जवाब दे दिया है। इस प्रकार प्रियंका ने अपने पहले भाषण में जहां संविधान के महत्व को रेखांकित किया वहीं उन्होंने देश की ज्वलंत समस्याओं से भी अवगत कराते हुए सरकार को उसकी अपनी जिम्मेदारी याद दिलाने का भी बेहतर काम कर दिखाया है। अब देखना यह होगा कि इस चर्चा के बाद सरकार अपने फैसलों और नितियों के साथ कार्यों के जरिए किस तरह से जवाब देती है। आखिर जिसके हाथों में देश की दशा और दिशा की तय करने की शक्ति है, उससे बेहतर परिणाम की आशा तो रखनी ही चाहिए।

दिल्ली की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है। दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है। भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है। निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मालेर्ना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है। आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पुष्पा 2 को लेकर की गई जेसीबी वाली टिप्पणी पर सिद्धार्थ का यू-टर्न

5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही पुष्पा 2ः द रूल ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म की भारी सफलता के बीच सिद्धार्थ को अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म के पटना इवेंट में एकत्रित भीड़ का मजाक उड़ाने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, अब उन्होंने विवाद के बारे में बात की और एक स्पष्टीकरण जारी किया है।

सिद्धार्थ ने ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी

चेन्नई में अपनी फिल्म मिस यू के लिए आयोजित एक प्रेस मीट के दौरान सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 पर अपनी टिप्पणियों और अल्लू अर्जुन के साथ किसी भी तरह की समस्या के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। अभिनेता ने स्पष्टीकरण की आवश्यकता को खारिज कर दिया और फिल्म की टीम को इसकी सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने पहले भाग की भारी लोकप्रियता को स्वीकार किया और कहा कि दर्शकों का सीक्वल के लिए सिनेमाघरों में आना स्वाभाविक था।

अपनी टिप्पणी पर क्या बोले सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने फिल्मों का समर्थन करने वाली बड़ी भीड़ के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक सिनेमाघरों में आना जारी रखेंगे और सिनेमा के फलने-फूलने की जरूरत के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी फिल्म का हिट होना कितना दुर्लभ है और कहा कि निर्माता और कलाकार अपनी कड़ी मेहनत का फायदा उठाने के हकदार हैं।

सिद्धार्थ ने पेश की सफाई

उन्होंने कहा, मुझे समस्या शब्द से ही दिक्कत है और मुझे नहीं लगता कि मुझे इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। सफलता के लिए पुष्पा 2 की टीम को बधाई। जितनी अधिक भीड़ जुटेगी, उतना अच्छा होगा। आशा है कि भीड़ सिनेमाघरों में भी आएगी। सिनेमा को स्वस्थ होना चाहिए। इससे पहले पुष्पा 2 पर की गई अपनी टिप्पणी पर सिद्धार्थ को काफी ट्रोल भी किया गया था।

क्या था सिद्धार्थ का बयान

इससे पहले सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 कार्यक्रम के लिए पटना में उमड़ी भारी भीड़ पर अपने विचार साझा किए । उन्होंने कथित तौर पर इसे एक प्रचार रणनीति बताया और कहा कि भारत में बड़ी भीड़ एक आम बात है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी भीड़ हमेशा गुणवत्ता को नहीं दर्शाती। अभिनेता ने कथित तौर पर इस आयोजन की तुलना जेसीबी से खुदाई करने वाली जगह से की और दावा किया कि आयोजन करने से स्वाभाविक रूप से लोग आते हैं और उन्होंने बिहार में लोगों के एकत्र होने को सामान्य बताया।

आलिया भट्ट ने ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए दी पायल कपाड़िया को बधाई

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट के लिए गोल्डन ग्लोब अवार्ड के लिए नामित होने पर बधाई दी। उन्हें 82वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (मोशन पिक्चर श्रेणी) के लिए नामित किया गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर नॉन इंग्लिश कैटेगरी में भी नामांकित किया गया है।

पायल कपाड़िया ने कही ये बात

पायल कपाड़िया ने कहा, मैं इस नामांकन से बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं और इस मान्यता के लिए ।स्त्रक्क की आभारी हूं। यह उन सभी का जश्न है जिन्होंने इस फिल्म पर इतनी लगन से काम किया है। भारत में सभी के लिए, ऑल वी इमेजिन एज लाइट अभी भी सिनेमाघरों में है - कृपया इसे देखें और हमारा समर्थन करें।

राजकुमार राव ने भी दी बधाई

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने भी फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को इस नामांकन की बधाई दी है। उन्होंने लिखा, बधाई हो... यह बहुत बढ़िया है। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपके लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं, आलिया भट्ट ने भी पायल कपाड़िया को बधाई दी और कहा कि इतिहास बस आपका ही है।

फिल्म को मिला कान्स में ग्रैंड प्रिक्स

ऑल वी इमेजिन एज लाइट फिल्म को दुनियाभर में लोगों ने सराहा है। इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर लोगों ने बहुत पसंद किया है। फिल्म भारत में 22 नवंबर को भारत में सिनेमाघरों में रिलीज हुई ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हासिल की थी। यह फिल्म कान्स 2024 में प्रतिष्ठित ग्रैंड प्रिक्स जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई।

प्रेग्नेंसी की खबरों पर सोनाक्षी ने तोड़ी चुप्पी

सोनाक्षी सिन्हा ने इस साल जून में अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी रचाई। निजी समारोह में हुई रजिस्टर मैरिज और फिर रिसेप्शन पार्टी में करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। शादी के बाद सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लग रही हैं। उनकी हालिया तस्वीरें देख नेटिजन्स अक्सर अभिनेत्री से सवाल पूछते हैं कि क्या वे खुशखबरी देने वाली हैं? इस तरह की अफवाहों पर सोनाक्षी ने चुप्पी तोड़ी है।

मजाकिया अंदाज में किया खंडन

सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस तरह की अकटलों का खंडन अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में किया और इसे अपने बढ़ते वजन से जोड़ा। सोनाक्षी ने कहा, मैं बस मोटी हो चुकी हूं। अपने इस बेबाक अंदाज और जवाब के जरिए उन्होंने अफवाहों को विराम दे दिया है। सोनाक्षी ने कर्ली टेल्स के साथ इंटरव्यू के दौरान यह बात कही। सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रहीं अफवाहों को विराम लगाते हुए कहा, दोस्तों, मैं यहां पर कहना चाहती हूं कि मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं। मैं बस मोटी हो चुकी हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने मजाक में यह भी खुलासा किया कि इस तरह की खबरों को लेकर किसी ने तो उनके पति जहीर इकबाल को बधाई तक दे डाली। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने बातचीत के दौरान हंसते हुए कहा कि शादी के बाद से वे लगातार यात्राओं में व्यस्त हैं।

इस पोस्ट के बाद शुरू हुई अफवाहें

सोनाक्षी सिन्हा की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब कपल ने अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। सोनाक्षी सिन्हा ने भी माना की इस तस्वीर के बाद इस तरह के कयास लगने लगे। आगे उन्होंने माना कि इंटरनेट पर यूजर्स की कल्पनाओं की कोई सीमा नहीं। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर ने एक-दूसरे को करीब सात साल डेट किया। 23 जून 2024 में इन्होंने शादी रचाकर जिंदगी के नए अध्याय में प्रवेश किया।

पहली फिल्म की असफलता ने तोड़ा श्रद्धा का दिल, इंडस्ट्री में नहीं दिया किसी ने काम

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में रिलीज हुई अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' का आनंद उठाया। यह फिल्म साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इस बीच श्रद्धा ने 2010 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'तीन पत्ती' की असफलता के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे फिल्म की असफलता ने उनका दिल तोड़ दिया था, क्योंकि उन्होंने इसके असफल होने की उम्मीद नहीं थी। श्रद्धा कपूर ने बताया कि फिल्म की असफलता के बाद उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जीक्यू इंडिया से बात करते हुए कहा कि लोगों को उन्हें कास्ट करने के लिए मनाना बहुत मुश्किल था, जब तक कि आदित्य रॉय कपूर के साथ आशिकी 2 नहीं आई, एक ऐसी फिल्म जिसने उन्हें बहुत शोहरत दिलाई। अभिनेत्री ने कहा कि आशिकी 2 के बाद और उससे पहले, वह कठिन दौर से गुजर रही थीं।

पिता ने नहीं की मदद

श्रद्धा ने आगे कहा, इंडस्ट्री से होने के बावजूद, मेरे पिता मुझे काम दिलाने के लिए कोई कॉल नहीं कर रहे थे। उन्होंने (शक्ति कपूर) कहा, मैंने खुद को अपने दम पर बनाया है, तुम्हें भी यह करना होगा। अपनी लड़ाई का सामना करो। मुझ पर निर्भर मत रहो। इससे मुझे बहुत ही अस्वीकृति और असफलता का अनुभव हुआ। 'आशिकी' होने तक लोगों को मुझे कास्ट करने के लिए मनाना बहुत मुश्किल था।

खुद को पति के रूप में राजकुमार राव ने दी इतनी रेटिंग, बोले- हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है

बॉलीवुड के पावर कपल राजकुमार राव और पत्रलेखा एक दूसरे के प्रति अपने प्यार का इजहार अक्सर करते हैं। दोनों की मीडिया हाउस से बातचीत में राजकुमार राव ने बताया कि वे पति के तौर पर 10 में से 9 ही नंबर ले सकते हैं। राजकुमार राव ने कहा, मैं खुद को एक पति के तौर पर नौ नंबर दूंगा। वाह, यह बिल्कुल भी बुरा नहीं है, है ना? मैं दस कहने वाला था, लेकिन फिर मैंने सोचा कि कुछ तो गड़बड़ होगी मुझमें। सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है।

एक दूसरे के सबसे बड़े आलोचक हैं

इस बातचीत में राजकुमार राव ने बताया कि वे और पत्रलेखा एक दूसरे का समर्थन करते हैं लेकिन वे एक दूसरे के सबसे बड़े आलोचक भी हैं। वे अक्सर उनके काम की पहली दर्शक रही हैं। पत्रलेखा जिस काम की तारीफ करती हैं, उसे वाकई सम्मान मिलता है। उन्होंने पत्रलेखा के लिए कहा कि वे मेरे काम को समझती हैं मेरे लिए ये भी बहुत बड़ी बात है।

राजकुमार राव ने की पत्रलेखा की तारीफ

राजकुमार राव ने आईसी 814 में पत्रलेखा के अभिनय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये सीरीज उनके लिए एक अध्ययन के तौर पर खास रहा। बता दें राजकुमार राव और पत्रलेखा ने 2010 में अपने रिश्ते की शुरुआत की और 15 नवंबर, 2024 को चंडीगढ़ में एक अंतरंग समारोह में शादी कर ली।

इस साल दिखाया अभिनय का जादू

वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार राव को हाल ही में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आए थे। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। वहीं, राजकुमार राव ने इस साल स्त्री 2 के जरिए भी काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट रही।

रामायण के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का साई पल्लवी ने किया खंडन

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और मुखर अभिनेत्री साई पल्लवी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर रामायण के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का खंडन किया। अभिनेत्री ने अफवाहों को मनगढ़ंत करार देते हुए कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। अफवाहों को लेकर गुस्से में आईं अभिनेत्री साई पल्लवी ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपनी एक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, अधिकांश समय, लगभग हर बार, जब भी मैं निराधार अफवाहों या मनगढ़ंत झूठ, गलत बयानों को मकसद या बेमकसद फैलते देखती हूं (भगवान जाने) तो मैं चुप रहना ज्यादा पसंद करती हूं और ऐसे मौकों पर कुछ नहीं बोलती। मैं खास तौर पर फिल्मों की रिलीज, घोषणा या मेरे करियर के यादगार पलों के समय किसी तरह की अफवाहों पर आमतौर पर चुप ही रहती हूं। (ऐसा हर बार नहीं होगा) अगली बार जब मैं किसी पेज, मीडिया या व्यक्ति को समाचार या गपशप के नाम पर कोई मनगढ़ंत घटिया कहानी चलाते हुए देखूंगी तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगी। कानूनी कार्रवाई करूंगी! बस!

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही नितेश तिवारी के निर्देशन में तैयार रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। 'रामायण' में माता सीता की भूमिका निभा रहीं साई पल्लवी के साथ रणबीर कपूर राम की भूमिका में तो 'केजीएफ' स्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में और लारा दत्ता कैकेयी की और सनी देओल वीर हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। साई पल्लवी अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अभिनेत्री भारतीय सेना को लेकर विवादित बयान देती नजर आई थीं। वायरल वीडियो में अभिनेत्री कहते नजर आई थीं, पाकिस्तान में लोग सोचते हैं हमारी सेना एक आतंकवादी समूह है, लेकिन हमारे लिए उनकी सेना ऐसी है। इसलिए, नजरिया बदल जाता है।

सुजॉय घोष ने की पुष्पा 2 की तारीफ

अल्लू अर्जुन की साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2ः द रूल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म को दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली और इसने पहले ही दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म समीक्षकों, दर्शकों और कई मशहूर हस्तियों से भी प्रशंसा अर्जित कर रही है। हाल ही में, फिल्म निर्माता सुजॉय घोष ने भी फिल्म की अपनी समीक्षा साझा की और अल्लू अर्जुन को महानतम जादूगर कहा। वहीं, इस पर अल्लू अर्जुन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है और लोगों का खासा ध्यान आकर्षित किया है।

सुजॉय घोष ने की पुष्पा की समीक्षा

सुजॉय घोष ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पुष्पा 2ः द रूल की अपनी समीक्षा साझा की। बदला, कहानी और जाने जां जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले फिल्म निर्माता ने कहा, मैंने सुकुमार की फिल्म पुष्पा 2 देखी। क्या खूबसूरती से तैयार किया गया मैजिक शो और हर डिपार्टमेंट में बेहतरीन डिटेलिंग। मन चकित रह गया। देखने में बहुत मजा आया और सबसे महान जादूगर अल्लू अर्जुन ने मुझे सम्मोहित कर लिया।

अल्लू अर्जुन ने जताया आभार

इसके बाद अल्लू अर्जुन ने फिल्म निर्माता का आभार व्यक्त किया और जवाब दिया, सुजॉय जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। खुशी है कि आपको फिल्म और मेरा काम पसंद आया। आपके प्यार से अभिभूत हूं। धन्यवाद। सुजॉय घोष ने फिल्म की तारीफ की है और अल्लू अर्जुन उनका आभार व्यक्त करते नजर आए हैं। वहीं, सुजॉय और अल्लू की पोस्ट पर नेटिजन्स भी दिल खोलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नेटिजन्स ने सुजॉय घोष द्वारा अल्लू अर्जुन और पुष्पा 2 की प्रशंसा करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनसे शाहरुख खान के साथ ऐसा ही सिनेमा बनाने का अनुरोध किया। एक एक्स यूजर ने लिखा, एसआरके की विशाल प्रस्तुति के साथ-साथ किंग को भी पूरी तरह तैयार करें। दूसरे ने लिखा, अपनी खुद की विशिष्टता के साथ किंग बनाएं और उन सभी को आश्चर्यचकित करें जो किंग-द मूवी को कम आंक रहे हैं।

किंग में नजर आएंगे शाहरुख-सुहाना

एक अन्य एक्स यूजर ने टिप्पणी की, सुजॉय दादा हम और अधिक खूबसूरती से तैयार किया गया जादू शो चाहते हैं। बता दें, सुजॉय घोष एक एक्शन ड्रामा किंग का निर्देशन करने जा रहे हैं, जिसमें शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान मुख्य भूमिका में हैं। चर्चा है कि फिल्म में अभिषेक बच्चन खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। किंग के बारे में बात करते हुए, शाहरुख ने एक इंटरव्यू में कहा, यह दिलचस्प होगा। मैं कुछ समय से ऐसी फिल्म करना चाहता था, और मैं वास्तव में सात, आठ साल से ऐसी फिल्म करना चाहता था। हमने बस महसूस किया सुजॉय सही विकल्प होंगे, क्योंकि हम चाहते थे कि यह भावनात्मक रूप से बहुत सही हो। हम सभी एक अच्छी, व्यापक, एक्शन, भावनात्मक फिल्म बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

लोकेश कनगराज के एलसीयू में हुई माधवन की एंट्री

राघव लॉरेंस अपनी शानदार अदाकारी के लिए मशहूर हैं। वह आगामी फिल्म बेंज में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे, जिसका निर्देशन बक्कियाराज कन्नन करेंगे। फिल्म की पटकथा लोकेश कनगराज लिख रहे हैं। यह फिल्म लोकेश कनगराज के सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रही है।

एलसीयू में हुई माधवन की एंट्री

रिपोर्ट के अनुसार राघव लॉरेंस की इस फिल्म में अब आर माधवन की विलेन की के रूप में एंट्री हो गई है। माधवन के एलसीयू में प्रवेश ने दर्शकों के साथ फिल्म इंडस्ट्री में काफी उत्साह पैदा कर दिया है। माधवन ने आखिरी बार मणिरत्नम की फिल्म आयुथा एझुथु (2004) में और 2024 में हिंदी फिल्म शैतान में भी वह नकारात्मक भूमिका में नजर आए थे। फिल्म बेंज की शूटिंग जल्द शुरू होगी। इसमें संगीत देने के लिए हाल ही में उभरते हुए संगीतकार साई अभ्यंकर को साइन किया गया है। राघव लॉरेंस की आगामी फिल्में, जैसे काला भैरव और बुलेट ने भी काफी हलचल मचाई है। 2025 में इन फिल्मों की रिलीज को लेकर फैंस में खासा उत्साह है।

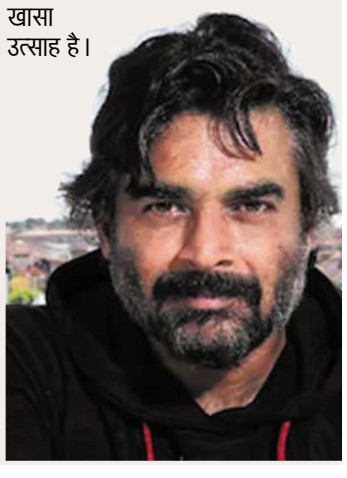

तीसरा टेस्ट : बारिश ने धोया पहला दिन, ऑस्ट्रेलिया 28-0

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। शनिवार को गाबा में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन लगातार बारिश ने खेल को रोक दिया। बारिश के कारण खेल रद्द होने से पहले ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में बिना किसी नुक़सान के 28 रन बनाए थे। उस्मान ख्वाजा 19 और नाथन मैकस्वीनी 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

बीसीसीआई ने जानकारी दी, 'आज का खेल बारिश के कारण रोक दिया गया है। खेल अब रविवार सुबह 9:50 बजे (स्थानीय समय) से शुरू होगा और हर दिन कम से कम 98 ओवर फेंके जाएंगे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बताया कि शनिवार के दिन के लिए खरीदे गए टिकटों की पूरी राशि लौटाई जाएगी, क्योंकि केवल 15 ओवर से कम का खेल हो सका। बारिश के लंबे ब्रेक के चलते दर्शक मैदान छोड़कर चले गए। सीए की नीति के अनुसार, अगर 15 ओवर से कम खेल होता है और किसी भी दिन मैच का परिणाम नहीं निकलता, तो टिकट धारकों को पूरा रिफंड दिया जाता है।

शनिवार सुबह 9 बजे से ब्रिस्बेन में 66.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को 50त्न बारिश की संभावना है। सोमवार से बुधवार तक बारिश की संभावना और ज्यादा है, लेकिन यह स्थिति बदल भी सकती है।

इससे पहले, सुबह बादलों से घिरे मौसम में भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टीम में बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और आकाश दीप को अश्विन और हर्षित राणा की जगह शामिल किया गया। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने सही लाइन और लेंथ खोजने की कोशिश की, लेकिन पिच से सीम मूवमेंट नहीं मिला। उस्मान ख्वाजा ने सिराज की एक शॉर्ट बॉल को मिड-विकेट पर आसानी से चौके के लिए भेज दिया। बारिश ने पहली बार 5.3 ओवर के बाद खेल रोका, जिसके कारण खिलाड़ी 30 मिनट तक मैदान से बाहर रहे।

ब्रेक के बाद भारतीय गेंदबाजों ने फुलर गेंदें डालने की कोशिश की, जिससे कुछ मूवमेंट मिला। लेकिन ख्वाजा और मैकस्वीनी ने मजबूती से खेल जारी रखा। फिर बारिश के कारण जल्दी लंच कर दिया गया और और अंततः पूरे दिन का खेल खत्म कर दिया।

कार्ल हॉपकिंसन को मुंबई इंडियंस का नया फील्डिंग कोच बनाया गया

मुंबई (एजेंसी)। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने कहा कि टीम ने आईपीएल 2025 से पहले कार्ल हॉपकिंसन को अपना नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। हॉपकिंसन ने जेम्स पैमेंट की जगह ली है, जो सात साल तक मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे थे। न्यूजीलैंड के मूल निवासी पैमेंट 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की लगातार खिताबी जीत का हिस्सा थे। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने कहा, हम उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हॉपकिंसन ने हाल ही में इंग्लैंड के लंबे समय से चले आ रहे फील्डिंग कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया है, यह भूमिका उन्होंने 2018 में संभाली थी। वे 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड के वनडे विश्व कप और नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीत में शामिल थे। हॉपकिंसन वेस्टइंडीज में 2022 में अंडर19 विश्व कप में इंग्लैंड अंडर19 टीम के मुख्य फील्डिंग कोच भी थे, जहां वे 1998 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भारत के बाद उपविजेता रहे।

हॉपकिंसन ने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें 2,705 रन बनाए और 27.60 की औसत से रन बनाए, जिसमें तीन शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 1,400 रन और 28 टी20 मैचों में 165 रन बनाए,

इसके अलावा 2007 में काउंटी चैंपियनशिप जीतने वाली ससेक्स के अहम सदस्य भी रहे। फील्डिंग कोच के रूप में उनका काम अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में ससेक्स टीम के साथ शुरू हुआ, 2010 से टीम के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़े रहे।

आईपीएल 2025 के लिए, मुंबई के पास रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की मजबूत भारतीय चौकड़ी के साथ हार्दिक पांड्या कप्तान है। जेद्दा में पिछले महीने की मेगा नीलामी में, मुंबई ने ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपली जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया। उन्होंने दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ अल्लाह गज़नफ़र, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया।

डब्ल्यूपीएल 2025 नीलामी आज , 120 खिलाड़ियों को खरीदने लगेगी बोली

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए नीलामी रविवार को बेंगलुरु में होगी। इस लीग में 120 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए पांच फ्रेंचाइजी नीलामी में उतरेंगी। नीलामी पूल में 91 भारतीय जबकि 29 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रहेंगे। इसमें एसोसिएट नेशंस की तीन उभरती हुई खिलाड़ी भी शामिल रहेंगी। नीलामी में उतर रही 30 खिलाड़ी (9 भारतीय, 21 विदेशी) कैप्ड हैं, जबकि (82 भारतीय, 8 विदेशी) सहित 90 अनकैप्ड हैं । अधिकतर फ्रेंचाइजी ने अपनी कोर टीमों को बनाए रखने केवल 19 स्लॉट खुले रखे हैं, जिनमें विदेशी खिलाड़ियों के लिए 5 शामिल हैं।

इस साल की नीलामी में डिएंड्रा डॉटिन (वेस्टइंडीज), हीथर नाइट (इंग्लैंड), ओर्ला प्रेंडरगास्ट (आयरलैंड), लॉरेन बेल (इंग्लैंड), किम गार्थ (ऑस्ट्रेलिया) और डेनियल गिब्सन (इंग्लैंड) जैसे खिलाड़ी भी शामिल रहेंगी।

नीलाम के लिए सबसे अधिक रकम गुजरात जायंट्स के पास 4.4 करोड़ रुपये है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 3.25 करोड़ रुपये, मुंबई इंडियंस के पास 2.65 करोड़ रुपये और दिल्ली कैपिटल्स के पास 2.5 करोड़ रुपये हैं। नीलामी दोपहर 3 बजे शुरू होगी जबकि प्रसारण 30 मिनट पहले शुरू होगा। नीलामी की लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी। इसके साथ ही इसका टीवी प्रसारण भी होगा।

महिला टी20 : खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम का सामना अब वेस्टइंडीज से

नवी मुंबई (एजेंसी)। लगातार आलोचना का सामना कर रही हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे मैच हारने के गम को भुलाकर रविवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन करके जीत की राह पर लौटना होगा।

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2019 से अब तक टी20 प्रारूप में सभी आठ मैच जीते हैं। लेकिन इस लय को बनाये रखने के लिये भारतीय टीम को आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा।

आस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला के दौरान चयन के कई विवादित फैसलों के कारण हरमनप्रीत पर सवाल उठे हैं। देखना यह है कि कब तक चयनकर्ता उन पर भरोसा बनाये रखते हैं और स्मृति मंधाना को बागडोर सौंपने के लिये इंतजार करते हैं। टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारत की यह पहली टी20 श्रृंखला है। भारत ने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में हराया था लेकिन आस्ट्रेलिया में 3.0 से पराजय का सामना करना पड़ा।

हरमनप्रीत का अपना बल्लेबाजी फॉर्म चिंता का सबब है और कप्तानी में कुछ नया नहीं कर पाने से भी टीम की मुश्किलें बढी है। चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा को जगह नहीं दी है हालांकि भारत में टी20 क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। आस्ट्रेलिया में पर्थ में बुधवार को आखिरी वनडे हारकर लौटी भारतीय टीम को पर्याप्त आराम नहीं मिला है और उसे रविवार को यहां डी वाई पाटिल

स्टेडियम पर पहला मैच खेलना है।

तीनों मैच एक एक दिन के अंतराल पर होंगे जिसमें टीम की फिटनेस और मनोबल की कड़ी परीक्षा होगी। भारतीय टीम पूजा वस्त्राकर, श्रेयांका पाटिल, यास्तिका भाटिया, प्रिया पूनिया और शेफाली के बिना खेल रही है। शेफाली ने इस प्रारूप में 2024 में सर्वाधिक 531 रन बनाये हैं।

आस्ट्रेलिया दौरे पर उनका चयन इसलिये नहीं किया गया क्योंकि वनडे में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है लेकिन टी20 टीम में नहीं चुना जाना समझ से परे है। इससे रिचा घोष पर दबाव बढेगा जो निचले क्रम पर तेजी से रन बनाती है। पूनिया के भी चोट के कारण बाहर होने से घोष को पारी का आगाज करना होगा।

इसी तरह तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को भी नहीं चुना गया जिन्होंने तीन दिन पहले आस्ट्रेलिया में वनडे में चार विकेट लिये थे। टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। दूसर ओर वेस्टइंडीज ने इस साल 13 में से नौ टी20 मैच जीते हैं। उसने इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में हराया। उसे सीनियर हरफनमौला स्टेफानी टेलर की कमी खलेगी जो चोट के कारण बाहर हैं।

बुमराह जब परेशान हो उठे

ब्रिस्बेन । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन परेशान नजर आये। बारिश के कारया आज हालांकि काफी कम ओवर हुए। 4.5 ओवर के बाद ही बुमराह गाबा की पिच से परेशान हो गये। इस दौरान वह कहने लगे कि गेंद स्विंग नहीं ले रही और ये बात स्टंप माइक में भी कैद हो गयी। बुमराह जब टीम इंडिया के लिए पांचवा ओवर कर रहे थे तो उन्होंने गेंद को स्विंग कराने के लिए अपना पूरा जोर लगाया। ओवरकास्ट कंडीशन होने के कारण नई गेंद से उम्मीद की जा रही थी कि वह लहराएगी पर ऐसा कुछ नहीं हो रहा था जिससे बुमराह झुंझला गये और कहने लगे कि कि कही से भी गें कर रहा हूं ये स्विंग नहीं हो रही है। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है ।यहां टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश से प्रभावित रहा। खेल के पहले दिन सिर्फ 13.2 ओवर का खेल हो पाया। खेल के पहले ही घंटे में तेज बारिश शुरू हो गई।

बाबर टी20 में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

सेंचुरियन । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 31 रनों की पारी के साथ ही एक अहम अपने नाम कर ली है। बाबर अब टी20 प्रारुप में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपनी पारी के दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के आतिशी बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर ने यह रिकॉर्ड 298 पारियों में बनाया जबकि गेल को टी20 में 11000 रन बनाने के लिए 314 पारियां खेलनी पड़ी थीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने इस आंकड़े तक पहुंचने 330 पारियां जबकि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विरराट कोहली ने 337 पारियां खेली थीं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 20 गेंदों में 31 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 चौके और एक छक्का शामिल था। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड भारत के रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने टी20 इंटरनेशनल में 4231 रन बनाए हैं। वहीं बाबर को रोहित का रिकार्ड तोड़ने 10 रन की जरूरत है। बाबर ने 128 मैचों में 4221 रन बनाए हैं। बाबर के नाम टी20 अंतराष्ट्रीय में 3 शतक और 36 अर्धशतक है। बाबर इंटरनेशनल क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाले पाकिस्तान के पांचवें बल्लेबाज हैं। इस सूची में इंजमाम उल हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद हैं।

रीजा हेंड्रिक्स के शतक से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में भी पाक को हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त मिली

सेंचुरियन (एजेंसी)। रीजा हेंड्रिक्स 117 और रासी वान डर डुसन के 68 रनों की शानदार पारियों की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में भी पाकिस्तान को हरा दिया। इससे साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पाक ने पहले बल्लबाजी करते हुए युवा सलामी बल्लेबाज सैयम अयूब के 98 रनों और बाबर आजम के 31 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 206 रन बनाए। इस मैच में पाक कप्तान मोहम्मद रिजवान 13 गेंदों पर 11 रन ही बना पाये। अयूब ने 57 गेंदों पर 11 चौकों और 5 छक्कों की मदद से नाबाद 98 रन बनाए जबकि इरफान खान ने 16 गेंदों पर तेजी से 30 रन बनाये। बाबर ने भी 20 गेंदों पर 31 रन बनाये। मेजबान टीम की ओर से डी गलिऐम और ओर्टनिकल बार्टमैन ने दो दो विकेट लिए जबकि एक विकेट जॉर्ज लिंडे को मिला।

जीत के लिए मिले 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत शुरुआत अच्छी नहीं रही। दक्षिण अफ्रीका ने 28 के स्कोर पर ही दो विकेट खो दिये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज रीजा ने तेजी से रन बनाये। रीजा ने शुरुआती झटको को पीछे छोड़ते हुए डुसन के साथ पारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने स्कोर 185 रनों तक पहुंचाया। रीजा ने 63 गेंदों पर 117 रन बनाये इसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे। वहीं डुसन 38 गेंदों पर नाबाद 66 रन बनाये कप्तान हेनरिक क्लासेन भी 8 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 19 ओवर और 3 गेंदों में ही 3 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में पाक की ओर से जुनैद खान ने 2 विकेट जबके अब्बास अफरीदी ने एक विकेट लिया। शाहीन अफरीदी को एक भी विकेट नहीं मिला।

अपने अंतिम टेस्ट में साउदी ने की गेल के एक रिकार्ड की बराबरी

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने अपने करियर के अंतिम टेस्ट मैच में अपनी पारी के दौरान ही वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल के 98 छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टेस्ट क्रिकेट में साउदी के भी नाम अब 98 छक्के हो गये हैं। साउदी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में जब बल्लेबाजी के लिए आये तो उन्हें अपने विदाई टेस्ट के लिए इंग्लैंड के खिलाड़ियों से गार्ड ऑफ ऑनर मिला। साउदी अपनी पारी की पहली गेंद पर बेन स्टोक्स की गेंद पर विफल रहे। वहीं स्टोक्स के अगले ओवर में ही साउदी ने मिड-विकेट और डीप स्क्वायर-लेग पर दो बड़े छक्के लगाये। अपनी धमाकेदार फॉर्म को जारी रखते हुए, साउदी ने गस एटकिंसन के अगले ओवर की पहली गेंद पर ही एक छक्का लगा दिया। साउदी 10 गेंदों में 23 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 230 रहा, जो न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा 10 गेंदों में तीसरी सबसे तेज टेस्ट पारी थी। सूची में दूसरा स्थान भी साउदी का ही है। उन्होंने साल 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 10 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाये थे। अपनी पारी के दौरान, साउदी दूसरे छक्के के साथ ही दक्षि अफ्रीका के जैक्स कैलिस के 97 की बराबरी पर आ गये। वहीं तीसरे छक्के के साथ ही वह क्रिस गेल के साथ चौथे स्थान पर आ गये।

इमाद के बाद आमिर ने भी संन्यास लिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में ऑलराउंडर इमाद वसीम के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूसरी बार संन्यास लिया है। इस प्रकार 24 घंटे के अंदर दो खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुरोध पर टी20 विश्व कप के लिए संन्यास से वापसी की थी पर उसमें ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। दोनों खिलाड़ियों ने उसी से निराश होकर खेल को अलविदा कहना ही बेहतर समझा। आमिर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पत्र लिखकर अपने संन्यास की घोषणा की है। आमिर ने लिखा कि उनके लिए पाकिस्तान की ओर से तीनों प्रारुपों में खेलना गर्व की बात है। आमिर ने लिखा कि संन्यास का ये फैसला मेरे लिए कठिन था पर उन्हें लगा कि संन्यास लेने का यही सही समय है। आमिर ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का अब समय आ गया है। आमिर ने साल 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते हुए 36 टेस्ट, 61 एकदिवसीय और 62 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 271 विकेट लिए है जबकि बल्लेबाज में 1179 रन बनाए हैं। जिसमें टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के रन शामिल है। आमिर के लिए टी20 विश्व कप 2024 अंतिम टूर्नामेंट रहा। आमिर से एक दिन पहले इमाद वसीम ने भी संन्यास की घोषणा की थी। इमाद के लिए टी20 विश्व कप

अंतिम टूर्नामेंट रहा। इमाद वसीम ने मई 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया के बाद से ही 55 एकदिवसीय और 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 117 विकेट लेने के साथ ही 1540 रन बनाये हैं।

संजीव गोयनका ने केएल राहुल को नहीं किया रिटेन, अब बताया राहुल वाकई में टैलेंटेड

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने केएल राहुल को रिटेन नहीं किया था। संजीव ने न ही उन्हें ऑक्शन में टीम में शामिल करने की कोशिश की थी। पिछली बार राहुल की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खराब था, इसकारण संजीव ने उन्हें फटकार भी लगा दी थी। हालांकि, ऑक्शन के कुछ दिन बाद संजीव ने कहा है कि राहुल टैलेंटेड हैं। लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कहा, राहुल हमेशा से मेरी फैमिली की तरह रहे हैं और हमेशा रहने वाले है। उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स की सिर्फ कप्तानी ही नहीं की है बल्कि उन्होंने परफॉर्म भी अच्छा किया है। मैं उनके लिए अच्छे फॉर्म के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक अच्छा इंसान है और अच्छी चीजें अच्छे इंसान के साथ होती है। उन्होंने कहा कि राहुल सच में टैलेंटेड है। मुझे उम्मीद है कि उनका टैलेंट टीम इंडिया के लिए जरूर काम आएगा। बता दें कि आईपीएल 2025 के लिए केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने टीम में शामिल किया है। ऋषभ पंत के बाहर होने के कारण वह टीम की कमान भी संभाल सकते हैं। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम- अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अविषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, टी नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा का नाम शामिल है।

मलाल तो है, लेकिन कोशिश करूंगा, टीम इंडिया में वापसी करूंगा: रजत पाटीदार

बेंगलुरू (एजेंसी) । रजत पाटीदार का अंतरराष्ट्रीय करियर उस तरह आगे नहीं बढ़ पाया जैसा वह चाहते थे लेकिन मध्य प्रदेश के बल्लेबाज को घरेलू मैचों के जरिए फिर से मौका हासिल कर भारतीय टीम की जर्सी पहनने का भरोसा है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पाटीदार 6 पारियों में केवल 63 रन बना सके थे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि रणजी ट्रॉफी के शुरुआती चरण और मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल की पूर्व संध्या पर शनिवार को यहां कहा कि मुझे टेस्ट टीम में जगह बनाकर अच्छा लगा था। मुझे हालांकि कभी-कभी बुरा लगता है कि मैं मौके को भुना नहीं पाया। कभी-कभी चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं और यह ठीक है। पाटीदार ने अपनी 'असफलता% स्वीकार कर ली है और उस निराशा को पीछे छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि चीजों को स्वीकार करना सफलता की ओर बढ़ने का पहला कदम है। आपको यह स्वीकार करना होगा कि क्रिकेट यात्रा में असफलता मिलेगी। इसलिए, मेरे लिए इसका सामना करना और इससे सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और मैं आगे बढ़ रहा हूं। यह खेल का अहम हिस्सा है। मैं मौके को दोबारा बना सकता हूं।

इस 31 साल के खिलाड़ी ने घरेलू टूर्नामेंटों में लगातार रन बनाकर एक पहला कदम उठा लिया है। मध्यप्रदेश के कप्तान ने पांच रणजी ट्रॉफी मैचों में 53.37 की औसत से एक शतक और एक अर्धशतक के साथ 427 रन बनाए हैं। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में अजिंक्य रहाणे (432) और बिहार के साकिबुल गनी (353) के बाद तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने नौ मैचों में 182.63 के स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतक के साथ 347 रन बनाए हैं।

दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें वापसी के लिए अपने कौशल पर भरोसा है। पाटीदार ने कहा कि मैं बल्लेबाजी में अपने मजबूत पक्ष पर भरोसा कर उसी मुताबिक खेलने पर ध्यान दे रहा हूं। मैं बस उसी परिपाटी का पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं जो मैंने आईपीएल में किया था। उन्होंने कहा कि मेरा मंत्र एक समय में एक गेंद खेलना है। मैं अपनी टीम के लिए प्रतिद्वंद्वी पर अपना प्रभाव डालने की कोशिश करता हूं। मैं बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश नहीं करता। मैंने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया। आगामी आईपीएल में पाटीदार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दमिश्क में विद्रोहियों का सीरियाई केंद्रीय बैंक पर धावा, लूट लिया राष्ट्रपति बशर का सारा खजाना

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क में विद्रोहियों और स्थानीय नागरिकों ने सीरियाई केंद्रीय बैंक पर धावा बोल दिया और कथित तौर पर वहां से लाखों डॉलर लूट लिए। यह घटना उस समय हुई जब विद्रोहियों ने शहर पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति बशर अल-असद का शासन गिरा दिया। दमिश्क में स्थित सीरियाई केंद्रीय बैंक पर विद्रोहियों ने हमला किया और बैंक के उन तिजोरियों को निशाना बनाया, जिनका संबंध कथित तौर पर असद परिवार और उसके सहयोगियों से था। बैंक के खजाने से बड़ी मात्रा में नकदी और बहुमूल्य दस्तावेज ले जाए गए। विद्रोहियों ने केंद्रीय बैंक को आर्थिक नियंत्रण और जनता के विश्वास के प्रतीक के रूप में देखा और इस पर कब्जा जमाकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। घटना में शामिल विद्रोही समूहों का कहना है कि यह पैसा जनता का है और इसे असद शासन द्वारा अवैध रूप से जमा किया गया था। कुछ स्थानीय नागरिक भी इस घटना में शामिल हुए, जो लूटपाट के दौरान बैंक परिसर में घुस गए। सीरियाई सेना और सरकारी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई तुरंत प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि असद सरकार के गिरने के बाद दमिश्क में सरकारी तंत्र पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

न्यूयॉर्क में यहूदी समुदाय पर हमले का साजिशकर्ता पाकिस्तानी व्यक्ति कनाडा में गिरफ्तार

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी में यहूदी समुदाय पर हमले की कथित साजिश के आरोप में क्यूबेक, कनाडा में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति, मोहम्मद शाहजेब खान, को मॉन्ट्रियल से सैकड़ों किलोमीटर दूर एक नजरबंदी केंद्र में रखा गया है। खान ने अदालत में अपील की है कि उसे मॉन्ट्रियल वापस भेजा जाए क्योंकि फ्रेंच बोलने वाले गार्ड उसे समझ नहीं पाते। मॉन्ट्रियल स्थित उसके वकील, गायटन बोरासा ने भी यही दलील दी कि खान को मॉन्ट्रियल लाया जाए ताकि वह अपने मुवक्किल से आसानी से संवाद कर सकें। इसके बाद क्यूबेक सुपीरियर कोर्ट के जज ने यह सिफारिश स्वीकार की और खान की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को तय की गई। खान को 4 सितंबर को क्यूबेक के आर्मसटाउन इलाके से गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों का आरोप है कि वह 7 अक्टूबर के आसपास न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित एक यहूदी केंद्र में सामूहिक गोलीबारी करने की योजना बना रहा था। यह हमला कथित तौर पर इस्लामिक स्टेट के समर्थन में और इजराइल पर हमास के हमले की पहली वर्षगांठ पर किया जाना था। खान, जो जून 2023 में स्टूडेंट वीज़ा पर कनाडा आया था, पर आरोप है कि वह इस आतंकवादी साजिश में ऑटोमेटिक और सेमी-ऑटोमेटिक हथियारों का उपयोग करने का इरादा रखता था। इस साजिश के सामने आने के बाद कनाडा में सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार की योजनाएं वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

डब्ल्यूएचओ अलर्ट : दुनिया एक और महामारी के कगार पर ! अफ्रीकी देश में 79 मौतें

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। कोरोना महामारी से उभरी दुनिया के लिए अफ्रीका से चिंताजनक खबर सामने आई है। कांगो में एक अज्ञात संक्रमण से अब तक 79 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी टीमों को प्रभावित क्षेत्र में भेज दिया है। कांगो और डब्ल्यूएचओ की संयुक्त टीमें इस रहस्यमय संक्रमण के कारणों और प्रकृति को समझने में जुटी हुई हैं। यह संक्रमण अक्टूबर में कांगो के पांजी क्षेत्र में पहली बार सामने आया। अब तक 376 लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें 5 साल से कम उम्र के 200 बच्चे शामिल हैं। संक्रमण के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में कठिनाई और गंभीर एनीमिया शामिल हैं। अफ्रीका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के निदेशक जीन कासिया ने बताया कि बीमारी की पहचान और जांच में करीब पांच से छह सप्ताह की देरी हुई। हालांकि अब परीक्षण तेज कर दिए गए हैं, और जल्द ही संक्रमण की प्रकृति और फैलाव के तरीकों का पता लगने की उम्मीद है। नेशनल पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट के महानिदेशक डायडोने मुंबा ने संदेह जताया है कि यह बीमारी हवा के जरिए फैल रही हो सकती है। फिलहाल मरीजों के नमूनों की गहन जांच की जा रही है। महामारी के प्रकोप को देखते हुए वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत में भी अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप देखने को मिला था, जिसे डब्ल्यूएचओ ने बाद में नियंत्रित कर लिया। लेकिन नए संक्रमण ने फिर से दुनिया को सतर्क कर दिया है। अफ्रीका में इस नए संक्रमण के मद्देनजर हांगकांग ने जोहान्सबर्ग और अदीस अबाबा से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग को बढ़ा दिया है। जापान के विदेश मंत्रालय ने भी अपने नागरिकों को इन क्षेत्रों की यात्रा न करने की सलाह दी है। कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबर रही दुनिया के लिए यह संक्रमण एक और चुनौती बन सकता है। संक्रमण को नियंत्रित करने और इसके कारणों का पता लगाने के लिए डब्ल्यूएचओ और वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों की त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

हमारी विजय पूरे इस्लामिक देश की विजय

अब सीरिया का शुद्धिकरण शुरू हो गया : मोहम्मद अल-जोलानी

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के 24 साल लंबे शासन को महज दो हफ्तों के अंदर खत्म करने वाले विद्रोही संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के प्रमुख मोहम्मद अल-जोलानी ने अपना पहला भाषण दिया है। सीरिया के प्रमुख शहरों पर कब्जे को ऐतिहासिक जीत बताते हुए जोलानी ने कहा कि हमारी विजय पूरे इस्लामिक देश की विजय है। उसने दावा किया कि अब सीरिया का शुद्धिकरण शुरू हो गया है। गौरतलब है कि बशर अल-असद रविवार को ही सीरिया से भाग निकले। कुछ घंटों बाद उनके रूस में शरण लेने की खबरें सामने आई थीं। इस बीच सीरिया में एचटीएस ने दमिश्क को पूरी तरह कब्जे में ले लिया और इसके बाद देश के बड़े हिस्से में लोगों और विद्रोहियों को जश्न मनाते देखा गया।

अबु मोहम्मद अल-जोलानी ने रविवार को दमिश्क पर कब्जा करने के बाद एक वीडियो संदेश में कहा, मेरे भाइयों यह जीत पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। उमाय्यद मस्जिद से टेलीग्राम के जरिए दिए अपने भाषण में जोलानी ने कहा, आज सीरिया का शुद्धिकरण हो रहा है। यह विजय जेल में बंद लोगों के दर्द से पैदा हुई और मुजाहिद्दीनों ने उनकी जंजीरों को तोड़ दिया है। जोलानी ने असद का समर्थन करने वाले ईरान और लेबनान के हिजबुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा, असद के नेतृत्व में सीरिया ईरानी महत्वाकांक्षाओं का गढ़ बन गया था, जहां सांप्रदायिकता अपने चरम पर थी।

क्या है हयात तहरीर अल-शाम? : सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद की सरकार के खिलाफ लड़ रहा विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम आंतकी संगठन अल कायदा की शाखा रहा है। अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नेतृत्व वाला एचटीएस लंबे समय से इदलिब में प्रमुख ताकत रहा है। तहरीर अल-शाम को पहले जबात नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था। दरअसल, एचटीएस को अल-कायदा ने बनाया था ताकि यह सीरिया के गृहयुद्ध खत्म होने के बाद यहां की स्थिति का फायदा उठा सके। यह जल्द ही अपने मकसद में कामयाब भी हो गया और इसने विद्रोही हमलों के साथ-साथ सेना और अन्य दुश्मनों के खिलाफ आत्मघाती बम विस्फोट किए। हालांकि, यह समूह धीरे-धीरे सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट का कट्टर दुश्मन बन गया और अंततः 2016 में अल-कायदा से भी अलग हो गया। अमेरिका, रूस, तुर्किये और अन्य देशों ने तहरीर अल-शाम को आतंकवादी समूह घोषित किया है।

जोलानी का असली नाम अहमद अल-शरा है। उसका अतीत विवादास्पद रहा है। अबु जोलानी का जन्म 1982 को हुआ था और उसका लालन-पालन सीरिया की राजधानी दमिश्क के माजेह इलाके में हुआ। जोलानी के परिवार का ताल्लुक गोलान हाइट्स इलाके से है और उसका दावा है कि उसके दादा को साल 1967 में गोलान हाइट्स इलाके से भागना पड़ा था, जब गोलान हाइट्स पर इस्राइल का कब्जा हो गया था।

2001 के हमलों के बाद जिहाद की ओर अग्रसर हुआ जोलानी : जोलानी ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद जिहाद का रास्ता पकड़ा। मिडिल ईस्ट आई के अनुसार, वह हमलावरों से प्रेरित था और इसके बाद वह दमिश्क में गुप्त धर्मोपदेशों में भाग लेने लगा। बाद में वह इराक में अल-कायदा में शामिल हो गया और 2011 में सीरिया लौटने से पहले उसे पांच साल तक हिरासत में रखा गया, जहां उसने अल-कायदा की सीरियाई शाखा अल-नुसरा फ्रंट की स्थापना की। बाद में जोलानी ने 2016 में अल-कायदा से नाता तोड़ लिया और हयात तहरीर अल शाम की स्थापना कर असद सरकार के खिलाफ जंग का नेतृत्व करने लगा। दावा है कि जोलानी जो कभी अमेरिकी जेल में बंद रहा था उस पर यूएस ने 10 मिलियन का इनाम घोषित कर रखा है।

हाल में और ज्यादा सुर्खियों में आया : कभी गुप्त रूप से काम करने के लिए जाने जाने वाले जोलानी अब ज्यादा सार्वजनिक भूमिका निभा रहा है। हालिया आक्रमणों के दौरान, वह कई जगह देखा गया है। हाल में जब विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा किया था तो वहां जोलानी को भी देखा गया था। जोलानी खुद को आधुनिक और उदारवादी दिखाता है।

उसने जिहादियों से जुड़ी पारंपरिक पगड़ी पहनना बंद कर दिया है और अब सैन्य वर्दी और खाकी शर्ट पहनना शुरू कर दिया है, जिससे वे खुद को अधिक व्यावहारिक और अनुकूलनीय के रूप में पेश कर रहे हैं। पिछले बुधवार को अलेप्पो में जोलानी को भीड़ को हाथ हिलाते हुए देखा गया, जो उनके पहले के एकांतप्रिय व्यक्तित्व के बिल्कुल विपरीत था। उन्होंने अपने असली नाम से बयानों पर हस्ताक्षर करना भी शुरू कर दिया है।

सूडान की राजधानी में ईंधन स्टेशन पर बमबारी में 28 की मौत, 37 घायल

खार्तूम, एजेंसी। सूडान की राजधानी खार्तूम के दक्षिण में एक ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह जानकारी एक स्वयंसेवी समूह और स्थानीय मीडिया ने दी। रविवार को एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह साउथ खार्तूम इमरजेंसी रूम ने बताया कि मायो इलाके के पास नए मार्केट 6 में स्थित अमोनिया ईंधन स्टेशन पर बम गिराया गया। यह बशीर हॉस्पिटल के उत्तर में स्थित है और इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, घायलों में 29 झुलसने के मामले शामिल हैं, जिनमें से 3 गंभीर रूप से झुलसे हैं। इसके अलावा, 8 लोग घायल हुए हैं।

घटना के बाद चिकित्सा सेवाएं प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हुई हैं। स्वयंसेवी समूह ने घायलों के इलाज के लिए अतिरिक्त चिकित्सा सहायता की अपील की है। स्थानीय समाचार पोर्टल अल-रकूबा ने भी अमोनिया ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में 28 लोगों के मारे जाने और 37 के घायल होने की पुष्टि की है। अब तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मध्य अप्रैल 2023 से सूडान में सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेस के बीच चल रहे संघर्ष ने देश को विनाशकारी स्थिति में पहुंचा दिया है। इस हिंसा में अब तक 27,120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। यह आंकड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने दिए हैं। गौरतलब है कि सूडान में उथल-पुथल की स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने शुक्रवार को दक्षिण सूडान में बच्चों की मदद करने के लिए 2025 में 278.2 मिलियन डॉलर की तत्काल अपील जारी की। यूनिसेफ ने दक्षिण सूडान में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डाला। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा था, लगभग 9 मिलियन लोग, जिनमें 4.9 मिलियन बच्चे, 2.2 मिलियन महिलाएं और 1.4 मिलियन विकलांग लोग, मानवीय सहायता की आवश्यकता होगी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी सरदार रिंद ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार को डुकी जिले में एक कोयला खदान के पास एक जांच चौकी पर हमला किया, जिसमें फ्रंटियर कोर के दो सैनिक मारे गए और तीन अन्य जवान घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने घंटों तक चले हमले के दौरान रॉकेट, ग्रेनेड और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कई हमलावर मारे गए और घायल भी हुए। हालांकि आतंकियों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हो पाई है। ग्वादर के जिवानी कस्बे में एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने पाकिस्तान तटरक्षक बल के गश्ती दल को दरान इलाके में एक लाइटहाउस के पास एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया।पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। इस बीच कलात कस्बे में उस समय तनाव फैल गया, जब अज्ञात लोगों ने ऐतिहासिक मिरी किले के पास एक स्मारक में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि आगजनी में बलूच संस्कृति का प्रतीक स्मारक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

कनाडा में भारतीय स्टूडेंट की हत्या : हमलावर ने सीढ़ियों पर पीछे से गोली मारी, सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में 20 साल के एक भारतीय छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। छात्र हर्षनदीप सिंह पंजाब के रहने वाले थे। वह कनाडा के एडमोंटन शहर में बतौर सिक्योरिटी गार्ड काम करते थे। हर्षनदीप की हत्या सीसीटीवी में कैद हो गई थी, इसका वीडियो वायरल हो रहा है। घटना बीते 6 दिसंबर को एडमोंटन की है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हर्षनदीप सिंह को एक अपार्टमेंट की सीढ़ियों के रास्ते भागने की कोशिश करते समय पीछे से गोली मारी गई। जिस शख्स ने हर्षनदीप पर गोली चलाई, उसके अलावा एक लड़का और एक महिला भी मौके पर मौजूद थी। जब हर्षनदीप ने भागने की कोशिश की तो महिला ने पीछे से पकड़कर उसे रोकना चाहा। इसके ठीक बाद हमलावर ने हर्षनदीप पर गोली चला दी।

हर्षनदीप पंजाब में कहां के रहने वाले हैं और वह किस कोर्स की पढ़ाई करने कनाडा गए थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हर्षनदीप कनाडा में पढ़ाई के अलावा अपना खर्च चलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी करते थे। हर्षनदीप की हत्या के मामले में इवान रेन और ज्यूडिथ सॉल्टो नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की उम्र 30 साल बताई जा रही है।कनाडा में हत्याओं की तीन कैटेगरी हर्षनदीप की हत्या करने वाले आरोपियों पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का आरोप लगा है। कनाडा जैसे कई देशों में हत्याओं को कई कैटेगरी में रखा जाता है। सुनियोजित हत्या या एक से ज्यादा लोगों की हत्या के मामलों को फर्स्ट डिग्री मर्डर की कैटेगरी में रखा जाता है। इसमें आरोप साबित होने पर मृत्युदंड या बिना पेरोल के आजीवन कारावास की सजा मिलती है।

इसी तरह लूट और डकैती के दौरान की जाने वाली हत्याओं को सेकेंड-डिग्री मर्डर माना जाता है। इसमें आजीवन कारावास की सजा मिलती है। इसी तरह असावधानी या लापरवाही से होने वाली हत्याओं को थर्ड डिग्री मर्डर की कैटेगरी में रखा जाता है। कनाडा में रह रहे भारतीयों की हत्या कोई नई बात नहीं है। हाल ही में कनाडा में पंजाब के भारतीय छात्र गुरसिस सिंह की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कनाडा के सार्निया शहर के 36 साल के क्रॉस्ले हंटर को सेकेंड डिग्री मर्डर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हर्षनदीप की हत्या के पीछे क्या वजह थी, अभी यह साफ नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

भारतीय राजदूत ने बताया था, हर हफ्ते दो भारतीयों की लाश भेजते थे खालिस्तानी कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से कनाडा और भारत के रिश्ते बिगड़ गए हैं। बीते सप्ताह 17 और 18 अक्टूबर को दोनों देशों ने अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में तैनात भारतीय राजदूत संजय वर्मा जब वापस आए तो उन्होंने मीडिया इंटरव्यू में कनाडा में रह रहे भारतीय स्टूडेंट्स की स्थितियों के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि पेरेंट्स को अपने बच्चों को कनाडा भेजने से पहले दो बार सोचना चाहिए। बड़ी तादाद में भारतीय छात्र कनाडा के नागरिकों से 4 गुना ज्यादा फीस दे रहे हैं, लेकिन उन्हें उनकी उम्मीद के मुताबिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

ट्रम्प अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकालने पर कायम, नाटो छोड़ने का भी विचार

कहा- पैदा होते ही यूएस नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म करूंगा

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद के अपने एजेंडे का खुलासा किया। ट्रम्प ने एक बार फिर अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को देश से बाहर करने का प्लान दोहराया। साथ ही उन्होंने ड्रीमर्स अप्रवासी की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की बात की। बता दें कि ड्रीमर्स अप्रवासी वे अप्रवासी हैं, जो बचपन में अमेरिका आ गए थे और उनके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है।

एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि वो अपने ऑफिस के पहले दिन ही पैदा होते ही अमेरिकी नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म कर देंगे। अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के मुताबिक जो भी बच्चा अमेरिका में पैदा होता है, उसे पैदा होते ही

अमेरिका की नागरिकता मिल जाती है। भले ही उसके माता-पिता के पास किसी भी देश की नागरिकता हो। हालांकि ट्रम्प के इस फैसले को कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है।

नाटो से बाहर निकलने पर विचार करेंगे

इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने नाटो को लेकर कहा कि वो राष्ट्रपति बनने के बाद इससे बाहर निकलने के लिए गंभीरता से विचार करेंगे। साथ ही उन्होंने वादा किया कि वो अबॉर्शन पिल्स पर बैन नहीं लगाएंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उनका फेडरल रिजर्व (सेंट्रल बैंक) के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को पद छोड़ने के लिए कहने का कोई प्लान नहीं है।

कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों को माफ करेंगे

ट्रम्प ने वादा किया कि वो राष्ट्रपति बनते ही कैपिटल हिल मामले के दोषियों को माफ करने के लिए कदम उठाएंगे। 2020 में ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद 6 जनवरी 2021 को उनके कुछ समर्थकों ने कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) में घुसकर लूटपाट की थी। कानूनी पचड़ों में फंस सकते हैं ट्रम्प के फैसले एक्सपर्ट्स का कहना है कि ट्रम्प की कई योजनाओं को कोर्ट में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नाटो से उनका अलग होने का प्लान अमेरिकी खेमे के देशों में बेचैनी पैदा कर सकता है।

राजनाथ सिंह मॉस्को पहुंचे, पुतिन से वार्ता और आईएनएस तुशील को नौसेना में करेंगे शामिल

मॉस्को, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आधिकारिक यात्रा पर मॉस्को पहुंचे. अपनी यात्रा के दौरान वह भारतीय नौसेना में एक स्टील्थ युद्धपोत को शामिल किए जाने के साक्षी बनेंगे और सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 21वीं बैठक में भाग लेंगे.

रविवार देर रात रूस में भारतीय राजदूत वेंकटेश कुमार और रूसी रक्षा उप मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया. अपनी यात्रा के दौरान सिंह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मारे गए सोवियत सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मॉस्को में अज्ञात सैनिक की समाधि पर भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे. अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अहम बातची भी करेंगे. इसी के साथ रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी एमएंडएमटीसी) की सह-अध्यक्षता करेंगे.

रूस में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मास्को में राजदूत और रूसी उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने स्वागत किया. राजनाथ सिंह रूस में भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे. यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे और अपने रूसी समकक्ष रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ आईआरआईजीसी एमएंडएमटीसी बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे. वह आईएनएस तुशील के जलावतरण समारोह में भी हिस्सा लेंगे.

रूस में भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा कि इस यात्रा का उद्देश्य विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप भारत-रूस रक्षा सहयोग को और गहरा करना है. इससे पहले शनिवार को सिंह ने एक्स पर रूस की अपनी यात्रा के बारे में एक पोस्ट साझा की. उन्होंने लिखा कि वह आठ दिसंबर को भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 21वीं बैठक में भाग लेने के लिए रूस जाएंगे.

प्रधानमंत्री को शक्तियां सौंपने के राष्ट्रपति के फैसले पर बिफरा विपक्ष, कहा- यह दूसरा तख्तापलट

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लगातार सियासी उथल-पुथल जारी है। यहां के हालात तब ज्यादा बदतर हो गए, जब तीन दिसंबर की रात राष्ट्रपति यून सुक-योल ने इमरजेंसी यानी मार्शल लॉ लगाने का एलान किया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद कुछ ही घंटों बाद इसे समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, इसके वाबजूद भी हालात सही नहीं हैं। अब यहां के विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी पर सत्ता पर काबिज होने तथा मार्शल लॉ के एलान के लिए राष्ट्रपति यून सूक योल पर महाभियोग चलाने से इनकार करके दूसरा तख्तापलट करने का आरोप लगाया।

छह घंटे चले मार्शल लॉ ने बिगाड़े हालात

राष्ट्रपति यून सुक योल ने हाल ही में मार्शल लॉ (सैन्य शासन) घोषित कर दिया था, यह आरोप लगाते हुए कि विपक्ष देश की लोकतंत्र और स्थिरता के लिए खतरा बन रहा है। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद, राष्ट्रपति ने इस फैसले को वापस ले लिया। यह कदम जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद लिया गया था। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला। हालांकि चंद घटों के लिए लागू हुए मार्शल लॉ ने देश की राजनीतिक को हिला कर रख दिया।

राष्ट्रपति योल के इस फैसले के खिलाफ विपक्ष समेत देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया। वहीं, विपक्षियों ने कथित विद्रोह को लेकर यून और पूर्व रक्षा मंत्री सहित कम से कम नौ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री को सत्ता सौंपने पर सहमति !

राष्ट्रपति और कुछ शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह के लिए जांच की जा रही है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी के बहिष्कार के बाद शनिवार को योल के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रयास विफल हो गया। पार्टी का दावा है कि बेहद अलोकप्रिय नेता ने प्रधानमंत्री हान डक-सू और पार्टी प्रमुख को सत्ता सौंपने पर सहमति जता दी है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पार्क चान-डे ने कहा कि यह एक गैरकानूनी, असंवैधानिक कृत्य है, जो दूसरा विद्रोह और दूसरा तख्तापलट है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से इसे तुरंत रोकने का आग्रह किया। दक्षिण कोरिया के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति तब तक सरकार का मुखिया और सेना का कमांडर इन चीफ बना रहता है, जब तक कि वह अक्षम न हो जाए, इस्तीफा न दे दे या पद न छोड़ दे। ऐसे मामले में, चुनाव होने तक अंतरिम आधार पर सत्ता प्रधानमंत्री को सौंप दी जाती है।

पार्क ने कहा कि यह दावा करना कि राष्ट्रपति योल पद पर बने रह सकते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शक्तियां प्रधानमंत्री और अपनी सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता को सौंप दी हैं - जो निर्वाचित अधिकारी नहीं हैं। यह एक स्पष्ट संवैधानिक उल्लंघन है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने कहा, खुद को संविधान से ऊपर रखने का उनका रवैया विद्रोही यून सुक योल जैसा है।

जांचकर्ताओं ने पहले ही पूर्व रक्षा मंत्री को हिरासत में ले लिया है, उनके कार्यालयों पर छापे मारे हैं, कई शीर्ष अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं और सोमवार को जनरल को बुलाया है, जिन्हें आगे की पूछताछ के लिए मार्शल लॉ कमांडर बनाया गया था।पुलिस ने सोमवार को कहा कि यून को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें यात्रा करने से प्रतिबंधित किया जाए। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के राष्ट्रीय जांच मुख्यालय के प्रमुख वू जोंग-सू ने कहा, जांच के विषय पर कोई मानवीय या शारीरिक प्रतिबंध नहीं हैं। पुलिस बिना किसी अपवाद के कानून और सिद्धांतों के अनुसार जांच करेगी।

महुआ मोइत्रा का आरोप, बीते 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को खत्म किया गया

नई दिल्ली । टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर संविधान में हजारों कटौती करके खून बहाने का आरोप लगाकर कहा कि यह साफ है कि राजनीतिक कार्यपालिका ने बीते 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को खत्म किया है। लोकसभा में बहस के दौरान टीएमसी सांसद मोइत्रा ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधकर कहा कि विपक्ष को परेशानी इससे है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य समझौता करने की पूरी कोशिश करते नजर आते हैं। निवर्तमान सीजेआई ने स्पष्ट रूप से बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान जमानत का अधिकार कैसे दिया गया है। अर्णब के लिए ए से लेकर जुबैर के लिए जेड तक, उनके अक्षर संक्षिप्त प्रतीत होते हैं क्योंकि इसमें गुलफिशा फातिमा के लिए जी शामिल नहीं था, हनी बाबू के लिए एच शामिल नहीं था, खालिद सैफी के लिए के शामिल नहीं था, शरजील इमाम के लिए एस शामिल नहीं था। उन्होंने कहा कि विपक्ष में हमें अपना काम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की जरूरत नहीं है। हम इसे (ऐसा करने के लिए) नहीं कह रहे हैं, लेकिन हमें परेशानी यह है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य हमारी संवैधानिक अदालतों की स्वतंत्रता और अखंडता से समझौता करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

जंगली मुर्गा खाकर विवादों में फिर घिरे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के दूर-दराज के इलाके टिक्कर में लोगों के साथ रात्रि भोज किया, जिससे वे फिर विवादों में घिर गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि भोजन में संरक्षित पक्षी प्रजाति जंगलफाउल परोसा गया। बीजेपी नेता ठाकुर ने रात्रिभोज का एक कथित वीडियो साझा कर सरकार पर सरकारी खजाने की कीमत पर पिकनिक आयोजित करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने लिखा कि जो लोग जंगली मुर्गियों की संरक्षित प्रजातियों का सेवन करते हैं, उन्हें जुर्माना और जेल की सजा होती है। हालाँकि, सीएम सूक्खू चिकन परोसने के लिए मैनू छपवाते हैं और फिर अपने मंत्रियों को अपने सामने इसका स्वाद लेकर देखकर आनंद लेते हैं। कथित वीडियो में हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.(कर्नल) धनी राम शांडिल सुक्खू के बगल में बैठे दिख रहे हैं। विवाद के बाद सीएम सुक्खू का बयान आया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण मुझे देशी चिकन दे रहे थे, मैं चिकन नहीं खाता और एक चैनल इस प्रसारित कर रहा था जैसे मैं चिकन खा रहा हूं। पहाड़ों में मांसाहारी भोजन जीवन का एक हिस्सा है। इस पर जयराम ठाकुर बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच, भाजपा नेताओं ने रात्रिभोज के कथित मेनू की एक प्रति साझा की, जिसमें बताया गया कि मेनू में आइटम नंबर 12 जंगली मुर्गा या जंगलफॉवल था। भाजपा प्रवक्ता करण नंदा और चेतन बरागटा ने सुक्खू से स्पष्टीकरण की मांग की।

नए साल में क्लब और होटलों में जरुरत से ज्यादा भीड़ तो निरस्त होगी अनुमति

-हथियार ले जाने पर भी बैन, पुलिस आयुक्त ने जारी की गाइड लाइन

आगरा। नए साल पर क्लब और होटलों में जरुरत से ज्यादा भीड़ मिली तो उसकी अनुमति निरस्त हो जाएगी। वहीं जिन क्लब और होटलों में कपल को जाने की अनुमति है, वहां अकेले युवक या युवती के जाने पर बैन रहेगा। क्लब और होटलों में हथियार ले जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। नए साल की तैयारी में जुटे क्लब और होटलों के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड ने यह गाइड लाइन जारी की है। ताजनगरी आगरा में नए साल की पूर्व संध्या पर सितारा होटलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में देश और विदेश से पर्यटक आते हैं। शहर के लोग भी जोश और उमंग से नए साल का स्वागत करते हैं, जिससे देर रात तक सड़कों पर आना जाता रहता है। इस दौरान कुछ युवा नशे में तेज रफ्तार वाहन दौड़ाते हैं, जिससे हादसों की आशंका रहती है। इसको देखते हुए पुलिस आयुक्त ने गाइड लाइन तैयारी की है।

झारखंड में मवेशी तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार, 46 मवेशी बरामद

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में पुलिस ने मवेशी तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 46 मवेशियों को बचाया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर भुरकुंडा जंगल के रास्ते मवेशियों को पश्चिम बंगाल ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी सूचना पर कार्रवाई करने के लिए सरायकेला के एसडीपीओ समीर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद गांव के पास कुंदुसल गोलचक्कर पर पुलिस टीम ने जांच अभियान चलाया। जांच अभियान के दौरान उन्होंने कुछ तस्करों को सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई से मवेशियों को पड़ोसी राज्य की ओर ले जाते हुए देखा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया, जबकि कुछ अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने मौके से 46 मवेशियों को जब्त किया। इस संबंध में झारखंड मवेशी वध निषेध अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान टोनी बोडरा (23), राउतु सामद (41), मोटू पूर्ती (20) और सोमई बोडरा (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है। पुलिस की सक्रियता से पशु तस्करों के मंसूबों पर भी पानी फिर गया।

एक देश एक चुनाव पर यूपी में राजनीति शुरु, अखिलेश ने ड्राफ्ट पढ़े बिना खामियां गिनाना शुरु कीं

कांग्रेस ने कहा भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। मायावती की पार्टी बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश-एक चुनाव का सिस्टम पंसद नहीं आ रहा है। अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात शुरु कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि एक देश-एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो सकती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा। मगर इस बीच सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पड़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिए जुट गए हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐसा असंभव लगाता है।

सपा सूत्रों के मुताबिक मामले में अखिलेश ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके। उधर, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक देश-एक चुनाव के द्वारा भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी। मोदी व यूपी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा का झूठ उजागर हो चुका है। बता दें कांग्रेस और सपा से इतर बसपा सुप्रीमों मायावती एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर चुकी हैं। बीते सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि इस पर उनकी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर बसपा अपने पुराने स्टैंड पर ही कायम रहेगी।

वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि पूर्व में कांग्रेस के समय में भी एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था को लागू करने के प्रयास हुए थे। आज भले ही विपक्ष इस व्यवस्था को संविधानी ढांचे के विरुद्ध बताए, लेकिन ऐसा है नहीं। विपक्ष यह कह रहा है कि अगर कोई सरकार दो साल बाद गिर जाती है, तब क्या होगा। केंद्र इसके लिए नियमों में संशोधन भी करेगी। इसके लागू होने से विकास कार्य को गति मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के ही प्रो. सौरभ मालवीय का भी कहना है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से देश का खर्च और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को भी कार्य

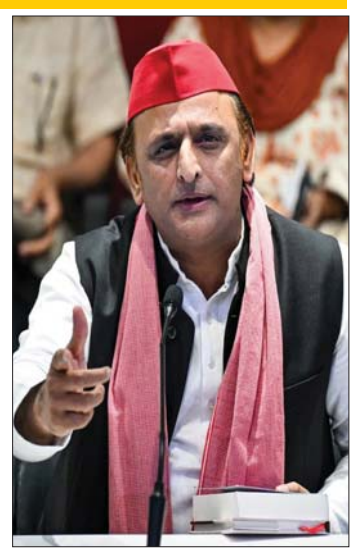

में सुविधा होगी।

महायुति गठबंधन पर संजय राउत का कटाक्ष, संघ मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर कटाक्ष कर कहा कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का जुलूस निकालना चाहिए और ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक के दौरान उन्हें नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर के निर्माण की घोषणा करनी चाहिए। संजय राऊत ने कहा कि मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री को जुलूस निकालने से पहले उन्हें ईवीएम का जुलूस निकालना चाहिए और पहली कैबिनेट में उन्हें संघ मुख्यालय के सामने ईवीएम का मंदिर बनाने का निर्णय लेना चाहिए। राऊत ने कैबिनेट जिम्मेदारियों पर निर्णय नहीं ले पाने को लेकर नवगठित सरकार पर निशाना साधा। राज्य में हो रही हत्याओं और बलात्कारों का आरोप लगाकर राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में अराजकता का माहौल है। संजय राउत ने कहा कि राज्य में नई सरकार बने एक महीना हो गया है लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि किसके पास कौन सा विभाग है। महाराष्ट्र के गांवों में हर दिन हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, इसका जवाब सीएम नहीं दे पा रहे हैं। ये सरकार ईवीएम से बनी है, इनके पास दिमाग नहीं है, इनके दिमाग में ईवीएम है।

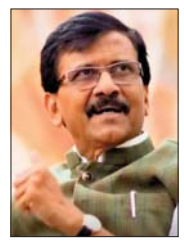

जेल से बाहर आते ही अल्लू अर्जुन बोले सॉरी- मैं कानून में यकीन रखता हूं

हैदराबाद (एजेंसी)। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को तेलंगाना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आज सुबह हैदराबाद सेंट्रल जेल से रिहाई मिल गई। जेल से बाहर निकलने के बाद अल्लू अर्जुन ने मीडिया संग बातचीत की। उन्होंने कहा- चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं। मैं कानून में यकीन रखता हूं। अदालत में यह केस चल रहा है तो मैं बीच में कमेंट नहीं करूंगा। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मैं पुलिस के साथ सहयोग करूंगा।

एक्टर के पिता अल्लू अरविंद और ससुर कंचरला चंद्रशेखर उन्हें रिसीव करने पहुंचे थे। अल्लू अर्जुन की रिहाई से उनके फैन्स बेहद खुश हैं। जेल से रिहा होने के बाद अल्लू अर्जुन परिवार के पास अपने घर पहुंच गए हैं। घर पहुंचने पर उन्होंने सभी फैन्स का उनके प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया। जिस महिला की जान गई है उनके परिवार के साथ मेरी संवेदना है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। मैं परिवार को हर संभव तरीके से सहायता देने के लिए मौजूद रहूंगा। सभी के प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं आज यहां आप लोगों के सपोर्ट की वजह से हूं। मैं अपने फैन्स का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। बता दें कि 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई थी। इसी मामले में एक्टर अल्लू अर्जुन को बीती रात (13 दिसंबर) को गिरफ्तार किया गया था। अल्लू अर्जुन को 14 दिन की रिमांड पर भेजे जाने के बाद उन्हें शुक्रवार को चंचलगुड्डा सेंट्रल जेल ले जाया गया था। बाद में तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत दे दी थी।

अडानी मुद्दे पर शरद पवार ने भी छोड़ा कांग्रेस का साथ, अकेले पड़े राहुल गांधी

टीएमसी ने कहा-एक उद्योगपति पर चर्चा करने से ज्यादा कई अहम मुद्दे भी हैं

मुंबई (एजेंसी)। अडानी मुद्दे पर कांग्रेस अब अकेली पड़ती नजर आ रही है। अब इंडिया गठबंधन के साथ शरद पवार की पार्टी ने भी इस मामले में बढ़ते अलगाव का संकेत दिया है। एनसीपी शरद पवार ने कहा कि संसद के समय का बेहतर उपयोग होगा अगर वह किसानों और युवाओं के मुद्दों पर चर्चा करे, न कि व्यापारी के साथ संबंधों की। कांग्रेस के सहयोगी टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी) और समाजवादी पार्टी ने अभी तक इस मुद्दे से दूरी बना रखी है, केवल कांग्रेस ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया है।

टीएमसी ने कहा है कि उद्योगपति गौतम अडानी पर चर्चा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। अब शरद पवार के भी कांग्रेस के से पल्ला झाड़ने के बाद कांग्रेस पर दबाव बढ़ सकता है और वह अडानी मुद्दे से पीछे हट सकती है। शुक्रवार को लोकसभा में संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर बहस हुई थी। एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि संविधान ने संसद को संवैधानिक प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया

है। दुर्भाग्य से, कई बार हम अनुभव करते हैं कि इसे राजनीतिक युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है। व्यक्तिगत टिप्पणियों के कारण संसद को कई बार स्थगित किया जाता है।

सांसाद कोल्हे ने कहा कि हमें इस बात की ज्यादा चिंता होनी चाहिए कि हमारे किसानों और युवाओं की आवाज यहां उठती है या नहीं, बल्कि एक राजनीतिक नेता का एक कॉरपोरेट के साथ क्या संबंध है, कौन सा नेता किसी के पलायन में कहां गया है, या किस विदेशी नेता ने एक स्थानीय नेता को चंदा दिया है। हम राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं, न कि राजनीतिक नारों पर। यह कुछ ऐसा है जिससे सरकार और विपक्ष दोनों को अवगत होना चाहिए। सांसद सुप्रिया सुले जो कोल्हे के बगल में बैठी थीं, पूरे भाषण के दौरान अपनी सहमति जताती रहीं।

एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, शरद पवार के भतीजे ने हाल ही में कहा था कि पांच साल पहले अडानी ने बीजेपी और एनसीपी के बीच महाराष्ट्र सरकार गठन की बात करवाई थी। यह तब था जब 2019 में महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन की जीत के बाद शिवसेना के एनडीए से बाहर निकलने के बाद अजीत पवार ने देवेंद्र फडणवीस के साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बुधवार को संसद को बाधित करने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों को जिम्मेदार ठहराया है। बनर्जी ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के अटकने की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि हम यहां कुछ काम करने आए हैं। अडानी मुद्दा ही एकमात्र मुद्दा नहीं है। इतने सारे मुद्दे हैं। कांग्रेस अडानी से जुड़ी हुई है और बीजेपी जॉर्ज सोरोस से जुड़ी हुई है। क्या इसका मतलब यह है कि अन्य सभी मुद्दे दूर हो जाएंगे।

दिल्ली के स्कूल को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली । शनिवार को फिर दिल्ली के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके साथ ही ये इस सप्ताह दिल्ली के स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजने की तीसरी घटना है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने कहा, हमें सुबह 6:09 बजे डीपीएस आरके पुरम में बम होने की धमकी के बारे में फोन आया। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग, स्थानीय पुलिस, डॉग स्क्वायड और बम का पता लगाने वाली टीमें स्कूल पहुंचीं और तलाशी अभियान शुरू किया। जांच के लिए पहुंची पुलिस ने बताया कि स्कूल से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है, लेकिन तलाशी जारी है। इसके पहले शुक्रवार को, करीब 30 स्कूलों को ईमेल पर बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद कई एजेंसियों ने उनके परिसरों की तलाशी शुरू कर दी। इससे पहले, सोमवार को करीब 44 स्कूलों को इसी तरह के ईमेल मिले थे। तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध न मिलने पर पुलिस ने उन धमकियों को अफवाह करार दिया था।

अतुल सुभाष केसः आरोपी निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दी अग्रिम जमानत की याचिका

इलाहाबाद (एजेंसी)। बेंगलुरू में काम कर रहे एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास, साले और चाचा ससुर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चौखट पर पहुंच गए है। आरोपी पत्नी निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चारों की अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। अब बुधवार को याचिका पर अदालत में सुनवाई हो सकती है।

बता दें कि पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले अतुल ने डेढ़ घंटे के वीडियो के साथ 23 पेज का एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था। इसमें उन्होंने शादी की शुरुआत से लेकर पत्नी से विवाद के बाद खुद पर लगे एक-एक केस और सुसाइड की ओर ढकेलने वाले हर प्वाइंट को विस्तार से समझाया था। अतुल ने आत्महत्या से पहले खुद पर दहेज उत्पीड़न से लेकर हत्या सहित कई मामले दर्ज करने से लेकर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, साले अनुराग और पत्नी के चाचा सुशील पर लगाया है।

उधर जांच के लिए बेंगलुरु पुलिस की एक टीम यूपी के जौनपुर पहुंची थी जहां पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, साला और अन्य लोग रहते हैं। हालांकि, जब पुलिस वहां पहुंची तब घर पर ताला लटका मिला। क्योंकि, निकिता की मां निशा और उसका भाई अनुराग एक दिन पहले ही घर बंद कर रात में कहीं ओर चले गए है। इसके बाद बेंगलुरु पुलिस ने घर पर नोटिस चस्पा कर दिया था। नोटिस में लिखा था कि बेंगलुरु में दर्ज केस में अपना बयान दर्ज करवाएं। इसी नोटिस के बाद अब निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दी है।

अतुल सुभाष पर अब भी तीन मुकदमे

बता दें कि अतुल पर पत्नी निकिता की ओर से जौनपुर अदालत में कुल पांच मुकदमे दायर किए गए थे। जिसमें निकिता ने तलाक का मुकदमा और सीजेएम कोर्ट में हत्या, मारपीट और अप्राकृतिक यौन संबंध के मुकदमे को बाद में वापस ले लिया था।

एक साथ चुनाव कराने से देश का संघीय ढांचा कमजोर होगा : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा देश के संघीय ढांचे को कमजोर करती है। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की यह सरकार दिन-प्रतिदिन भारत के संविधान को नष्ट कर रही है। भारत एक संघीय देश है, जिसका एक संघीय ढांचा है। एक देश, एक चुनाव की बात करके आप संघीय ढांचे को कमजोर कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि राजग सरकार 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात करती है, लेकिन वास्तव में वे देश को पीछे ले जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे 2047 की बात करते हैं, लेकिन वे पीछे की ओर जा रहे हैं। देश के स्वतंत्र होने के बाद शुरुआती वर्षों में एक देश, एक चुनाव था। इसके बाद, क्षेत्रों के बीच सत्ता का वितरण हुआ और संघीय ढांचे का जन्म हुआ। वे हमें उसी तानाशाही की ओर वापस ले जाना चाहते हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत ही गलत है।'' इससे पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की एक बैठक में पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और पीडीपी, दोनों कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के लोगों से पीडीपी के एजेंडे से समझौता नहीं करने की अपील करते हुए कहा, ''लेकिन, मैं आपको बताना चाहती हूं कि पीडीपी कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए अस्तित्व में आई है।'' मुफ्ती ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार कैदियों की रिहाई, बिजली, आरक्षण आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप है। उन्होंने कहा, ''हम सरकार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्हें लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

भारत में कम विदेश में ज्यादा घूमना पसंद कर रहे भारतीय पर्यटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल सर्दियों में भारतीय सैलानी भारत में कम और विदेश जाने की ज्यादा बुकिंग करा रहे हैं। यात्रा ऐप 'इक्सिगो' और ऑनलाइन बस टिकट बुकिंग ऐप 'अभीबस' ने एक संयुक्त रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें कहा गया है कि कुछ देश हैं जो बार हॉट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल सर्दियों के दौरान थाइलैंड, वियतनाम, लंदन और बाली शीर्ष विदेशी यात्रा स्थलों में उभरे हैं। इन स्थानों के लिए उड़ान बुकिंग में 80-100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इक्सिगो ने कहा कि इसके साथ ही शिरडी, तिरुपति, अमृतसर और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक स्थलों के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 22 प्रतिशत से लेकर 669 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। आंकड़ों में बताया गया कि 20 दिसंबर, 2024 से दो जनवरी, 2025 तक बैंकॉक, फुकेट, अबू धाबी, कोलंबो, सिंगापुर, लंदन, वियतनाम, बाली और दुबई जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की यात्रा के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 48-174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर सुंदर ठंडे परिदृश्य और बर्फबारी के आकर्षण के कारण इस मौसम में अधिक यात्री पहाड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और देहरादून जैसे उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी स्टेशनों पर उड़ान बुकिंग में वृद्धि देखी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, हवाई किराये (एकतरफा) के संदर्भ में, मुंबई-हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) जैसे कुछ मार्गों पर 30 दिन की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर छह प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है, जबकि मुंबई-फुकेट जैसे अन्य मार्गों पर 47 प्रतिशत तक की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर, मुंबई-लंदन मार्ग पर प्रस्थान के लिए हवाई किराये में सालाना 46 प्रतिशत की गिरावट आई है। नई दिल्ली-हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर हवाई किराये में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एकतरफ़ा हवाई किराये की गणना 24 दिसंबर, 2023-एक जनवरी, 2024 के प्रस्थान के लिए और 24 दिसंबर, 2024-एक जनवरी, 2025 के प्रस्थान के लिए की गई है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू स्तर पर हवाई किराये (एकतरफा) के मामले में, दिल्ली-हैदराबाद (प्रस्थान) जैसे मार्गों पर 30 दिन की एपीडी आधार पर पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बेंगलुरू-लखनऊ और पुणे-नई दिल्ली मार्गों पर यह वृद्धि मात्र तीन प्रतिशत रही है।